लखनऊ

बुधवार, 09 अक्टूबर, 2024

वर्ष : 10 । अंक: 89

मूल्य : 1 रुपये

पृष्ठ : 8

UPHIN/2014/57034

हिंदी दैनिक

आर्यावर्त क्रांति

जीवन में विजेता कुछ अलग नहीं करते परंतु वह चीजों को ही अलग तरीके से करते हैं।

TODAY WEATHER

DAY 33° Hi

NIGHT 27° Low

संक्षेप

कमला हैरिस ने 7 अक्टूबर के पीड़ितों की याद में लगाया पौधा, कभी न भूलने की कसम खाई

वॉशिंगटन। अमेरिकी उपराष्ट्रपति कमला हैरिस ने हमास के 7 अक्टूबर के हमले की बरसी पर पीड़ितों की याद में अपने आधिकारिक आवास पर एक अनार का पौधा लगाया। इससे पहले हैरिस ने बताया कि पीड़ितों में 46 अमेरिकी शामिल हैं, जिनमें मिसौरी की एक गायिका भी शामिल है, जो अपने बेटे को गोलियों से बचाते हुए मारी गईं। इनके अलावा मरने वालों में कैलिफोर्निया की एक डांसर भी शामिल है, जो नोवा संगीत समारोह में अपने मंगेतर के साथ मारी गई थी। अमेरिकी राष्ट्रपति की उम्मीदवार हैरिस आज, मुझे पता है कि बहुत से यहूदी शोक के लिए प्रार्थना, कदीश का पाठ करेंगे और उस पर विचार करेंगे। प्रार्थना के शब्द मृत्यु के बारे में नहीं हैं। यह हमारे सबसे बुरे क्षणों में भी ईश्वर में हमारे स्थायी विश्वास के बारे में है। इसलिए जब हम 7 अक्टूबर की भयावहता पर विचार करते हैं, तो हमें याद रखना चाहिए कि हम विश्वास नहीं खो सकते। कमला हैरिस ने 7 अक्टूबर को कभी न भूलने और यह सुनिश्चित करने के लिए काम करने का संकल्प लिया कि ऐसा हमला कभी दोहराया न जाए। साथ ही यह भी सुनिश्चित किया जाए कि इजराइल और यहूदी लोग वैश्विक स्तर पर सुरक्षित रहें। उन्होंने गाजा में युद्ध विराम समझौते के माध्यम से बंधकों को रिहा करने और वहां रहने वाले फिलिस्तीनियों की अत्यधिक पीड़ा को दूर करने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

इजराइल का ऐलान- अब लेबनान के दक्षिणी तट पर ऑपरेशन, लोगों को दूर रहने की चेतावनी

यरुशलम, एजेंसी। मिडिल ईस्ट में छिड़ी जंग के बीच इजराइल की सेना ने फिर लेबनान पर हमले का ऐलान कर दिया है। आईडीएफ कहा कि वह जल्द ही लेबनान के दक्षिणी तट पर अभियान शुरू करेगी। उसने भूमध्य सागर के 60 किलोमीटर क्षेत्र में निवासियों तथा मछुआरों को समुद्र तट से दूर रहने की चेतावनी दी है। सेना के बयान में यह स्पष्ट नहीं किया गया कि किस तरह का अभियान चलाया जाएगा। इजराइली सेना हिजबुल्ला के खिलाफ सैन्य अभियान के तहत दक्षिणी लेबनान में हवाई हमले करने के साथ ही सीमावर्ती क्षेत्रों में जमीनी कार्रवाई भी कर रही है। सेना ने एक बयान में लेबनान की अवाली नदी के दक्षिण में रहने वाले निवासियों से कहा गया है कि वे अपनी सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए समुद्र तटों से दूर रहें। इजराइली सेना का कहना है कि वह जल्द ही लेबनान के दक्षिणी तट पर अभियान शुरू करेगी, जिसमें निवासियों को समुद्र तटों से दूर रहने और मछुआरों को 60 किलोमीटर की दूरी तक समुद्र से दूर रहने के लिए कहा गया है। हालांकि सेना के बयान में यह नहीं कहा गया कि कौन से ऑपरेशन किए जाएंगे। बता दें कि इजराइली सेना हिजबुल्लाह के खिलाफ अभियान में दक्षिणी लेबनान में तीव्र हवाई हमले कर रही है और सीमा के पास सीमित जमीनी घुसपैठ कर रही है। बयान में लेबनान की अवली नदी के दक्षिण में रहने वाले निवासियों से कहा गया है कि वे अपनी सुरक्षा के लिए समुद्र तटों और समुद्र से दूर रहें। यह नदी इजराइली-लेबनानी सीमा से लगभग 60 किलोमीटर उत्तर में भूमध्य सागर में गिरती है।

हरियाणा में भाजपा, जम्मू-कश्मीर में गठबंधन

हरियाणा चुनाव परिणाम

कुल सीट - 90, बहुमत - 46

पार्टी	
भाजपा	48
कांग्रेस	36
जजपा	0
इनेलो	2
अन्य	3

जम्मू कश्मीर चुनाव परिणाम

कुल सीट - 90, बहुमत - 46

पार्टी	
कांग्रेस	49
भाजपा	29
पीडीपी	3
अन्य	9

इस महाविजय के लिए अथक परिश्रम और पूरे समर्पण भाव से काम करने वाले अपने सभी कार्यकर्ता साथियों को भी मेरी बहुत-बहुत बधाई! आपने ना केवल राज्य की जनता-जनार्दन की भरपूर सेवा की है, बल्कि विकास के हमारे एजेंडे को भी उन तक पहुंचाया है। इसी का नतीजा है कि भाजपा को हरियाणा में यह ऐतिहासिक जीत हासिल हुई है। वहीं, जम्मू-कश्मीर के नतीजों पर मोदी ने कहा कि जम्मू-कश्मीर में ये चुनाव बेहद खास रहे हैं। अनुच्छेद 370 और 35 (ए) को हटाने के बाद पहली बार आयोजित किया गया और इसमें भारी मतदान हुआ, जिससे लोकतंत्र में लोगों के विश्वास का पता चला। मैं इसके लिए जम्मू-कश्मीर के प्रत्येक व्यक्ति को बधाई देता हूं।

नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

'समाज में जाति का जहर फैला रही कांग्रेस', चुनावी नतीजों पर बोले नरेंद्र मोदी

झूठ की घुट्टी पर भारी पड़ी विकास की गारंटी

नई दिल्ली, एजेंसी। हरियाणा और जम्मू कश्मीर चुनाव के नतीजे आज सामने आ गए हैं। हरियाणा में भाजपा ने जबरदस्त तरीके से ऐतिहासिक जीत हासिल की है। वहीं जम्मू कश्मीर में कांग्रेस और नेशनल कांफ्रेंस गठबंधन को जीत मिली है। भाजपा 29 सीटों पर जीत हासिल करने में कामयाब रही है। चुनावी परिणामों को लेकर भाजपा में जबरदस्त उत्साह है। आज भाजपा कार्यालय में जबरदस्त जश्न रखा गया था जहां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। अपने अंबोधन में मोदी ने कहा कि हम सबने सुना है कि 'जहां दूध दही का खाना, वैसा है अपना हरियाणा।' हरियाणा के लोगों ने फिर कमाल कर दिया है और कमल-कमल कर दिया है।

नरेंद्र मोदी ने कहा कि ऐसे पावन दिन हरियाणा में तीसरी बार लगातार कमल खिला है। गीता की धरती पर सत्य की जीत हुई है। गीता की धरती पर विकास की जीत हुई है। गीता की धरती पर सुशासन की जीत हुई है।

हर जाति, हर वर्ग के लोगों ने हमें वोट दिया है। जम्मू-कश्मीर को लेकर उन्होंने कहा कि दशकों के इंतजार के बाद आखिरकार शांतिपूर्वक चुनाव हुए, वोटों की गिनती हुई, नतीजे आए। ये भारत के संविधान की जीत है, भारत के लोकतंत्र की जीत है। उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर की जनता ने एनसी गठबंधन को जनादेश दिया, मैं उन्हें भी बधाई देता हूं। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि वोट शेयर प्रतिशत पर नजर डालें तो जम्मू-कश्मीर में बीजेपी सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है।

मोदी ने साफ तौर पर कहा कि हरियाणा की ये जीत कार्यकर्ताओं के अथाह परिश्रम का परिणाम है। हरियाणा की ये जीत नड्डा जी और हरियाणा की टीम के प्रयासों की जीत है। हरियाणा की ये जीत नम्र-विनम्र हमारे मुख्यमंत्री जी के कर्तव्यों की भी जीत है। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि आज हरियाणा में झूठ की घुट्टी पर विकास की गारंटी भारी पड़ी है। हरियाणा की जनता ने नया इतिहास रच दिया है। उन्होंने कहा कि हरियाणा में अब तक 13 चुनाव हुए हैं। इनमें से 10 चुनाव में हरियाणा के लोगों ने हर 5 साल के बाद सरकार बदली। लेकिन इस बार हरियाणा के लोगों ने जो किया है, वो अभूतपूर्व है। पहली बार ऐसा हुआ है कि 5-5 साल के दो कार्यकाल पूरा करने वाली किसी सरकार को हरियाणा में फिर से मौका मिला है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि भाजपा दुनिया का सिर्फ सबसे बड़ा दल ही नहीं है। भाजपा सबसे ज्यादा दिलों में भी बसी हुई है। हरियाणा में जनता ने विकास के मुद्दे पर भाजपा की हैट्रिक लगाई। उन्होंने कहा कि भाजपा ने कांग्रेस के कुशासन से मुक्ति दिलाई, इसलिए गुजरात और मध्य प्रदेश की जनता दो दशक से भी ज्यादा समय से अपना आशीर्वाद बनाए हुए है। विपक्ष पर हमला जारी रखते हुए मोदी ने कहा कि देश के ज्यादातर राज्यों के लोगों ने कांग्रेस के लिए No Entry का बोर्ड लगा दिया है। पहले कांग्रेस सोचती थी कि वो चाहे काम करे या न करे, लोग तो उसको वोट देंगे ही। लेकिन अब कांग्रेस की पोल खुल चुकी है। उसका डिब्बा गोल हो चुका है।

'उमर अब्दुल्ला बनेगा चीफ मिनिस्टर..' चुनाव नतीजों के बाद फारूक की दहाड़ काफी कुछ कह रही!

नई दिल्ली, एजेंसी। लोकतंत्र की खूबसूरती देखनी है तो भारत के विधानसभा चुनावों में आपका स्वागत है। ताजा बानगी जम्मू-कश्मीर और हरियाणा के चुनाव हैं। हरियाणा में तो पूरी बाजी ही पलट गई और जम्मू-कश्मीर में तो क्या से क्या हो गया देखते-देखते। जिस जम्मू-कश्मीर में करीब दसेक साल से केंद्र की बीजेपी ने दावा बोला हुआ था, अब वहां की जनता से फिर से अब्दुल्ला परिवार को मुकुट पहना दिया। तभी तो चुनाव के नतीजे साफ होते होते या यूं कहा जाए कि पूरा परिणाम आने से पहले ही अब्दुल्ला परिवार के मुखिया ने ऐलान कर दिया कि उमर नए सीएम होंगे।

मानों उनकी भड़ास निकल आई

पहले फारूक अब्दुल्ला के शब्द सुनिए। प्रेस वार्ता में पत्रकारों ने उनसे जैसे ही पूछा तो ऐसा लगा मानों उनकी भड़ास निकल आई। उन्होंने तपाक से कह दिया कि उमर अब्दुल्ला चीफ मिनिस्टर बनेगा। उनकेइस तक़रीर में ना सिर्फ उनका दर्द बल्कि भविष्य के कश्मीर का खाका भी छिपा हुआ है। क्योंकि इसके साथ ही उन्होंने और भी कई चीजें कह डालीं जो शायद ही बीजेपी और केंद्र सरकार को पसंद आएंगी।

उमर अब्दुल्ला: नेशनल कॉन्फ्रेंस की मशाल जलाए रखी

लेकिन यह तो तय है कि अब जम्मू-कश्मीर में नेशनल कॉन्फ्रेंस की सरकार होगी। मजेदार बात यह भी होगी कि फिलहाल पूरी शक्तियां उप राज्यपाल के पास हैं। ऐसे में देखना होगा कि शक्ति का संतुलन कैसे बनता है। इन सबके बीच उमर अब्दुल्ला के बारे में भी समझने की जरूरत है कि कैसे उन्होंने फारूक अब्दुल्ला के बाद नेशनल कॉन्फ्रेंस की मशाल जलाए रखी और लोकसभा चुनाव में अपनी खुद की सीट भी हारने के बाद उन्होंने इस चुनाव में लोगों से अपनी टोपी सामने रखकर वोट मांगे।

कांग्रेस से बदला लेने के लिए हरियाणा में आप ने उतारे उम्मीदवार, प्रदेश में खाता भी नहीं खुलने पर स्वाति मालीवाल ने कसा तंज

नई दिल्ली, एजेंसी। हरियाणा में विधानसभा चुनाव के लिए मंगलवार को जारी मतगणना के रुझानों में भाजपा ने बहुमत का आंकड़ा पार कर लिया है और वह राज्य की 90 में से 47 सीट पर आगे है जबकि कांग्रेस 38 सीट पर आगे है। वहीं आम आदमी पार्टी को हरियाणा में निराशा हाथ लगी है। अब पूरे मामले को लेकर राज्यसभा सांसद स्वाति मालीवाल ने तंज कसा है। स्वाति मालीवाल ने कहा कि सिर्फ़ कांग्रेस से बदला लेने के लिए हरियाणा में उतरे। मुझपे बीजेपी एजेंट होने के झूठे आरोप लगाए, ख़ुद आज इंडिया अलायन्स से ग़द्दारी करके कांग्रेस की वोट काट रहे हैं! सब छोड़ो, विनेश फोगाट तक को हराने के लिए प्रत्याशी उतारा।

राज्यसभा सांसद ने पूछा कि क्यों ऐसा हाल आ गया है कि अपने गृह राज्य में ज़मानतें नहीं बचा पा रहे? अभी भी वक्त है, अहंकार छोड़ो, धुंधली आँखों से पर्दा हटाओ, ड्रामा मत करो और जनता के लिए काम करो। बता दें कि अरविंद केजरीवाल की आम आदमी पार्टी ने हरियाणा में भी बड़ा दांव खेला था और 90 में से 88 सीटों पर चुनाव लड़ा था लेकिन लगता है कि हरियाणा के लोगों को आप रास नहीं आई।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने निर्वाचन आयोग की वेबसाइट पर हरियाणा के चुनाव नतीजे अद्यतन करने में 'विलंब' को लेकर कांग्रेस की ओर से आपत्ति जताए जाने के बाद उस पर तंज कसते हुए कहा कि विपक्षी पार्टी राज्य चुनावों में अपनी आसन्न हार के लिए बहाने बनाने का प्रयास कर रही है।

'समझ से परे है राजनीति का मकड़जाल', हरियाणा में भाजपा की जीत पर बोले राकेश टिकैत, देश गड्ढे में जाएगा

नई दिल्ली, एजेंसी। हरियाणा में बीजेपी की जीत से कई लोग हैरान है। हालांकि भाजपा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए तीसरी बार सत्ता में वापसी की है। इन सब के बीच राकेश टिकैत का एक बड़ा बयान आया है। राकेश टिकैत में अपने बयान में भाजपा की जीत पर नाराजगी जताई है। टिकैत ने साथ ही साथ कहा है कि इतनी नाराजगी के बाद भी अगर भाजपा जीतती है तो इससे देश जरूर गड्ढे में जाएगा। उन्होंने कहा कि राजनीति का मकड़जाल हमारी समझ से पूरी तरीके से परे हैं। राकेश टिकैत भारतीय किसान यूनियन के प्रवक्ता है। उन्होंने अपने आवास पर मीडिया से बात करते हुए कहा कि हरियाणा में सरकार से नाराजगी थी, इसके बावजूद भी वहां बीजेपी की सरकार बना रही है तो देश गड्ढे में जाएगा।

'एक मोदी सब पर भारी', हरियाणा के चुनावी रुझानों पर गिरिराज सिंह का कांग्रेस पर तंज

नई दिल्ली, एजेंसी। हरियाणा चुनाव के रुझानों में भाजपा ऐतिहासिक तौर पर जीतती हुई दिखाई दे रही है। यही कारण है कि भाजपा गदगद है। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने साफ तौर पर कह दिया है कि एक मोदी सब पर भारी हैं। उन्होंने कहा कि हम 'एक मोदी सब पर भारी' के नतीजे देख रहे हैं। उन्होंने कहा कि हरियाणा के लोगों ने उन्हें (राहुल गांधी) सबक सिखा दिया है।' उन्हें राहुल गांधी के बयानों पर नहीं बल्कि पीएम मोदी पर भरोसा है। सभी किसान और पहलवान हमारे साथ हैं। भाजपा नेता ने कहा कि हमने जम्मू-कश्मीर में भी कांग्रेस पार्टी को हराया है। वे भाजपा के सामने कहीं नहीं टिकते। उन्होंने (राहुल गांधी) फारूक अब्दुल्ला का समर्थन किया। बवानी खेड़ा विधानसभा सीट से बीजेपी के प्रमुख उम्मीदवार कपूर सिंह ने कहा कि मैं जीत गया हूं क्योंकि लोगों ने मुझे अपना समर्थन दिया है। लोगों ने साबित कर दिया है कि जो काम करता है वह कभी नहीं हारता। उन्होंने कहा कि मैं लोगों के बीच रहा हूं...लोगों ने मुझे अपना आशीर्वाद दिया है। जैसे ही भाजपा की सरकार बनी जनता ने केंद्र में तीसरी बार, हरियाणा में भी तीसरी बार भाजपा की सरकार बनाने का मन बना लिया है।

विनेश फोगाट की जीत पर आया बृजभूषण सिंह का रिएक्शन, कहा- मेरे नाम में इतना दम तो है कि...

नई दिल्ली, एजेंसी। ओलंपिक खिलाड़ी एवं पहलवान विनेश फोगाट ने बतौर कांग्रेस उम्मीदवार अपना पहला चुनाव जीत लिया। अब इस पर बृज भूषण सिंह की प्रतिक्रिया सामने आई है। जुलाना निर्वाचन क्षेत्र से कांग्रेस उम्मीदवार विनेश फोगाट की जीत पर पूर्व WFI अध्यक्ष और भाजपा नेता बृज भूषण शरण सिंह ने कहा कि हमारा नाम लेकर अगर वे(विनेश फोगाट) जीत गईं तो इसका मतलब हम महान आदमी हैं। कम से कम मेरे नाम में इतना दम तो है कि मेरा नाम लेकर उनकी नईया पार हो गई लेकिन कांग्रेस को तो डुबो दिया...राहुल बाबा का क्या होगा? भाजपा नेता बृज भूषण शरण सिंह ने कहा कि हरियाणा की जनता को बधाई। किसान आंदोलन और पहलवानों के आंदोलन के नाम पर हरियाणा की जनता को भ्रमित करने का बहुत प्रयास किया गया। इसके बाद भी हरियाणा की जनता ने भाजपा की सरकार बनाई है... सभी लोग बधाई के पात्र हैं। वहीं जुलाना निर्वाचन क्षेत्र से कांग्रेस उम्मीदवार विनेश फोगाट ने अपनी जीत पर कहा, ये हर उस लड़की और महिला की लड़ाई है जो संघर्ष के रास्ते को हमेशा चुनती है... इस देश ने मुझे जो प्यार दिया है उसे मैं हमेशा बनाकर रखूंगी... अभी इंतजार कीजिए क्योंकि अभी सभी सीटों पर नतीजे साफ नहीं हुए हैं..।

राजनाथ ने जर्मनी के रक्षा मंत्री से फोन पर की बात, आपसी सहयोग को और मजबूत करने पर जताई सहमति

भारत जैसे भागीदारों का समर्थन करने के लिए तैयार

पिस्टोरियस ने कहा कि जर्मनी भारत जैसे भागीदारों का समर्थन करने के लिए तैयार है। उन्होंने संकेत दिया कि हम अपने भागीदारों, इंडोनेशिया जैसे अपने विश्वसनीय भागीदारों, भारत जैसे भागीदारों का समर्थन करने के लिए तैयार हैं।

नई दिल्ली, एजेंसी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मंगलवार को जर्मन संघीय रक्षा मंत्री बोरिस पिस्टोरियस के साथ टेलीफोन पर बातचीत की। दोनों नेताओं ने हवाई और समुद्री क्षेत्र में अभ्यास और रक्षा सहयोग गतिविधियों की समीक्षा की। इसके अलावा, दोनों देशों के बीच रक्षा सहयोग को और मजबूत करने पर सहमति जताई। वहीं, रक्षा औद्योगिक सहयोग को मजबूत करने और आपूर्ति श्रृंखला के तौर तरीकों और साधनों पर भी चर्चा हुई।

क्या बोले राजनाथ सिंह?

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और उनके जर्मन समकक्ष बोरिस पिस्टोरियस ने क्षेत्रीय मुद्दों पर चर्चा करके अपनी प्राथमिकताएं साझा कीं। उन्होंने सोशल मीडिया मंच एक्स पर कहा, 'जर्मनी के रक्षा मंत्री बोरिस पिस्टोरियस के साथ सार्थक चर्चा हुई। हमने क्षेत्रीय मुद्दों और अपनी साझा प्राथमिकताओं पर बातचीत की। हम भारत और जर्मनी के बीच रक्षा सहयोग को और मजबूत करने पर भी सहमत हुए।'

कुछ महीने पहले आए थे भारत

बोरिस पिस्टोरियस जून माह में चार दिवसीय भारत दौरे पर आए थे, तब भी भारतीय रक्षा मंत्री के साथ द्विपक्षीय वार्ता की थी। जर्मन संघीय रक्षा मंत्री ने मुंबई जाकर पश्चिमी नौसेना कमान मुख्यालय और मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड का दौरा किया था।

रामलीला मंच के पास से हटाये जाने पर दलित दर्शक ने की आत्महत्या, अखिलेश ने साधा निशाना

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

कासगंज/लखनऊ। उत्तर प्रदेश के कासगंज जिले में रामलीला मंच के पास से हटाये जाने पर आहत हुए एक दलित दर्शक ने कथित रूप से आत्महत्या कर ली। पुलिस के एक अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। अधिकारी के मुताबिक, सोरों थानाक्षेत्र में आयोजित रामलीला के दौरान पुलिस द्वारा कथित तौर पर अपमानित किये जाने से आहत होकर एक दलित दर्शक ने आत्महत्या कर ली। वहीं पुलिस ने बताया कि आयोजकों द्वारा व्यक्ति को शराब के नशे में होने के बाद वहां से हटाया गया। समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने इस मामले में मंगलवार को प्रदेश की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि मंच के करीब कुर्सी पर बैठे दलित व्यक्ति को पुलिस द्वारा अपमानित व पीटे जाने के बाद उसने आत्महत्या कर ली। कासगंज पुलिस की ओर से जारी बयान में बताया गया कि सोरों थाना क्षेत्र केसलेमपुर बीबी इलाके में सोमवार सुबह रमेश चंद्र (45) अपने घर में फंदे से लटका हुआ पाया गया। पुलिस के अनुसार, "रामलीला आयोजन समिति के सभी सदस्यों ने सोरों थाना के प्रभारी निरीक्षक (एसएचओ) को एक प्रार्थना पत्र देकर कहा कि रमेश नशे की हालत में कार्यक्रम के दौरान मंच पर आया और बैठ गया, जिसके बाद आयोजकों और ग्रामीणों ने वहां मौजूद पुलिसकर्मियों से उसे हटाने के लिए कहा और तुरंत बाद उसके दोनों भांजे धारा सिंह और मुनेंद्र उसे घर लेकर चले गए।" पुलिस ने बताया कि आयोजकों ने बताया कि वह पिछले दो-तीन दिनों से शराब पीकर रामलीला कार्यक्रम में आ रहा था। पुलिस के मुताबिक, मृतक की पोस्टमार्टम रिपोर्ट में किसी भी तरह की चोट के निशान नहीं हैं और घटना में शामिल दोनों पुलिसकर्मियों को तत्काल प्रभाव से पुलिस लाइन भेज दिया गया है। पुलिस ने बताया कि मामले की जांच अपर पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार भारतीय कर रहे हैं और जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। वहीं अखिलेश ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, "उप्र के कासगंज में रामलीला देखते समय मंच के करीब कुर्सी पर बैठने के लिए पुलिस द्वारा अपमानित व पीटे जाने के बाद एक दलित की आत्महत्या का समाचार बेहद दुखद और सामाजिक रूप से चिंताजनक है।"

मझवां विधानसभा उप चुनाव-2024 के तैयारियों के दृष्टिगत जिलाधिकारी ने प्रभारी, सहायक

प्रभारी अधिकारियों के साथ बैठक कर दिया आवश्यक दिशा निर्देश, प्रतिशत सत्यापन कराकर सुव्यवस्थितः जिलाधिकारी

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

मीरजापुर। मझवा विधानसभा उप चुनाव-2024 को सुचारू रूप से सम्पन्न कराने हेतु जिला निर्वाचन अधिकारी, जिला मजिस्ट्रेट प्रियंका निरंजन ने प्रभारी अधिकारियों, सहायक प्रभारी अधिकारियों की तैनाती करते हुए उन्हें निर्वाचन से सम्बन्धित तैयारियों हेतु कार्य आवंटन किया हैं। उक्त तैयारियों के दृष्टिगत जिलाधिकारी ने आज कलेक्ट्रेट सभागार में सभी अधिकारियों की बैठक कर तैयारियों की समीक्षा करते हुए कहा कि जिस अधिकारी को जो कार्य आवंटन किया गया है वे पूरी निष्ठा व पारदर्शिता के साथ सम्पादन कराएं। उन्होंने कहा कि सभी विभागाध्यक्ष अपने विभाग से सम्बन्धित अधिकारियों कर्मचारियों का विस्तृत डाटा प्रत्येक दशा में 10 अक्टूबर 2024 तक फीडिंग कराकर एनआईसी में मिलान करा लें। उन्होंने जिला पंचायत राज अधिकारी, उप जिलाधिकारी सदर एवं जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी को निर्देशित करते हुए कहा कि मझवां विधानसभा के प्रत्येक मतदेय स्थलों का सत्यापन करा लें यदि कही फर्नीचर, खिड़की, दरवाजा, शौचालय, पेयजल व्यवस्था, रैम्प, प्रकाश व्यवस्था आदि की कमी पाई जाती है तो उसे तत्काल दुरूस्त करा लिया जाए। उन्होंने कहा कि शत प्रतिशत मतदेय स्थलों का बेबकास्टिंग भी कराई जाएगी इसके लिए अनवरत विद्युत आपूर्ति बनाए रखने का निर्देश दिया गया फिर भी इमरजेंसी के लिए प्रत्येक बूथो पर इंवर्टर की भी व्यवस्था कराए जाने का भी निर्देश दिया गया। उन्होंने अपर पुलिस अधीक्षक आपरेशन एव उप जिलाधिकारी सदर को निर्देशित करते हुए कहा कि क्रिटिकल व बनरेबुल बूथो का चिन्हांकन कर आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करें। उन्होंने रूट चार्ट, वाहनों की व्यवस्था, स्टेशनरी छपवाना व पैकेजिंग, आनलाइन शिकायतो का निस्तारण, प्रेक्षक हेतु समस्त व्यवस्थाएं, पोलिंग पार्टियों को भेजने बैरीकेटिंग आदि की तैयारियां पहले से ही तैयार करने का निर्देश दिया। उप निर्वाचन के तैयारियों हेतु श्री विशाल कुमार मुख्य विकास अधिकारी निर्वाचन से सम्बन्धित मतदान, मतगणना कार्मिक, माइक्रो आब्जर्वर आदि की नियुक्ति तथा प्रभारी अधिकारियों को स्टाफ उपलब्ध कराना, एसएमएस निगरानी से सम्बन्धित प्रशिक्षण एवं मतदान दिवस की देख रेख करने हेतु प्रभारी अधिकारी होंगें उनके साथ सहायक प्रभारी अधिकारी के रूप में दिलीप कुमार सोनकर परियोजना निदेशक डीआरडीए, जिला विद्यालय निरीक्षक राज कुमार दीक्षित, अभिषेक कुमार श्रीवास्तव जिला सूचना विज्ञान अधिकारी, अनिल कुमार वर्मा जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी एवं प्रशान्त शुक्ला डिसट्रिक क्वार्डिनेटर जिला पंचायत प्रथम टीम में तथा द्वितीय टीम में श्रवण कुमार राय जिला विकास अधिकारी, जिला विद्यालय निरीक्षक, एके सिंह जिला प्रशिक्षण अधिकारी, लवकेश पाल प्रवक्ता राजकीय पालीटेक्निक बथुआ, महेन्द्र नाथ सोनकर उप प्रधानाचार्य राजकीय इण्टर कालेज मीरजापुर तथा टीम-3 में जिला विद्यालय निरीक्षक, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, जिला पंचायत राज अधिकारी, जिला दिव्यांग जन सशक्तिकरण अधिकारी सहायक प्रभारी अधिकारी के रूप में कार्य करेंगे। देवेन्द्र प्रताप सिंह अपर जिलाधिकारी नमामि गंगे मतदेय स्थलों पर मूल भूत सुविधा, आर्दश आचार संहिता का अनुपालन कराना, कानून व्यवस्था सुनिश्चित कराना, जोनल, सेक्टर मजिस्ट्रो की तैनाती, मीडिया से सम्बन्धित सूचना एवं प्रेस व प्रेसनोट आदि व्यवस्था हेतु प्रभारी अधिकारी होंगे उनके साथ सहायक प्रभारी अधिकारी के रूप में नगर मजिस्ट्रेट लाल बहादुर सिंह, उप जिलाधिकारी चुनार, उप जिलाधिकारी लालगंज, उप जिलाधिकारी मड़हान, डिप्टी कलेक्टर शक्ति प्रताप सिंह, कानून व्यवस्था हेतु एवं मीडिया प्रकोष्ठ के लिए भरत लाल सरोज अपर उप जिलाधिकारी, ओम प्रकाश उपाध्याय जिला सूचना अधिकारी, बेबकास्टिंग कार्य हेतु भरत लाल सरोज, अभिषेक श्रीवास्तव जिला सूचना विज्ञान अधिकारी, दीप चन्द्र दीक्षित ईडीएम, सुभाष वर्मा, एसडीओ एवं रामेन्द्र शुक्ला डिसट्रिक मैनेंजर जन सेवा केन्द्र होंगे। सत्य प्रकाश सिंह मुख्य राजस्व अधिकारी निर्वाचन सम्बधी समस्त शिकायतो का निस्तारण एवं सूचनाओं का प्रेषण, जनपद मे आदर्श आचार संहिता का अनुपालन कराना मतदान एवं मतगणना व सुरक्षाकर्मी,फोर्स की ठहरने की व्यवस्था, एनजीआरएस, सी विजिल के संचालन व प्रशिक्षण, हेतु प्रभारी अधिकारी होंगे उनके साथ सहायक प्रभारी अधिकारी के रूप में भरत लाल सरोज अपर उप जिलाधिकारी, ईडीएम, अंकुर गुप्ता आपदा विशेषज्ञ, लाल भारती, अजय पाण्डेय सहायक प्रभारी के रूप में होंगे। नगर मजिस्ट्रेट यातायात व्यवस्था, प्रेक्षक एवं लाइजन आफिसर की व्यवस्था के प्रभारी तथा संतोष कुमार सिंह, विजय प्रकाश सिंह सभी सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी एवं संजय कुमार प्रसाद जिला पूर्ति अधिकारी प्रभारी अधिकारी होंगे। इसी प्रकार भरत लाल सरोज प्रभारी अधिकारी सर्विस वोटर, श्रीमती अर्चना त्रिपाठी मुख्य कोषाधिकारी, प्रभारी अधिकारी व्यय लेखा, सहायक व्यय प्रेक्षक, अनुवीक्षण टीम, लेखा टीम, नरेन्द्र सिंह बन्दोबस्त अधिकारी चकबन्दी, प्रभारी अधिकारी ईवीएम, वीवी पैट, मतपत्र, डमी बैलेट पेपर एवं पोस्टल बैलेट पेपर के प्रभारी अधिकारी होंगे। जिला विद्यालय निरीक्षक, प्रभारी अधिकारी कंट्रोल रूम, डा सीएल वर्मा मुख्य चिकित्साधिकारी, प्रभारी अधिकारी मेडिकल बोर्ड, किट, कोविड, सतीश कुमार अधिशासी अभियन्ता प्रान्तीय खण्ड लोक निर्माण विभाग एवं नीश कुमार श्रीवास्तव अधिशासी अभियन्ता विद्युत वितरण खण्ड द्वितीय, प्रभारी अधिकारी स्ट्रांग रूम, मतगणना कक्ष होंगे। इसके अतिरिक्त राजेन्द्र कुमार अधिशासी अभियन्ता जल निगम, बब्बन प्रसाद मौर्या जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी, संतोष कुमार श्रीवास्तव जिला पंचायत राज अधिकारी, संजय कुमार प्रसाद जिला पूर्ति अधिकारी, सुरेन्द्र कुमार वर्मा अपर मुख्य अधिकारी जिला पंचायत, दुर्गेश यादव डिप्टी कमिश्नर राज्य कर कार्यालय, ओम प्रकाश सिंह अपर पुलिस अधीक्षक को प्रभारी अधिकारी नामित करते हुए उप निर्वाचन-2024 मझंवा विधानसभा को सकुशन सम्पन्न कराने हेतु कार्य आवंटन किया गया हैं।

यूनिट खर्च कम, बिल आया लाखों में... मीटर रीडर लगा रहे थे 'चूना', नप गए 2 कर्मी

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

गाजीपुर। गाजीपुर जिले में बिजली विभाग के द्वारा उपभोक्ताओं को मनमाना बिल भेजे जाने की शिकायत आए दिन सामने आती रहती है। लोगों का कहना है कि गलत बिल आ रहा है, जबकि मीटर रीडिंग के लिए विभाग ने मीटर रीडरों को लगाया है। खामियां न मिले, इसके लिए समय-समय पर कवायद भी होती रहती है। हाल ही में निगम ने 233 मीटरों का मनमाना बिल देने पर दो मीटर रीडर को कार्यमुक्त कर दिया।

इसके बाद से ही बिजली विभाग में कार्यरत मीटर रीडर में हड़कंप मचा हुआ है कि अब किसके ऊपर गाज गिरने वाली है, क्योंकि अधिकतर मीटर रीडर उपभोक्ताओं के घर पहुंचने के बजाय घर बैठे ही मनमाना बिजली का बिल बनाकर उपभोक्ताओं को भेजते थे और उसे सही करने के नाम पर वसूली भी

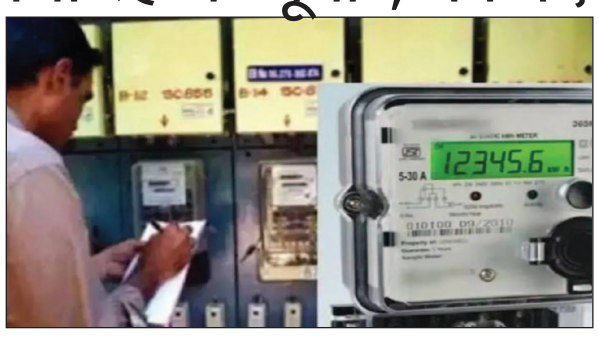

किया करते थे।

कई महीनों से मिल रही थी शिकायत

बिजली विभाग खंड-2 के आम घाट के अधिशासी अभियंता आशीष शर्मा को मोहम्मदाबाद क्षेत्र के मीटर रीडर राज नारायण खरवार और बलिराम यादव को विभाग के मानक के अनुसार मीटर की रीडिंग नहीं किए जाने की शिकायत मिल रही थी, जिसको देखते हुए उन्होंने दोनों को कार्य मुक्त कर दिया। साथ ही उनकी आईडी बंद करने के लिए संबंधित कंपनी को पत्र भी भेज दिया।

दोनों कर्मियों को हटाया गया

अधिशासी अभियंता के द्वारा जारी किए गए पत्र के अनुसार, राज नारायण खरवार ने 133 और बलराम यादव ने 200 मीटरों की रीडिंग मनमाने तरीके से की थी, जिसकी उपभोक्ताओं ने शिकायत की थी और जांच करने पर उपभोक्ताओं की शिकायत सही पाई गई। इसके बाद अधिशासी अभियंता ने तत्काल प्रभाव से दोनों मीटर रीडरों को हटा दिया।

आउटसोर्सिंग कंपनी ने की थी इनकी नियुक्ति

जानकारी के मुताबिक, मीटर रीडर की नियुक्ति आउटसोर्सिंग कंपनी के माध्यम से की जाती है। मीटर रीडिंग करने के लिए इन लोगों को मशीन भी दी जाती है, जिसके केबल को उपभोक्ताओं के मीटर में लगाने पर उपभोक्ता के मीटर की रीडिंग और उसका लोड सब कुछ सही तरीके से मीटर रीडर के मशीन में आ जाती है। हालांकि इन मीटर रीडरों के द्वारा घर बैठे ही मीटर रीडिंग की जा रही थी और उपभोक्ताओं को गलत बिजली बिल भेज कर उन्हें विभाग के चक्कर काटने को मजबूर किया जा रहा था।

शहरी परिवार कल्याण कार्यक्रमों की त्रैमासिक मंडलीय समीक्षा बैठक

» पीएसआई इंडिया के सहयोग से आयोजित बैठक में विभिन्न बिन्दुओं पर हुई चर्चा

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

मेरठ। शहरी क्षेत्रों में परिवार कल्याण कार्यक्रमों को और सुदृढ़ व गुणवत्तापूर्ण बनाने के उद्देश्य से मंगलवार को स्वास्थ्य विभाग के तत्वावधान में द चैलेंज इनिशिएटिव (टीसीआई)-पापुलेशन सर्विसेज इंटरनेशनल इंडिया (पीएसआई इंडिया) के सहयोग से अपर निदेशक चिकित्सा, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण कार्यालय मेरठ के सभागार में त्रैमासिक मंडलीय शहरी स्वास्थ्य समीक्षा एवं क्षमता वर्धन बैठक आयोजित की गयी। बैठक की अध्यक्षता अपर निदेशक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण डा. डी. के. सक्सेना

ने की।

डॉ. सक्सेना ने बैठक में शहरी क्षेत्रों में चलाये जा रहे परिवार कल्याण कार्यक्रमों की समीक्षा के साथ ही प्रसव पश्चात और गर्भ समापन पश्चात गर्भनिरोधक साधनों को अपनाने के लिए महिलाओं को प्रेरित करने व उच्च गुणवत्तापूर्ण सेवाओं को प्रदान के बारे में भी विस्तार से चर्चा की। जिला चिकित्सालय और निजी अस्पतालों में मुहैया करायी जा रहीं इन सेवाओं की उपलब्धियों पर भी चर्चा हुई। परिवार नियोजन कार्यक्रमों की उपलब्धियों के साथ ही फेमिली प्लानिंग लाजिस्टिक मैनेजमेंट इन्फोर्मेशन सिस्टम (एफपीएलएमआईएस) पोर्टल और पिछले छह माह में किए गए वित्तीय व्यय की भी समीक्षा की गयी। बैठक में आशा कार्यकर्ताओं के चयन, महिला आरोग्य समितियों (मॉस) के गठन, आयुष्मान आरोग्य मंदिर की स्थापना और उपलब्धियों आदि पर चर्चा हुई।

बैठक का संचालन मंडलीय परियोजना प्रबंधक अरविंद गोस्वामी, शहरी स्वास्थ्य समन्वयक प्रदीप कुमार व मंडलीय एफ.पी.एल.एम.आई.एस मैनेजर अखिलेश सिंह द्वारा किया गया। बैठक में मेरठ, बुलंदशहर, हापुड, गौतमबुद्धनगर व बागपत जनपद से राष्ट्रीय शहरी स्वास्थ्य मिशन के नोडल अधिकारी व शहरी स्वास्थ्य समन्वयक, जिला कार्यक्रम प्रबन्धक (डीपीएम), हेल्थ मैनेजमेंट इन्फॉर्मेशन सिस्टम (एचएमआईएस) मैनेजर, डी.सी.ए.ए व पीएसआई इंडिया से मैनेजर प्रोग्राम कोमल, इंद्रभूषण श्रीवास्तव और फील्ड प्रोग्राम कोआर्डिनेटर तरुण सौडियाल ने प्रतिभाग किया।

बत्ती थी गुल, पति की जगह दुल्हन के बिस्तर पर लेट गया पड़ोसी... असलियत पता चली तो हो चुका था कांड

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

भदोही। उत्तर प्रदेश के भदोही में एक विवाहिता के साथ कुछ ऐसा हुआ जिसकी शायद उसने कभी कल्पना भी नहीं की होगी। रात के अंधेरे का फायदा उठाकर पड़ोसी ने विवाहिता से रेप किया। आरोप है कि पीड़िता ने जब इस बारे में पुलिस को तहरीर दी तो उन्होंने उसे थाने से भगा दिया। लाचार होकर विवाहिता वने कोर्ट से मदद मांगी। इसके बाद कोर्ट के आदेश पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की।

लेकिन आरोपी फिलहाल फरार है। पुलिस उसकी तलाश में जुटी हुई है। मामला गोपीगंज थानाक्षेत्र का है। 34 साल की शादीशुदा महिला ने बताया- 17/18 जुलाई की रात को जब घर की बिजली गुल हो गई तो 32 वर्षीय पड़ोसी कंचू चोरी छिपे उनके घर आ धमका। किसी को भी इसकी भनक नहीं लगी। वो महिला के बिस्तर पर आकर लेट गया। महिला को लगा कि उसका पति बिस्तर पर लेटा है। वो उसे अपना

पति समझकर बगल में लेट गई।

पीड़िता ने बताया- कंचू उसके साथ अश्लील हरकत करने लगा। जब वो उसकी हरकतों से परेशान हो गई तो उसने उसे धक्का मारा। फिर हल्की रोशनी पड़ने पर उसे लगा कि ये तो उसका पति है ही नहीं। उसने चीखना-चिल्लाना शुरू कर दिया। लेकिन तब तक उसका रेप हो चुका था। युवती का शोर सुन घर वाले और आस-पड़ोस के लोग भी वहां आ गए।

महिला को ही कहे अपशब्द

महिला ने आरोपी को पड़ रखा था। लोगों ने फिर आरोपी की जमकर धुनाई की। पुलिस को भी सूचना दी। इस बीच कंचू के दो भाई, गमई और बोरा भी मौके पर पहुंच गए। गाली गलौज के साथ महिला को ही अपशब्द कहने लगे। जब तक पुलिस पहुंचती सभी मौके से भाग निकले।

तीनों आरोपी फरार

युवती ने आरोप लगाया कि उसने पुलिस में शिकायत दर्ज कराने के लिए तहरीर दी। इस पर उसे थाने से भगा दिया गया। कोई सुनवाई नहीं होने पर उसने सात अगस्त को मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट (सीजेएम) सबीहा खातून की अदालत में याचिका दायर की। इस पर सुनवाई करते हुए अदालत ने आरोपी कंचू के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने का आदेश पुलिस को दिया। फिलहाल आरोपी और उसके दोनों भाई फरार हैं। उनकी तलाश जारी है।

पुलिस की मौजूदगी में दिनदहाड़े चोरों ने बाइक पर किया हाथ साफ

राजगढ़, मीरजापुर। राजगढ़ थाना क्षेत्र के नदीहार बाजार स्थित स्टेट बैंक में पैसा निकालने आए युवक की बाइक पर पुलिस की आंखों के सामने दिनदहाड़े चोरों ने हाथ साफ कर दिया। पीड़ति ने राजगढ़ थाना पर बाइक चोरी हिने की तहरीर देकर कार्यवाही का मांग किया है।सूचना पर पहुची पुलिस बैंक में लगा सीसीटीबी फुटेज खंगालने में लगी हुई है। क्षेत्र में आये दिन हो रही चोरी की घटनाओं से क्षेत्र के लोग सहमे हुए हैं। हौसला बुलंद चोर पुलिस को चकमा देकर दिनदहाड़े चोरी की घटनाओं को अंजाम दे रहे हैं, जो पुलिस के लिए चुनौती बनी हुई है।चोरों के हौसला के सामने पुलिस बौना साबित हो रही है।सोनभद्र जनपद के बैड़ाड गांव निवासी गोपाल सिंह का लड़का अजय सिंह सोमवार को बाइक लेकर स्टेट बैंक नदिहार रुपये निकालने आया था। बैंक के सामने बाइक खड़ी कर बैंक में पैसा निकालने के बाद जब वापस बैंक से बाहर आया तो बाइक गायब थी।आसपास खोजबीन किया।

तीन नेताओं ने रची थी डासना देवी मंदिर पर हमले की साजिश, गाजियाबाद पुलिस को मिले खुफिया इनपुट

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

गाजियाबाद। डासना देवी मंदिर पर तीन राजनेताओं ने पर्दे के पीछे से हमले की साजिश रची थी। उन्होंने ही लोगों को मंदिर पर हमले के लिए उकसाते हुए मौके पर भेजा था। पुलिस को इस मामले में इनपुट इंटेलिजेंस मिले हैं, पुलिस इस मामले में तीनों के खिलाफ साक्ष्य जुटा रही है, जिससे कि उन पर कड़ी कार्रवाई की जा सके।

इसके अलावा एनआरसी, सीएए के प्रकरण में जिन 250 लोगों के खिलाफ गाजियाबाद में मुकदमे दर्ज हुए थे, उनकी भी निगरानी शुरू कर दी गयी है। जिससे कि वो लोग माहौल न खराब कर सकें। वहीं, इस वक्त डासना देवी मंदिर की सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी गयी है। पहले यहां पर 25 पुलिसकर्मी तैनात रहते थे, अब यहां पर 50 पुलिसकर्मी तैनात कर दिए गए हैं।

डासना देवी मंदिर महंत यति नरसिंहानंद ने 29 सितंबर काके हिंदी भवन में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान पैगंबर मोहम्मद पर आपत्तिजनक टिप्पणी की थी। उनके इस बयान के बाद बवाल मच गया। चार अक्टूबर की रात साढ़े नौ बजे डासना देवी मंदिर पर हमले के लिए सैकड़ों लोगों की भीड़ पहुंच गई थी, वह यति पर कार्रवाई की मांग को लेकर नारेबाजी कर रहे थे।

पुलिस ने पथराव करने वालों को खदेड़ा

पुलिस ने जब उनको रोकने की कोशिश को उन पर पथराव शुरू कर दिया गया। मौके पर भारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे पुलिस कमिश्नर अजय मिश्र सहित अन्य पुलिस अधिकारियों ने पथराव करने वाले लोगों को मौके से खदेड़ा। जिस वक्त भीड़ वहां पर पहुंची थी, मंदिर के अंदर यति नरसिंहानंद, भाजपा नेत्री डॉ. उदिता त्यागी, अनिल यादव सहित कई संत और श्रद्धालु मौजूद थे।

विधायक नंद किशोर गुर्जर ने की एनकाउंटर की मांग

भाजपा नेत्री ने दावा किया कि भीड़ ने मंदिर पर भी पथराव कर हमला किया , वे मंदिर में घुसकर महंत सहित अन्य लोगों को मारने की फिराक में थे। पांच अक्टूबर को विधायक नंद किशोर गुर्जर ने देवी मंदिर पर पहुंचकर भीड़ द्वारा मंदिर पर किए गए हमले को सनातन धर्म पर हमला बताया था, उन्होंने दावा किया कि पुलिस ने समय रहते कार्रवाई करते हुए एक बड़ी घटना को होने से बचा लिया।

उन्होंने हमलावरों के एनकाउंटर तक की मांग की है। इस मामले में इंटेलिजेंस इनपुट की मदद से पुलिस अधिकारियों को पता चला है कि चार अक्टूबर की रात को मंदिर के साथ ही महंत व अन्य लोगों पर हमला कर बड़ी वारदात की साजिश रची गई थी । इसमें तीन राजनेताओं का हाथ है, वे पर्दे के पीछे से पूरी प्लानिंग कर चुके थे। पुलिस को शक न हो, इसलिए वे मौके पर नहीं आए थे।

पुलिस ने इन तीनों राजनेताओं की निगरानी बढ़ा दी है, उनके खिलाफ कार्रवाई के लिए साक्ष्य एकत्रित किए जा रहे हैं। शहर में शांति व्यवस्था बनी रहे, इसके लिए इंटरनेट मीडिया पर नजर रखी जा रही है। विवादित पोस्ट करने वालों को चिह्नित कर उनके खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करने की कार्रवाई की जा रही है। मंदिर के आसपास की कालोनियों, सोसायटियों में भी पुलिस की टीम लगातार नजर बनाए हुए है, जिससे कि यदि कोई माहौल खराब करने का प्रयास करे तो उस पर समय रहते कठोर कार्रवाई की जा सके।

साहब! 1500 रुपये में बनता है जन्म प्रमाण पत्र, नगर निगम बोर्ड बैठक में पार्षदों ने लगाए गंभीर आरोप, सदन में सन्नाटा

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

गोरखपुर। सातवीं और आठवीं बैठक की कार्यवाही की पुष्टि और छठवीं बैठक की अनुपालन आख्या को मंजूरी के बाद जैसे ही सोमवार की सुबह 11:20 बजे के करीब नगर निगम बोर्ड बैठक आगे बढ़ी सदन हाल का माहौल गरमा गया। 20 से अधिक पार्षदों ने जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र जारी होने के मामले में निगम प्रशासन पर गंभीर आरोप लगाए। इसमें सत्ता पक्ष के साथ ही विपक्ष के भी पार्षद शामिल रहे। शिवजी नगर के पार्षद सौरभ विश्वकर्मा ने तो यहां तक कह दिया कि 1500 रुपये देकर उन्होंने खुद अपने वार्ड के लोगों का सात से 10 दिन में प्रमाण पत्र बनवाया है। इस पर नगर आयुक्त गौरव सिंह सोगरवाल ने जब सुविधा शुल्क लेने वाले कर्मचारियों का नाम पूछा तो कोई आरोपित कर्मचारी का नाम बताने को तैयार नहीं हुआ।

पार्षद नाम बताते हैं तो सदन में ही संबंधित कर्मचारी होगा सस्पेंड

नगर आयुक्त ने यहां तक आश्वस्त किया कि पार्षद नाम बताते हैं तो सदन में ही संबंधित कर्मचारी को सस्पेंड कर दिया जाएगा। इसी तरह एक बार फिर कार्यवृत्ति और अनुपालन आख्या को लेकर पार्षदों ने सवाल खड़े किए। आरोप लगाया कि सदन में जो कार्यवाही होती है, कार्यवृत्ति या अनुपालन आख्या में ठीक वैसा न दर्ज होकर गलत जानकारी दर्ज कर दी जाती है। बैठक में दिग्विजयनगर के पार्षद ऋषि मोहन वर्मा ने जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र का मुद्दा उठाते हुए कहा कि प्रमाण पत्र जारी होने में दो से तीन महीने लग जा रहे हैं। यह समस्या एक वर्ष से अधिक समय से बनी हुई है। निगम के कर्मचारी, आवेदकों को तहसील से रिपोर्ट नहीं आने की बात बताते हैं। तहसील जाने पर वहां से कोई जानकारी ही नहीं मिलती।

'नगर निगम से नहीं होती देरी'

चूंकि आवेदन नगर निगम में जमा होता है और प्रमाण पत्र यहीं से जारी होते हैं, इसलिए जिम्मेदारी भी नगर निगम की बनती है। इसपर अपर नगर आयुक्त शिव पूजन यादव ने कहा कि नगर निगम से देरी नहीं होती है। तहसील से होती है। जवाब में ऋषि मोहन वर्मा ने एक केस का हवाला देते हुए बताया कि जो प्रमाण पत्र नगर निगम से जारी होते हैं, उनमें भी देरी हो रही है।

बेतियाहाता के पार्षद विश्वजीत त्रिपाठी ने आरोप लगाया कि सुविधा शुल्क लेकर निगम के ही कर्मचारी दो से तीन दिन में प्रमाण पत्र जारी करा देते हैं। फिर क्या था विपक्ष और सत्ता के 25 से अधिक पार्षद समर्थन में कूद पड़े। अपनी कुर्सी से खड़े होकर आरोप लगाया कि जिन प्रमाण पत्रों में नगर निगम से सत्यापन होता है, उनमें भी सुविधा शुल्क की मांग की जाती है। न देने पर आवेदन लटका दिए जाते हैं।

नगर आयुक्त के जवाब से सदन हाल में छाया सन्नाटा

तहसील में तो तीन-तीन महीने आवेदन लटके ही हैं, निगम में भी समय से प्रमाण पत्र नहीं जारी हो रहे। करीब 15 मिनट तक आरोपों का दौर चलता रहा। इसके बाद नगर आयुक्त ने जवाब देना शुरू किया तो सदन हाल में खामोशी फैल गई। उन्होंने पहले आंकड़े प्रस्तुत किए। कहा वर्तमान में जन्म-मृत्यु के 1145 आवेदन एक महीने से लंबित हैं। 733 का निस्तारण हो गया है। 231 नगर निगम के पास, जबकि 1480 तहसील कार्यालय के पास लंबित हैं।

नगर आयुक्त ने कहा कि इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि जन्म और मृत्यु प्रमाण पत्र समय से जारी नहीं हो पा रहे। इस संबंध में पहले भी प्रशासनिक अधिकारियों से बात हो चुकी है। वह और महापौर डा.मंगलेश श्रीवास्तव एक बार फिर मंडलायुक्त और जिलाधिकारी से बात करेंगे।

पार्षदों की कमेटी बनाकर की जाएगी समीक्षा

रही बात नगर निगम के कर्मचारियों के सुविधा शुल्क लेने की तो संबंधित पार्षद सदन में ही उनका नाम बताएं, यहीं पर उनके निलंबन का आदेश जारी कर दिया जाएगा। नगर आयुक्त के इस दावे पर पार्षदों ने यह कहते हुए दूसरे मुद्दों पर चर्चा शुरू कर दी कि यह उनका काम नहीं। ऐसा भी नहीं है कि सदन में इतनी बड़ी संख्या में पार्षद झूठ बोल रहे हैं।

वार्ड 79 सिविल लाइन प्रथम के पार्षद अजय राय ने जोनल कार्यालय के निर्धारण में हुई गड़बड़ी का मुद्दा उठाते हुए कहा कि कुछ जोन में शामिल वार्ड की दूरी बहुत अधिक है। लोगों को परेशानी होती है। नगर आयुक्त ने बताया कि इसपर पार्षदों की कमेटी बनाकर समीक्षा की जाएगी और यह सुनिश्चित किया जाएगा कि नजदीक के वार्ड के नाम ही संबंधित जोन में रखे जाएं।

जल्दी ही बनेगा सामुदायिक शौचालय

वार्ड संख्या 61 के पार्षद शहाब अंसारी ने वार्ड में कूड़ा पड़ाव घर और जर्जर सामुदायिक शौचालय से हो रही दिक्कत का मुद्दा उठाया, जिसपर नगर आयुक्त ने बताया कि इसी महीने चरगांवा का गारबेज ट्रांसफर स्टेशन शुरू हो जाएगा। इसके बाद बाकी बचे सभी कूड़ा पड़ाव घर तोड़ दिए जाएंगे। जल्द ही सामुदायिक शौचालय भी बना दिया जाएगा। हाब ने यह भी सवाल पूछा कि किसे-किसे वाहन अनुमन्य है और निगम का कौन-कौन अधिकारी, कर्मचारी वर्तमान में विभाग के वाहन से चल रहे हैं।

धरने पर बैठ गए बिजेंद्र अग्रहरि

वार्ड नंबर 44 बसंतपुर के पार्षद बिजेंद्र अग्रहरि ने बैठक के दौरान ही सदन हाल में धरने पर बैठ गए। उन्होंने पहले आरोप लगाया कि अनुपालन आख्या में हर पार्षद के सवाल के जवाब में एक ही जवाब लिखा जाता है- नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। नगर आयुक्त ने जब उनके सवाल पर जवाब देने लगे तो उनका कहना था कि जबरन आवाज दबाई जा रही है। यह कहकर वह फर्श पर ही धरने पर बैठ गए और करीब 15 मिनट तक बैठे रहे। इसके बाद नगर आयुक्त के आश्वासन पर वह जमीन से उठकर अपनी कुर्सी पर बैठे।

बलिदानियों के परिवार व सेवानिवृत्त जवानों से न लिया जाए हाउस टैक्स

वार्ड नंबर 35 सालिकराम नगर की पार्षद सरिता यादव ने मांग की कि देश के लिए बलिदान हुए जवानों के परिवारवालों व सेवानिवृत्त जवानों से हाउस टैक्स न लिया जाए। इस प्रस्ताव पर नगर आयुक्त ने विचार का आश्वासन दिया। पार्षद ने वार्ड के शताब्दीपुरम मोहल्ले की क्षतिग्रस्त सड़क व नाली बनाने की मांग की। यह भी कहा कि वार्ड में घटिया पाइपलाइन पड़ने से किसी के घर में सप्लाई का पानी नहीं पहुंचता है।

त्योहारों पर दुरुस्त की जाए पथ प्रकाश व्यवस्था

बैठक के दौरान वार्ड नंबर 69 श्रीराम चौक की पार्षद लाली गुप्ता ने कहा कि उनके वार्ड से ही ज्यादातर मूर्तियां विसर्जन के लिए जाती हैं। जगह-जगह दुर्गा जी के पंडाल लगे हैं। लक्ष्मी पूजा और छठ में भी बड़ी संख्या में पंडाल लगते हैं। ऐसे में बसंतपुर चौक से हांसूपुर राजघाट चुंगी, रामघाट तक के मुख्य मार्ग पर पथ प्रकाश व्यवस्था दुरुस्त की जाए।

योगी सरकार की अनूठी पहल, प्रदेश की 7500 छात्राएं बनेंगी एक दिन की अधिकारी

मिशन शक्ति 5.0 के तहत परिषदीय व केजीबीवी की बेटियों को मिलेगा अनूठा अवसर

» पहल के तहत प्रत्येक जनपद से चयनित की जाएंगी 100-100 बालिकाएं

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। योगी सरकार के मिशन शक्ति 5.0 अभियान को बल देने के लिए बेसिक शिक्षा विभाग ने एक महत्वपूर्ण पहल की है। प्रदेश की परिषदीय और कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों (केजीबीवी) की छात्राओं को प्रशासनिक कार्यों और जिम्मेदारियों से अवगत कराने के साथ-साथ उनमें आत्मविश्वास और नेतृत्व क्षमता का विकास करने के लिए उन्हें एक दिन का अधिकारी नियुक्त किया जाएगा। प्रदेश की बेटियों के सशक्तिकरण के लिए योगी

सरकार की ओर से की गई इस महत्वपूर्ण पहल के तहत प्रत्येक जिले से 100 और कुल 7500 बेटियों को एक दिन का अधिकारी बनने का अवसर मिलेगा। इससे इनमें निपुणता और नेतृत्व क्षमता का विकास होगा। इसकी योजना तैयार कर ली गई है।

बनेंगी डीएम, सीडीओ, बीएसए

प्रदेश सरकार के बेसिक शिक्षा मंत्री संदीप सिंह ने बताया कि इस योजना का उद्देश्य बालिकाओं को प्रशासनिक जिम्मेदारियों का अनुभव देना और उनके आत्मविश्वास व नेतृत्व गुणों का विकास करना है। चयनित बालिकाएं डीएम, सीडीओ, बीएसए, खंड विकास अधिकारी, तहसीलदार, डीआईओएस जैसे पदों पर एक दिन के लिए कार्य करेंगी। कासगंज की टॉपर भूमिका और संभल की शालू पहले ही इस योजना के तहत एक दिन की जिलाधिकारी बन चुकी हैं, जिन्होंने सफलतापूर्वक अपने कर्तव्यों का निर्वहन किया। सरकार का यह प्रयास बेटियों को आत्मनिर्भर बनाने के साथ-साथ समाज में उनके योगदान को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

शालू और भूमिका बन चुकी हैं एक दिन की डीएम

मुख्यमंत्री के आदेश के बाद संभल जिले के बहजोई स्थित कस्तूरबा गांधी विद्यालय की छात्रा शालू और कासगंज जिले की टॉपर छात्रा कुमारी भूमिका को एक दिन के लिए सांकेतिक रूप से जिलाधिकारी बनाया जा चुका है। इस दौरान शालू ने मिशन शक्ति की बैठक का सफलतापूर्वक संचालन किया, अधिकारियों का परिचय लिया और मिशन शक्ति के कार्यों की रूपरेखा पर निर्देश दिए थे तो कासगंज की टॉपर भूमिका ने महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान, और स्वावलंबन के लिए चलाए जा रहे मिशन शक्ति फेज-5 के तहत कासगंज तहसील में आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस में एक दिन का जिलाधिकारी बन जनसमस्याओं की सुनवाई की और उनके समाधान के निर्देश दिए।

लीडरशिप का भाव होगा जाग्रत

उन्होंने बताया कि चयन प्रक्रिया में उन बालिकाओं को प्राथमिकता दी जाएगी, जो अपनी निपुणता के लिए जानी जाती हैं और जिनमें लीडरशिप के गुण निखर कर सामने आ रहे हैं। इस कार्यक्रम में सभी जाति, वर्ग और श्रेणियों की बालिकाओं को समान अवसर प्रदान किया जाएगा। सरकार का यह प्रयास बेटियों को आत्मनिर्भर बनाने और उन्हें प्रशासनिक कार्यों की जमीनी समझ देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। मिशन शक्ति के माध्यम से सरकार की यह पहल उन बालिकाओं के लिए एक सुनहरा अवसर है, जो अपनी नेतृत्व क्षमताओं को पहचानना चाहती हैं और समाज में बदलाव लाने की आकांक्षा रखती हैं।

लोगों की समस्याओं का करेंगी निस्तारण

इस योजना के तहत चुनी गई बालिकाएं एक दिन के लिए सरकारी अधिकारियों की भूमिका निभाएंगी। वे न सिर्फ लोगों की समस्याओं की सुनवाई करेंगी, बल्कि उनके निस्तारण में भी सक्रिय भागीदारी निभाएंगी। यह अनुभव उन्हें निर्णय लेने की क्षमता और सामर्थ्य को निखारने में मदद करेगा, जो उनके भविष्य के लिए बेहद महत्वपूर्ण होगा।

इन छात्राओं को भी मिल चुका है अवसर

इसी तरह से चित्रकूट स्थित कस्तूरबा गांधी विद्यालय की छात्रा मनोरमा पटेल को भी एक दिन के लिए सांकेतिक रूप से डीआईओएस (जिला विद्यालय निरीक्षक) बनाया गया था। मनोरमा ने इस दौरान अधिकारियों की जिम्मेदारियों को बखूबी निभाया और विभिन्न मामलों की समीक्षा की। इसके अलावा केजीबीवी की बालिकाओं को मुख्य विकास अधिकारी, जिला पिछड़ा एवं कल्याण अधिकारी और खंड विकास अधिकारी के रूप में भी एक दिन का अधिकारी बनने का अवसर मिल चुका है। बता दें कि चित्रकूट जनपद के पारो नाम की छात्रा को भी एक दिन का बीएसए (जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी) बनाया गया था, जिस दौरान पारो ने भी इन बालिकाओं की तरह विभागीय सुनवाई जैसे कार्यों का निर्वहन किया और उनके समाधान के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की नवनियुक्त अनुसूचित जाति और जनजाति आयोग के पदाधिकारियों के साथ बैठक

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आज अपने सरकारी आवास पर उत्तर प्रदेश अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति आयोग के नवनियुक्त अध्यक्ष, उपाध्यक्षों तथा सदस्यों के साथ बैठक की। इस बैठक में आयोग के गठन के उद्देश्यों, दायित्वों और अधिकारों पर चर्चा की गई। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में प्रदेश में अंत्योदय के लक्ष्य के साथ सतत और समावेशी विकास के लिए कार्य किया जा रहा है।उन्होंने कहा कि राज्य सरकार गरीब कल्याण योजनाओं के माध्यम से सभी पात्र लाभार्थियों के द्वार तक पहुँच रही है। आयोग के अध्यक्ष और उपाध्यक्षों के नेतृत्व में सदस्यों की टीमें बनाकर पहले चरण में मंडल मुख्यालय और दूसरे चरण में जनपद स्तर पर क्षेत्र भ्रमण करने की आवश्यकता है। इस दौरान समाज के लोगों से संवाद

स्थापित किया जाना चाहिए।मुख्यमंत्री ने छात्रावास का भ्रमण करने और वहां की साफ-सफाई तथा अन्य सुविधाओं की जानकारी प्राप्त करने के निर्देश दिए। विद्यार्थियों से संवाद बनाकर उनकी मन स्थिति का आकलन करने का भी सुझाव दिया गया। **मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना** के तहत विद्यार्थियों को प्रदान की जा रही निःशुल्क कोचिंग की वस्तु स्थिति और सफलता दर का आकलन करना भी आवश्यक बताया गया।उन्होंने कहा कि आयोग को केंद्र और राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं से लोगों को अवगत कराना चाहिए। विशेष रूप से मुसहर, थारू, चेरो, सहरिया जैसी जनजातियों को सभी प्रकार की जनकल्याणकारी योजनाओं से जुड़े हुए शत-प्रतिशत सेचुरेशन की दिशा में बढ़ने की जरूरत है।मुख्यमंत्री ने प्रशासन से समन्वय बनाकर अनुसूचित जाति/जनजाति वर्ग के व्यक्तियों के साथ घटित होने वाली घटनाओं पर उन्हें हर संभव सहायता उपलब्ध कराने के लिए भी निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आयोग के पदाधिकारियों को नियमित बैठकें आयोजित कर मामलों का निस्तारण करना चाहिए और वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जनपदों के वरिष्ठ अधिकारियों को जोड़ते हुए लोगों की समस्याओं का समाधान किया जाना चाहिए।मुख्यमंत्री ने आयोग के कार्यालय में उचित मैकेनिज्म बनाकर कार्य करने का सुझाव दिया। उन्होंने कार्यालय में बैठने की उचित जगह, स्वच्छता, आवश्यक कर्मचारियों, और शिकायतकर्ताओं के लिए पृथक-पृथक टॉयलेट की व्यवस्था को तत्काल सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार ने 56 लाख से अधिक गरीब आवासहीन परिवारों को पक्के आवास उपलब्ध कराए हैं। **मुख्यमंत्री आवास योजना** के तहत कोल, सहरिया, और थारू समेत लगभग सभी जनजाति परिवारों को शत-प्रतिशत आवास उपलब्ध कराया गया है। उन्होंने यह भी बताया कि **प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना** के तहत 1 करोड़ 86 लाख रसोई गैस कनेक्शन वितरित किए गए हैं, और उत्तर प्रदेश 5 करोड़ आयुष्मान कार्ड वितरित करने वाला पहला राज्य बना है। इसके साथ ही, अनुसूचित जाति/जनजाति वर्ग से संबंधित बच्चों की स्कॉलरशिप में कई गुना वृद्धि की गई है।

मखाना की खेती को प्रोत्साहित कर किसानों की आय बढ़ाएगी योगी सरकार

मखाना की खेती पर किसानों को मिलेगा प्रति हेक्टेयर 40 हजार रुपये अनुदान

» देवरिया जिले में गत वर्ष शुरू हुआ मखाना की खेती का प्रयोग

आर्यावर्त संवाददाता

गोरखपुर। किसानों की आमदनी बढ़ाने के लिए सरकार सतत प्रोत्साहन की योजनाएं लागू कर रही है। इसी सिलसिले में किसानों की आय बढ़ाने के लिए योगी सरकार ने मखाना की खेती के लिए किसानों को अनुदान देने की व्यवस्था बनाई है। इसके लिए सरकार का विशेष ध्यान मखाना की सर्वाधिक खेती करने वाले बिहार के मिथिलांचल के समतुल्य जलवायु वाले पूर्वांचल पर है। सरकार ने पूर्वांचल के 14 जिलों में अनुदान पर मखाना की खेती के लिए लक्ष्य तय कर दिया है। इसमें गोरखपुर मंडल के देवरिया जिले में बीते साल से मखाना की खेती शुरू हो गई है जबकि मंडल के तीन अन्य जिलों गोरखपुर, महाराजगंज और कुशीनगर को कुल 33 हेक्टेयर में मखाना की खेती कराने का लक्ष्य दिया गया है। वैज्ञानिक अध्ययन में पाया गया है कि गोरखपुर मंडल की जलवायु में मिथिला जैसी उत्पादकता देने का सामर्थ्य है।

मखाना की खेती ऐसी जगहों के लिए अधिक उपयुक्त है जहां खेतों में काफी पानी जमा रहता है। गोरखपुर मंडल में तालाबों की पर्याप्त संख्या तो है ही मंडल के कई ब्लॉक ऐसे हैं जहां लो लैंड एरिया में बारिश का पानी खेतों में काफी समय तक भरा रहता है। जाहिर सी बात है कि इन खेतों के किसान मखाना की खेती अपनाकर मालामाल हो सकते हैं। सरकार की तरफ से मखाना खेती के लिए अनुदान की व्यवस्था भी इसी मंशा से की गई है। सरकार की इस पहल का उद्देश्य किसानों की आर्थिक स्थिति में सुधार लाना है।

गोरखपुर मंडल के देवरिया जिले में मखाना की खेती का प्रयोग गत वर्ष ही शुरू हो चुका है। यहां के

40 प्रतिशत लागत की भरपाई अनुदान से

उद्यान विभाग में पंजीकरण कराकर मखाना की खेती करने वाले किसानों को सरकार प्रति हेक्टेयर 40 हजार रुपये का अनुदान देगी। एक हेक्टेयर में मखाना की खेती करने में करीब एक लाख रुपये की लागत आती है। ऐसे में लागत की 40 प्रतिशत भरपाई तो अकेले सरकारी अनुदान से ही हो जाएगी। एक हेक्टेयर के तालाब या पानी लगे खेत में औसतन प्रति हेक्टेयर 25 से 29 क्विंटल पैदावार हासिल होती है। वर्तमान में अच्छी क्वालिटी के मखाना का प्रति किलो थोक भाव औसतन एक हजार रुपये है।

कई प्रगतिशील किसान और मत्स्यपालक राष्ट्रीय मखाना अनुसंधान केंद्र दरभंगा से मखाना का बीज मंगाकर खेती कर रहे हैं। इस तरह देवरिया मखाना खेती की शुरुआत करने वाला पूर्वांचल का पहला जिला बन चुका है। इस साल देवरिया में करीब पांच हेक्टेयर रकबे में मखाना की फसल तैयार है। अब सरकार मंडल के अन्य जिलों के किसानों को भी इससे जोड़ने में जुट गई है। मसलन देवरिया के बगल में कुशीनगर जिले में 13 हेक्टेयर रकबे में मखाना की खेती कराने का लक्ष्य मिला है। इसमें से अबतक 8 हेक्टेयर से अधिक रकबे में खेती करने के लिए 16 किसानों का प्रस्ताव उद्यान विभाग ने मंजूर भी कर लिया है। गोरखपुर में 10 हेक्टेयर रकबे में मखाना की खेती कराने का उद्यान विभाग को दिया गया है। राजकीय उद्यान के अधीक्षक पारसनाथ बताते हैं कि कुल लक्ष्य में 20 प्रतिशत से यानी गोरखपुर में 2 हेक्टेयर रकबे में मखाना की खेती के लिए अनुसूचित जाति के किसानों को प्रोत्साहित किया जा रहा है। 8 हेक्टेयर रकबा सामान्य वर्ग के किसानों के लिए लक्षित है। इसी तरह महराजगंज जिले में भी उद्यान विभाग को 10 हेक्टेयर में मखाना की खेती कराने का लक्ष्य शासन से मिला है। पहले साल करीब 25 किसान इससे जुड़ेंगे।

नर्सरी डालने से लेकर फसल तैयार होने में लगता है दस माह

मखाना की खेती तालाब या औसतन तीन फीट पानी भरे खेत में होती है। नवंबर महीने में इसकी नर्सरी डाली जाती है और चार माह बाद (फरवरी-मार्च में) इसकी रोपाई की जाती है। रोपाई के करीब पांच महीने बाद पौधों में फूल लगने लगते हैं। अक्टूबर-नवम्बर में इसकी कटाई शुरू होती है। नर्सरी डालने से लेकर कटाई तक कुल दस माह का समय फसल तैयार होने में लगता है। मखाना की खेती उन किसानों के लिए तो और भी फायदेमंद है जो पहले से अपने निजी तालाबों में मछली पालन करते हैं।

सुपरफूड के रूप में बढ़ रही मखाना की ख्याति

पोषक तत्वों का खजाना होने का कारण मखाना की ख्याति एक सुपरफूड के रूप में बढ़ रही है। कोरोना के बाद लोगों में स्वास्थ्य और प्रतिरक्षण प्रणाली को मजबूत करने के लिए जागरूकता काफी बढ़ी है और इसके चलते मखाना की मांग में भी काफी तेजी से वृद्धि हुई है। लो कैलोरी होने के साथ मखाना में प्रोटीन, फॉस्फोरस, फाइबर, आयरन और कैल्शियम भरपूर पाया जाता है। इसका सेवन पाचन तंत्र को दुरुस्त रखने के साथ हृदय, उच्च रक्तचाप और मधुमेह नियंत्रण के लिए मुफीद माना जाता है।

प्रदेश के पिछड़ा वर्ग कल्याण एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण मंत्री नरेन्द्र कश्यप की समीक्षा बैठक

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। प्रदेश के पिछड़ा वर्ग कल्याण एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) नरेन्द्र कश्यप ने मंगलवार को विभागीय समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की, जिसमें पिछड़े वर्ग के छात्र-छात्राओं और दिव्यांगजन के सशक्तिकरण के लिए चल रही योजनाओं की गहन समीक्षा की गई।मंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी योजनाओं का लाभ पात्र लोगों को समयबद्ध तरीके से उपलब्ध कराया जाए और प्रक्रियाओं में पारदर्शिता सुनिश्चित की जाए।बैठक के दौरान, मंत्री कश्यप ने द्वितीय चरण के कम्प्यूटर प्रशिक्षण कार्यक्रम की शुरुआत की समीक्षा की। इस योजना के अंतर्गत पिछड़े वर्ग के युवाओं को 'ओ' लेवल और 'ट्रिपल सी' कम्प्यूटर प्रशिक्षण दिया जाएगा, जिससे वे डिजिटल युग में आवश्यक तकनीकी कौशल प्राप्त कर सकें।

मंत्री ने कहा कि इस प्रशिक्षण से पिछड़े वर्ग के युवा न केवल रोजगार योग्य बनेंगे, बल्कि वे स्वरोज़गार के नए अवसरों का सृजन कर आत्मनिर्भर बन सकेंगे। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि प्रशिक्षण कार्यक्रम की गुणवत्ता सुनिश्चित की जाए और इसे उच्च मानकों वाली संस्थाओं के माध्यम से संचालित किया जाए।मंत्री ने बैठक में छात्रवृत्ति और शादी अनुदान योजना की प्रगति की भी समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि इन योजनाओं के आवेदनों का निस्तारण प्राथमिकता के आधार पर किया जाए, ताकि पात्र लाभार्थियों को योजनाओं का लाभ शीघ्रता से मिल सके। मंत्री ने कहा कि छात्रवृत्ति से आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के बच्चों को शिक्षा के अवसर बढ़ेंगे और शादी अनुदान योजना से सामाजिक सशक्तिकरण को बल मिलेगा।दिव्यांगजन सशक्तिकरण के क्षेत्र में चल रही योजनाओं पर चर्चा करते हुए, मंत्री ने दिव्यांग पेंशन, कृत्रिम अंग और सहायक उपकरण वितरण, कौशल विकास प्रशिक्षण, और दिव्यांगजन के लिए विशेष रोजगार मेलों के आयोजन पर जोर दिया। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि दिव्यांगजन के लिए संचालित स्कूलों का नियमित निरीक्षण किया जाए और वहां दी जाने वाली सुविधाओं की गुणवत्ता में और सुधार लाया जाए, ताकि दिव्यांगजन भी समाज में सम्मानजनक जीवन जी सकें और आर्थिक रूप से सशक्त हो सकें।

बीए की छात्रा का अपहरण और दुष्कर्म की कोशिश, दो आरोपी गिरफ्तार

लखनऊ। लखनऊ में कृष्णा नगर कोतवाली क्षेत्र के अंतर्गत एक बीए की छात्रा के साथ कथित तौर पर अपहरण और दुष्कर्म की कोशिश का मामला सामने आया है। पीड़िता के अनुसार, कॉलेज जाते समय उसे ऑटो में सवार होकर अगवा किया गया और एक मकान पर ले जाया गया, जहां आरोपियों ने उस पर हमला किया।छात्रा ने बताया कि सोमवार सुबह मेट्रो स्टेशन से कॉलेज जाने के लिए वह एक ऑटो में बैठी थी। इसी दौरान दो युवक ऑटो में सवार हो गए, जिनमें से एक उसके मोहल्ले का इमरान खान था। इमरान ने ऑटो चालक को रास्ता बदलने को कहा, जिसके बाद छात्रा ने विरोध किया। आरोप है कि इस पर दोनों ने उसका दुपट्टा से मुंह दबाकर उसे बंधक बना लिया और उसका मोबाइल भी छीन लिया।इसके बाद, आरोपी छात्रा को नादरगंज स्थित एक मकान पर ले गए।

टीबी रोगियों का पोषण भत्ता हुआ दोगुना

टीबी रोगियों की उपचार दर बढ़ेगी और मृत्यु दर घटेगी : डॉ. सूर्यकान्त

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। किंग जार्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय के रेस्पिरेटरी मेडिसिन विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. सूर्यकान्त का कहना है कि ''टी.बी. मुक्त भारत'' प्रधानमंत्री का ड्रीम प्रोजेक्ट है, टीबी रोगियों के लिए बढ़ाये गये पोषण भत्ता से टी.बी. उन्मूलन कार्यक्रम को बल मिलेगा। उन्होंने कहा कि कुपोषण और टीबी एक सिक्के के दो पहलू हैं। कुपोषण से टीबी रोग के विकसित होने का जोखिम बढ़ता है, टीबी होने के कारण कमजोरी के साथ वजन घटता है। इससे कुपोषण की स्थिति और खराब हो जाती है। इसलिए टीबी रोगियों में कुपोषण को दूर करने से उपचार के प्रति प्रतिक्रिया बेहतर होगी, मृत्यु दर कम होगी और लम्बे चलने वाले उपचार के परिणाम बेहतर होंगे।

भारत सरकार ने इसी को ध्यान में रखते हुए 500 रुपये प्रतिमाह की

जगह 1000 रुपये प्रतिमाह टीबी रोगियों का पोषण भत्ता कर दिया है। यह वृद्धि एक नवम्बर 2024 से प्रभावी होगी और सभी नए लाभार्थियों के साथ-साथ प्रभावी तिथि के बाद मिलने वाले लाभों पर भी लागू होगी। यह प्रोत्साहन 3,000 रुपये की दो बराबर किस्तों में दिया जाएगा, जिसमें 3,000 रुपये का पहला लाभ निदान के समय अग्रिम के रूप में दिया जाएगा और 3,000 रुपये का दूसरा लाभ उपचार के 84 दिन पूरे होने के बाद दिया जाएगा। जिन लाभार्थियों के उपचार की अवधि छह महीने से अधिक है, उन्हें 1,000 रुपये प्रति माह का नया लाभ दिया जाएगा। परिवार के सदस्यों में कुपोषण से संबंधित टीबी के प्रति संवेदनशीलता को दूर करने के लिए टीबी रोगियों, परिवार के सदस्यों (घरेलू संपर्क) को निक्षय मित्र पहल के अंतर्गत शामिल करना प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान (पीएमटीबीएमबीए) को मंजूरी दी गई है। नए संक्रमणों को रोकना तथा टीबी से संबंधित मृत्यु दर को कम करना। उपरोक्त सभी उपायों से पोषण संबंधी सुधार में सहायता मिलने की उम्मीद है। भारत में टीबी के उपचार और परिणामों में सुधार तथा इसके कारण होने वाली मृत्यु दर में कमी लाना है।

ज्ञात हो कि डा. सूर्यकान्त वर्तमान में राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम के जोनल टास्क फोर्स (नॉर्थ जोन) के अध्यक्ष हैं। जोनल टास्क फोर्स (नॉर्थ जोन) के अन्तर्गत छह प्रदेश और तीन केन्द्र शासित प्रदेश आते हैं। उन्होने बताया कि वह ''प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत'' अभियान में अपने स्तर से अहम भूमिका निभा रहे हैं। ड्रग रेजिस्टेन्ट टी.बी. के उपचार के लिए भारत में पांच ''सेन्टर ऑफ एक्सीलेन्स'' चिन्हित किये गये हैं, जिसमें से एक केजीएमयू के रेस्पिरेटरी मेडिसिन विभाग में है। इसका चयन विश्व की दो अन्तर्राष्ट्रीय संस्थाओं - इन्टरनेशनल यूनियन अंगेस्ट ट्यूबरकुलोसिस एण्ड लंग डिसीज एवं युनाईटेड स्टेस ऑफ एजेन्सी फॉर इन्टरनेशनल डेवलपमेन्ट एवं स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय भारत सरकार के सहयोग से किया गया है। डा. सूर्यकान्त ने बताया कि "सेन्टर ऑफ एक्सीलेन्स" के तहत ड्रग रेजिस्टेन्ट ट्यूबरकुलोसिस के खात्मे के लिए उ0प्र0 की 25 करोड़ जनता, 18 मण्डल के 75 जिले के डीआर-टी.बी. सेन्टर एवं जिला क्षय रोग केन्द्र, 56 जिला डीआर-टी.बी. सेन्टर, 24 नोडल डीआर-टीबी सेन्टर, उप्र के 67 मेडिकल कालेज में डीआर-टी.बी. के प्रशिक्षण मानिटरिंग एवं मैनेजमेन्ट एवं शोध का कार्य किया जा रहा है। सभी 75 जिलो में टी.बी. विशेषज्ञों एवं टी.बी. से सम्बन्धित स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं को इस कार्यक्रम के तहत प्रशिक्षित किया जा रहा है। विगत कई वर्षों से टी.बी. उन्मूलन में उप्र व देश के अन्य प्रदेशो में नेतृत्व कर रहे हैं। उनका कहना है कि अगर जरूरत पड़ी तो उप्र के पड़ोसी राज्यों में भी टी.बी. उन्मूलन का कार्य करेगें।

मिशन शक्ति अभियान के पांचवे फेज की शुरुआत

लखनऊ। प्रदेश में महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन के लिए चल रहे मिशन शक्ति अभियान के पांचवे फेज की शुरुआत हो गई है। यह अभियान आगामी तीन महीनों तक चलेगा।इस बार भी महिलाओं के अधिकारों के साथ-साथ उनकी सेहत के प्रति जागरूकता बढ़ाने पर विशेष ध्यान दिया जाएगा, ताकि महिलाएं अपने स्वास्थ्य के प्रति सजग होकर निरोगी रहने की दिशा में आगे बढ़ सकें। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग की ओर से महिलाओं और बालिकाओं के लिए अनेक गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। इन गतिविधियों के सफल संचालन के लिए चिकित्सा स्वास्थ्य, परिवार कल्याण और चिकित्सा शिक्षा के प्रमुख सचिव पार्थ सारथी सेन शर्मा ने सभी जिलाधिकारियों को पत्र जारी कर निर्देश दिए हैं पत्र में उल्लेख किया गया है कि इस अभियान के अंतर्गत ग्राम पंचायत स्तर पर महिलाओं और बालिकाओं के लिए संचालित कार्यक्रमों और योजनाओं के बारे में जागरूकता और परामर्श प्रदान किया जाएगा।

उद्यान मंत्री दिनेश प्रताप सिंह की जिला उद्यान विकास निधि की समीक्षा बैठक

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। प्रदेश के उद्यान, कृषि विपणन, कृषि विदेश व्यापार एवं कृषि निर्यात राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दिनेश प्रताप सिंह ने मंगलवार को अपने सरकारी आवास पर विभागीय अधिकारियों के साथ जिला उद्यान विकास निधि की समीक्षा बैठक की। इस बैठक में प्रदेश के राजकीय सार्वजनिक और अलंकृत उद्यानों/पार्कों के विकास एवं प्रबंधन पर विस्तार से चर्चा की गई।

उद्यान मंत्री ने निर्देश दिए कि प्रदेश के सभी संचालित राजकीय सार्वजनिक और अलंकृत उद्यानों/पार्कों में समितियों का गठन शीघ्र सुनिश्चित किया जाए, ताकि इनका समुचित प्रबंधन और रख-रखाव हो सके। उन्होंने यह भी कहा कि इन उद्यानों का स्वामित्व राजस्व अभिलेखों में दर्ज कराया जाए, जिससे इनके विस्तार और विकास की प्रक्रिया बाधारहित हो सके। अलंकृत उद्यानों और पार्कों में नवाचार के प्रस्ताव अति शीघ्र भेजे जाएं।दिनेश प्रताप सिंह ने कहा कि उद्यानों का विस्तार केवल हरियाली तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि इन्हें ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक महत्व के साथ जोड़ा जाना चाहिए। इससे पर्यावरण संरक्षण को बल मिलेगा और राज्य के पर्यटन तथा सांस्कृतिक धरोहरों को भी बढ़ावा मिलेगा।

बैठक में मंत्री ने जिला उद्यान विकास निधि पर विशेष जोर देते हुए कहा कि प्रदेश के 50 जनपदों में राजकीय सार्वजनिक और अलंकृत उद्यान स्थापित हैं, जो स्थानीय लोगों को स्वस्थ वातावरण प्रदान करते हैं। इन उद्यानों के प्रबंधन और विकास में आम जनता की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए जिला उद्यान विकास समिति का संशोधित शासनादेश जारी किया गया है। अब तक 14 जनपदों में समिति का गठन हो चुका है, जिनमें अलीगढ़, बस्ती, झांसी, अयोध्या, रायबरेली, लखनऊ, प्रयागराज, जौनपुर, वाराणसी, मथुरा, आगरा, मैनपुरी, सहारनपुर और गोरखपुर शामिल हैं।

तिरुपति लड्डू पर चंद्रबाबू और पवन की नये तरह की रथयात्रा

सर्वोच्च न्यायालय को आंध्र प्रदेश के उप-मुख्यमंत्री पवन कल्याण के बारे में ज़्यादा चिंता रही होगी, जो सनातन धर्म को अपने भगवा रंग में पहनते हैं। पवन कल्याण और उदयनिधि स्टालिन दोनों ही अभिनेता-राजनेता हैं। वे टॉलीवुड और कॉलीवुड में अपने फ़िल्मी करियर के दौरान देवताओं को राजनीति के साथ मिलाते रहे हैं। तिरुपति के लड्डू सर्वोच्च न्यायलय के आदेश पर नियुक्त जांचकर्ताओं की एक मिलीजुली टीम के मुंह में हैं। टीम में दो सीबीआई अधिकारी शामिल हैं। क्या इससे तिरुपति-तिरुमाला के भगवान वेंकटेश्वर को न्याय मिलने में तेज़ी आयेगी? टीम इसमें कितनी और कब तक सफल हो पायेगी? इस पर अभी कुछ कहा नहीं जा सकता, क्योंकि पिछले कुछ समय से सीबीआई की छवि बहुत खराब हो गई है।

तिरुपति के लड्डू बनाने के लिए इस्तेमाल किये गये घी में गोमांस की चर्बी, मछली का तेल और सूअर की चर्बी मिला हुआ पाया गया, जैसा कि एक जांच रपट के आधार पर दावा किया गया है, हालांकि सर्वोच्च न्यायालय ने अभी उसे पुख्ता प्रमाण नहीं माना है। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू ने इस खोज को भगवान वेंकटेश्वर के संकेत के रूप में लिया और अपने पूर्ववर्ती जगन मोहन रेड्डी के खिलाफ़ अभियान शुरू किया, जिसमें उप-मुख्यमंत्री पवन कल्याण सनातन धर्मावलंबियों की सेना का नेतृत्व कर रहे हैं। यह सेना गाय को कूड़े के ढेर और प्लास्टिक के कचरे के लिए छोड़ देगी, लेकिन गोमांस सहित किसी भी 'गोमांस' से कभी कोई लेना-देना नहीं रखेगी। यह आस्था का मामला है। सर्वोच्च न्यायालय ने कहा है कि देवताओं को राजनीति से दूर रखा जाना चाहिए। शायद यह तमिलनाडु के नये उप-मुख्यमंत्री उदयनिधि स्टालिन के लिए संदेश हो, जिनके सनातन धर्म के खिलाफ़ कटु आलोचना से राजनेताओं और चिकित्सकों दोनों के ही समुदाय वाकिफ़ हैं। लेकिन सर्वोच्च न्यायालय को आंध्र प्रदेश के उप-मुख्यमंत्री पवन कल्याण के बारे में ज़्यादा चिंता रही होगी, जो सनातन धर्म को अपने भगवा रंग में पहनते हैं। पवन कल्याण और उदयनिधि स्टालिन दोनों ही अभिनेता-राजनेता हैं। वे टॉलीवुड और कॉलीवुड में अपने फ़िल्मी करियर के दौरान देवताओं को राजनीति के साथ मिलाते रहे हैं।

कल्याण के टॉलीवुड में इसकी शुरुआत एनटी रामाराव के मुख्यमंत्री बनने से हुई, क्योंकि उनके धार्मिक-फिल्मी अभिनय ने उन्हें जनता की नज़र में देवता बना दिया था। तमिलनाडु में एमजीआर सबसे आगे थे। तिरुपति तिरुमाला मंदिर ने उन्हें कभी निराश नहीं किया। इन अभिनेताओं का करियर तिरुपति मंदिर में चढ़ाये गये प्रसाद के बल पर तेजी से आगे बढ़ा। पवन कल्याण जैसे किसी व्यक्ति ने हजारों-हजारों तिरुपति लड्डू चढ़ाये होंगे। उदयनिधि स्टालिन ने शायद ऐसा नहीं किया होगा, क्योंकि वे एक अलग राजनीतिक ढांचे से बने हैं। यही वह बात है, जिस पर सारा विवाद है। यह इंडिया गठबंधन और एनडीए के बीच का मामला है। क्या राजनेता वास्तव में इस बात की परवाह करते हैं कि तिरुपति लड्डू बनाने में क्या-क्या होता है? शायद इसीलिए सर्वोच्च न्यायालय ने कहा कि देवताओं को राजनीति में न लाया जाये, जैसे कि देवता असहाय हों।

पवन कल्याण का मानना है कि 'हां', हिंदू देवता असहाय हैं। भगवान वेंकटेश्वर और उनके भक्तों को खिलाये गये लड्डू का हश्र देखिए। तिरुपति के लड्डू बनाने के लिए इस्तेमाल किये जाने वाले घी जैसी महत्वपूर्ण चीज भी बेअसर हो गई है और भगवान कुछ भी नहीं कर सकते। कोई आश्चर्य नहीं कि पवन कल्याण इतने भड़के हुए हैं और हथियार उठा रहे हैं।

अपने उत्साह और भक्ति में, उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण ने तिरुपति के लड्डू के इर्द-गिर्द शोर मचा दिया है। तिरुपति के लड्डू के इर्द-गिर्द आक्रोश को सनातन धर्म की संपूर्णता तक फैला दिया है और इस प्रक्रिया में, अपने हिंदू-द्वेषी तमिलनाडु के समकक्ष, उपमुख्यमंत्री उदयनिधि स्टालिन को निशाना बनाया है। प्रतिक्रिया ठंडी थी। द्रमुक की ओर से कहा गया कि वह पार्टी 'किसी भी धर्म या विशेष रूप से हिंदू धर्म के बारे में बात नहीं करता है', लेकिन 'जाति अत्याचार, अस्पृश्यता और जाति पदानुक्रम के खिलाफ बात करना जारी रखेगा।' उपमुख्यमंत्रियों की लड़ाई में, यह इसे खत्म करने में मदद नहीं करता है। पवन कल्याण का कहना है कि तिरुपति के लड्डू में मिलावट 'हिमशैल की नोक' है और भ्रष्टाचार की जांच निष्कर्ष तक होनी चाहिए।

पवन कल्याण ने पूर्व मुख्यमंत्री और वाईएसआरसीपी के प्रमुख जगन मोहन रेड्डी पर निशाना साधने से पहले ही रोक लगा दी। उनकी मौखिक मिसाइलें केवल 'तमिलनाडु के नेता के लिए थीं, जो कहते हैं कि 'सनातन धर्म' एक वायरस की तरह है और इसे नष्ट किया जाना चाहिए।' उदयनिधि स्टालिन ने तर्क दिया है कि सनातन धर्म को मिटा दिया जाना चाहिए, न कि केवल इसका विरोध किया जाना चाहिए। पवन कल्याण द्वारा उदयनिधि स्टालिन के हिंदू धर्म पर रुख पर विरोधी सख्त रुख अपनाने के साथ वह भगवान तिरुपति लड्डू को लेकर राजनीतिक विवाद में शामिल हो गये हैं। उनके पास अपनी मिसाइलों को दागने के लिए भाजपा का कंधा है।

संकट में है, विश्व-शांति

दुनिया में तीसरा विश्वयुद्ध शुरू हो चुका है। यह युद्ध क्या रूप लेगा, इसका अनुमान लगाना कठिन है। एक तरफ रूस और चीन जैसे देश हैं, तो दूसरी तरफ अमेरिका और यूरोपीय संघ के देश। दुनिया के राष्ट्र दो गुटों में बंटे हुए हैं और अपने-अपने हितों की ओर बढ़ रहे हैं।

– रमाकांत नाथ

दुनिया में दलीय व्यवस्थाएं, चाहे वे बहुदलीय हों, द्विदलीय हों या एकदलीय हों, सभी भ्रष्टाचार, व्यभिचार, झूठ और अंततः मनमानी को बढ़ावा देती हैं। दलीय व्यवस्था व्यक्तिगत शासन में बदल गई है। एक व्यक्ति अपनी इच्छानुसार कुछ चापलूसों, चाटुकारों को लेकर शासन का जाल फैलाता है और आम लोग उस जाल में फंसते जाते हैं। यह व्यवस्था आज भी पूरी दुनिया में लागू है।

दुनिया में तीसरा विश्वयुद्ध शुरू हो चुका है। यह युद्ध क्या रूप लेगा, इसका अनुमान लगाना कठिन है। एक तरफ रूस और चीन जैसे देश हैं, तो दूसरी तरफ अमेरिका और यूरोपीय संघ के देश। दुनिया के राष्ट्र दो गुटों में बंटे हुए हैं और अपने-अपने हितों की ओर बढ़ रहे हैं। उनकी महत्वाकांक्षा प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष रूप से दुनिया को परेशान कर रही है। दुनिया में आम लोगों के दमन ने शोषण को बढ़ा दिया है। अन्याय ने अत्याचार को जन्म दिया है। अशांति, भय, आतंक और आशंका के माहौल के कारण विश्व-शांति दूर की कौड़ी लगती है।

दुनिया में स्थायी शांति स्थापित करने के लिए बने 'संयुक्त राष्ट्र संघ' (यूएनओ) ने ऐसा कुछ नहीं किया है और दुनिया की प्रमुख शक्तियों ने उससे ऐसा कुछ नहीं करवाया है। दुनिया में अशांति का कारण क्या है, हम बार-बार युद्ध क्यों झेल रहे हैं, राष्ट्रों के बीच संघर्ष क्यों हैं? निकी वॉकर की किताब 'हम क्यों लड़ते हैं? संघर्ष, युद्ध और शांति' तथा स्टीव किलेलिया की पुस्तक 'अराजकता के युग में शांति' ने हमें वर्तमान समस्याओं को हल करने के तरीके खोजने तथा विश्व में सतत विकास प्रक्रिया का नेतृत्व करने के लिए प्रोत्साहित करते हुए कई बातें उजागर की हैं।

जब रूस ने यूक्रेन पर आक्रमण किया था, तब यह माना गया था कि यह हफ्तेभर में समाप्त हो जाएगा, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। रूसी आक्रमण से यूक्रेन की रक्षा के लिए अमेरिकी सहायता ने अप्रत्यक्ष रूप से हथियारों के बाजार को लाभ पहुंचाया है तथा पूरे यूरोप में युद्ध, पलायन, विस्थापन और शरणार्थी मुद्दों के माहौल ने बहुत उथल-पुथल मचा दी है। यह युद्ध अब रूस के साथ चीन और 'उत्तर अटलांटिक संधि संगठन' (नाटो) के देशों के बीच युद्ध में बदल गया है, जो बहुत ही भयानक रूप लेने वाला है।

दुनिया के अमीर और परमाणु शक्ति-संपन्न देशों के पास 10,000 से अधिक परमाणु हथियार हैं। उनमें से कुछ के ही उपयोग से मानव जीवन और मानव सभ्यता पूरी तरह से गायब हो जाएगी। यह जानते हुए भी तानाशाह लड़ते रहते हैं और परमाणु हथियारों के उपयोग की धमकी देते रहते हैं।

मध्य-पूर्व में ईरान, तुर्की, जॉर्डन और लेबनान जैसे इस्लामी देश गाजा पट्टी और पश्चिमी तट पर इजरायल के हमले के कारण इजरायल के खिलाफ हैं। हमास-हूती-हिजबुल्लाह जैसे आतंकवादी संगठनों के खिलाफ इजरायल की कार्रवाई और अमेरिका द्वारा उसके समर्थन ने अप्रत्यक्ष रूप से मध्य-पूर्व में विनाश को जन्म दिया है।

जब एक आतंकवादी संगठन तालिबान अफगानिस्तान जैसे देश को नियंत्रित कर शासन चला रहा है, तो यह असंभव नहीं है कि दुनिया के सभी आतंकवादी संगठन एकजुट होकर इस दुनिया से लोकतंत्र की मौत का कारण बनें। तानाशाहों, हिंसक आतंकवादियों के कारण आज दुनिया में शांति से रहना असंभव हो गया है।एकतरफावाद और आतंकवाद एक ही सिक्के के दो पहलू हैं। तानाशाहों और आतंकवादियों के पास कोई सिद्धांत या आदर्श नहीं होता। वे किसी धर्म को भी नहीं मानते। इसके बजाय, वे अपनी राय दूसरों पर थोपते हैं। तानाशाहों और आतंकवादियों की ताकतों के पीछे कॉर्पोरेट हैं। वास्तव में कॉर्पोरेट ताकत ही दुनिया पर राज कर रही है और यही आज की अशांति का मुख्य कारण है।

कॉरपोरेट सत्ता आतंकवादी संगठनों के लिए हथियार बना रही है, कॉरपोरेट सत्ता ने तानाशाहों को विश्व व्यापार के लिए लालची बना दिया है, डॉलर से बांध दिया है और दुनिया की प्रमुख संस्थाओं ने 'अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष,' 'विश्व व्यापार संगठन,' 'विश्व बैंक' आदि के माध्यम से कर्ज देकर तीसरी दुनिया को पूरी तरह से बांध लिया है। कॉरपोरेट सत्ता ने दुनिया के संसाधनों को हड़प लिया है और पूरी दुनिया में आतंक, अशांति, संघर्ष पैदा किया है जिसकी परिणति युद्ध में होती है। इस संबंध में डेविड कॉर्टन की एक बहुचर्चित पुस्तक है, 'व्हेन कॉरपोरेशन्स रूल द वर्ल्ड।' कॉरपोरेट शासन किस तरह वैश्विक व्यवस्था को प्रभावित कर रहा है और विश्व शांति को नुकसान पहुंचा रहा है, यह विशेष रूप से उल्लेखनीय है। मध्य-पूर्व में कई वर्षों से चल रहे और हाल के युद्ध के पीछे अमेरिका अप्रत्यक्ष रूप से इजरायल का समर्थन कर रहा है।

मौजूदा सरकार की इस्लाम विरोधी नीतियों के प्रचार और इस्लाम विरोधी कदमों के कारण भारत अब सभी इस्लामी देशों के साथ संघर्ष में उलझा हुआ है। इसी तरह, दक्षिण-एशिया में चीन के प्रभाव के कारण भारत अपने सभी पड़ोसी देशों के साथ अच्छे संबंध खो चुका है और संघर्ष में पड़ गया है। यह असंभव नहीं है कि ये सभी संघर्ष आगे चलकर युद्ध में बदल जाएं, जिससे दक्षिण-एशिया में एक और युद्ध हो। यह असंभव नहीं है कि ताइवान पर चीन का लालच, तिब्बत पर चीन का अधिकार और कोरियाई प्रायद्वीप पर दो कोरिया के बीच युद्ध, उत्तर-कोरिया को दक्षिण-कोरिया पर हमला करने के लिए मजबूर कर देगा। दुनिया के 7-8 ऐसे मैदानी युद्ध, कुछ देशों के गृह-युद्ध विश्व शांति को व्यापक रूप से भंग कर देंगे, यह तय है।

दुनिया में दलीय व्यवस्थाएं, चाहे वे बहुदलीय हों, द्विदलीय हों या एकदलीय हों, सभी भ्रष्टाचार, व्यभिचार, झूठ और अंततः मनमानी को बढ़ावा देती हैं। दलीय व्यवस्था व्यक्तिगत शासन में बदल गई है। एक व्यक्ति अपनी इच्छानुसार कुछ चापलूसों, चाटुकारों को लेकर शासन का जाल फैलाता है और आम लोग उस जाल में फंसते जाते हैं। यह व्यवस्था आज भी पूरी दुनिया में लागू है। जहां भी ऐसा हो रहा है, लोग उस व्यक्तित्व को हटा रहे हैं, उसे सत्ता से बेदखल कर रहे हैं, लेकिन दलीय व्यवस्था के भीतर कोई दूसरा व्यक्ति शासक बनकर उभरता है और शोषण तथा अत्याचार करना शुरू कर देता है। दलीय लोकतंत्र और व्यक्तिवाद लोकतंत्र के नाम पर काम कर रहे हैं। इससे दुनिया में कारपोरेट साम्राज्यवाद को बढ़ावा मिला है।

यह शासन व्यवस्था लोकतंत्र के चारों स्तंभों - विधायिका, कार्यपालिका, न्यायपालिका और मीडिया को समाप्त करके तानाशाही चलाना चाहती है, जो वास्तव में 'निगम के लिए, निगम द्वारा और निगम की' है। इस शासन व्यवस्था ने करोड़ों लोगों के लिए अशांति पैदा की है, जीवन और मृत्यु की समस्याएं पैदा की हैं। अब विकल्प लोक-लुभावनवाद है, जो विश्व शांति और लोकस्वराज स्थापित करने में मदद कर सकता है। यह दुनिया से भय, भ्रम और आतंक को खत्म करने, नफरत, हिंसा, असहिष्णुता को मिटाने और युद्धों और संघर्षों को खत्म करने में मदद कर सकता है। कॉर्पोरेट सत्ता को खत्म करने, गुटबाजी को मिटाने, सत्तावाद और अधिनायकवाद को हराने के लिए जनता की राजनीति, जनता का शासन जरूरी है। विश्व में स्थायी शांति, देश में शाश्वत प्रगति, राज्य में अपार समृद्धि और लोगों के जीवन में आशाजनक विकास के लिए जनता का शासन आवश्यक है।

अजब-गजब

यह है देश का अनोखा गांव, यहां किसी भी घर में नहीं बनता खाना, जानिए 500 लोग कैसे करते हैं गुजारा?

गुजरात में देश का एक अनोखा गांव है। इस गांव में किसी घर में खाना नहीं बनता है। खास बात यह है कि इस गांव में बुजुर्गों की संख्या भी काफी है। पहले इस गांव में 1100 लोगों की आबादी थी। मगर नौकरी पेशा के चक्कर में लोगों ने पलायन किया। अब यहां महज 500 लोग रहते हैं। मगर पूरे देश में यह गांव एक अद्भुत उदाहरण बना है। आइए जानते हैं गुजरात के इस गांव की कहानी।

गुजरात के मेहसाणा जिले में पड़ता है अनोखा गांव चंदनकी। इस गांव के किसी भी घर में खाना नहीं बनाया जाता है। गांव में एक सामुदायिक रसोई है। यहीं पर पूरे गांव का खाना बनता है। खाने के बहाने गांव के लोग यही पर जुटते हैं। एक-दूसरे से मिलते और बातें करते हैं। इस सामुदायिक रसोई की वजह से बुजुर्गों में अकेलापन दूर करने में काफी हद तक मदद मिली है।

ग्रामीणों का खाना किराये के रसोइया तैयार करते हैं। इन्हें हर महीने 11 हजार रुपये का वेतन दिया जाता है। वहीं खाने के बदले ग्रामीण दो हजार रुपये मासिक भुगतान करते हैं। ग्रामीणों को खाना वातानुकूलित हॉल में परोसा जाता है। सामुदायिक रसोई को बनाने में गांव के सरपंच पूनमभाई पटेल का अहम योगदान रहा है। आज इस गांव की सामुदायिक रसोई को देखने दूर-दूर से लोग आते हैं।

समुदाय रसोई के एसी हॉल में एक साथ 35-40 लोगों के भोजन करने की व्यवस्था है। दोपहर के भोजन में दाल, चावल, चपाती, सब्जी और मिठाई दी जाती है। रात में खिचड़ी-कढ़ी, भाकरी-रोटी-सब्जी, मेथी गोटा, ढोकला और इडली-सांभर की व्यवस्था होती है। चंदनकी गांव के करीब 300 परिवार अमेरिका, कनाडा और ऑस्ट्रेलिया में बसे हैं।

ब्लॉग

राहुल गांधी की अमेरिका में टिप्पणियां: सच या दुर्भावना

राम पुनियानी

सिक्ख धर्म के हिंदू धर्म का हिस्सा होने के दावों का खंडन केहन सिंह की पुस्तक 'हम हिंदू नहीं' में किया गया है। यदि हम सिक्खों की परंपराओं पर ध्यान दें, तो उनमें सांप्रदायिक मेलजोल नजर आता है। स्वर्ण मंदिर की नींव मियां मीर ने रखी थी। सिक्ख धर्म बाबा फरीद और अन्य सूफी संतों का सम्मान करता है और साथ ही भक्ति संतों जैसे कबीर और रैदास का भी।

अमेरिका की अपनी हालिया यात्रा के दौरान राहुल गांधी (आरजी) ने लोगों के साथ कई बार बातचीत की। ऐसी ही एक बैठक के दौरान उन्होंने दर्शकों के बीच बैठे एक सिक्ख से उसका नाम पूछा। वे भारतीय राजनीति के दो धुरवों की चर्चा कर रहे थे और भारत में संकीर्ण कट्टरपंथी राजनीति के ज्यादा प्रबल और आक्रामक होने की ओर बात कह रहे थे। उन्होंने उन सज्जन की ओर मुखातिब होते हुए कहा कि भारत में 'संघर्ष इस मुद्दे पर है कि उन्हें सिक्ख होने के नाते, पगड़ी पहनने दी जाएगी या नहीं, या कड़ा पहनने की इजाजत होगी या नहीं या वे एक सिक्ख के रूप में गुरूद्वारे जा पाएंगे या नहीं। लड़ाई इसी बात की है और यह मुद्दा सिर्फ उन तक सीमित नहीं है, बल्कि सभी धर्मों के लिए प्रासंगिक है।'

यह स्पष्ट है कि सिक्खों का उदाहरण दिया जाना केवल एक संयोग था और उनका इशारा भारत में अल्पसंख्यकों को आतंकित करने की व्यापक प्रवृत्ति की ओर था। भाजपा के कुछ सिक्ख और अन्य नेताओं ने आरजी पर हमला किया और हमेशा की तरह उन पर राष्ट्रविरोधी, विभाजक होने सहित कई अन्य आरोप लगाए। इन आलोचनाओं में सांस्कृतिक अधिकारों और समाज के भिन्न-भिन्न तबकों के भिन्न आचार-व्यवहार के मुद्दे की जानबूझकर उपेक्षा की गई। इस अवसर का उपयोग भाजपा ने एक बार फिर आरजी पर हमला करने के लिए किया. वे पहले भी भाजपा के निशाने पर रह चुके हैं।

आरजी ने एक ट्वीट कर अपने सपनों के भारत की अवधारणा को स्पष्ट किया 'हमेशा की तरह भाजपा झूठ का सहारा ले रही है। वे मुझे चुप कराना चाहते हैं क्योंकि वे सच्चाई का सामना नहीं कर सकते। मैं हमेशा भारत को परिभाषित करने वाले मूल्यों के पक्ष में बोलता रहूंगा - अनेकता में एकता, समानता और आपसी प्रेम।'

आरजी की भावनाओं से बेखबर केबिनेट मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने इंडियन एक्सप्रेस में प्रकाशित एक लेख में लिखा कि सिक्खों को सिर्फ 1980 के दशक के दौरान समस्याओं का सामना करना पड़ा। उनका इशारा देश के कई हिस्सों, विशेषकर दिल्ली में हुए सिक्खों के नरसंहार की ओर था। उन्होंने आरजी के नजरिए को मोहम्मद अली जिन्ना जैसा बताया, जो देश का विभाजन करवाने पर तुले हुए थे। उन्होंने इस बारे में कुछ नहीं कहा कि भाजपा सरकार ने किसानों, जिनमें से बहुत से सिक्ख थे, की मांगों की कई महीनों तक पूरी तरह उपेक्षा की और उसके बाद ही किसान विरोधी कानूनों का वापिस लिया। उस दौरान हुए व्यापक विरोध में भाग लेने वाले सिक्खों को खालिस्तानी बताया गया था।

जहां तक 1984 के नरसंहार का सवाल है, उसके दोषियों को कभी माफ नहीं किया जा सकता। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के मनमोहन सिंह, जो एक दशक तक प्रधानमंत्री रहे, ने इसके लिए क्षमाचायना की थी और हमारी अपेक्षा है कि हिंसा के दोषियों के विरूद्ध शीघ्रातिशीघ्र उचित कानूनी कार्रवाई की जाएगी। 1984 के अपराधियों को कई दशकों तक दंडित न किया जाना अत्यंत निंदनीय है। इस तथ्य की ओर ध्यान नहीं दिया जाता कि आरएसएस-भाजपा इस नरसंहार के दौरान सिक्खों के बचाव के लिए आगे नहीं आए बल्कि, इसके विपरीत, शमसुल इस्लाम, जो भारत में कट्टरपंथ के जोर पकड़ने के विषय के प्रमुख अध्येताओं में से एक हैं। दावा करते हैं कि आरएसएस ने भी इस भयावह नरसंहार में भागीदारी की। ' इस आपराधिक मिलीभगत का महत्वपूर्ण प्रमाण आरएसएस के एक प्रमुख विचारक स्वर्गीय नानाजी देशमुख द्वारा 8 नवंबर 1984 को जारी किया गया 'अंतरात्मा की खोज का समय' शीर्षक वाला एक दस्तावेज है (जिसे जार्ज फर्नांडीज द्वारा संपादित हिंदी पत्रिका प्रतिपक्ष में प्रकाशित किया गया था). इससे उन कई अपराधियों के चेहरों पर से नकाब हटाने में मदद मिल सकती है जिन्होंने बेकसूर सिक्खों के कत्ल किए और उनके साथ दुष्कर्म किया, जिनका इंदिरा गांधी की हत्या से कोई लेना-देना नहीं था। इस दस्तावेज से इस बारे में भी जानकारी मिल सकती है कि वे स्वयंसेवक कहां से आए थे, जिन्होंने योजनाबद्ध ढंग से सिक्खों की हत्याएं कीं। नानाजी देशमुख इस दस्तावेज में 1984 में सिक्खों के नरसंहार तो सही ठहराते नज़र आते हैं।'

आरजी की आलोचना से जुड़ा एक मुद्दा और है। कई सिक्ख समूह इसे सिक्ख पहचान को मान्यता देने के स्वागतयोग्य कदम की तरह देख रहे हैं। पूर्व आरएसएस प्रमुख के. सुदर्शन ने एक वक्तव्य में कहा था कि सिक्ख धर्म वास्तव में हिंदू धर्म का एक पंथ (सम्प्रदाय) है और खालसा की स्थापना हिंदुओं की इस्लाम से रक्षा करने के लिए की गई थी। 2019 में मोहन भागवत ने कहा था कि भारत एक हिंदू राष्ट्र है। इन दोनों वक्तव्यों के विरूद्ध कड़ी प्रतिक्रिया हुई थी। इन वक्तव्यों से आरएसएस की मानसिकता भी पता चलती है। हम जानते हैं कि सिक्ख मात्र एक पंथ नहीं है बल्कि एक धर्म है; जिसकी स्थापना गुरू नानक देवजी ने की थी। उन्होंने कहा था न हम हिंदू न हम मुसलमान। पंजाब ट्रिब्यून और नवा जमाना जैसे प्रमुख पंजाबी समाचारपत्रों ने अपने संपादकीय में भागवत के वक्तव्य की कड़ी आलोचना की। वहीं शिरोमणि गुरूद्वारा प्रबधंक कमेटी (एसजीपीसी) और शिरोमणि अकाली दल (एसएडी), जो एनडीए का हिस्सा है, और भाजपा का सहयोगी दल रह चुका है, ने भी भागवत के वक्तव्य पर कड़ी प्रतिक्रिया की।

अकाल तख्त के कार्यवाहक जत्थेदार ज्ञानी हरप्रीत सिंह ने कहा कि उनका मानना है कि आरएसएस की इन हरकतों से देश में फूट पड़ेगी। 'आरएसएस नेताओं के वक्तव्य देश के हित में नहीं हैं,' उन्होंने लिखा।

सिक्ख धर्म के हिंदू धर्म का हिस्सा होने के दावों का खंडन केहन सिंह की पुस्तक 'हम हिंदू नहीं' में किया गया है। यदि हम सिक्खों की परंपराओं पर ध्यान दें, तो उनमें सांप्रदायिक मेलजोल नजर आता है। स्वर्ण मंदिर की नींव मियां मीर ने रखी थी। सिक्ख धर्म बाबा फरीद और अन्य सूफी संतों का सम्मान करता है और साथ ही भक्ति संतों जैसे कबीर और रैदास का भी। सिक्खों में गुरू का दर्जा रखने वाले गुरूग्रन्थ साहिब में सिक्ख गुरूओं की वाणी के साथ-साथ सूफी और भक्ति संतों को भी स्थान दिया गया है। उसका मुख्य विचार और लक्ष्य है मौलानाओं और ब्राह्मणवादी शिक्षाओं द्वारा लादी लिंग और जाति संबंधी गैरबराबरी को दूर करना।

भारतीय उपमहाद्वीप में जन्मे धर्मों बौद्ध, जैन और सिक्ख सभी मानव जाति में बराबरी की वकालत करते हैं और एक तरह से जाति व लिंग संबंधी पदक्रम से दूरी बनाते हैं। कई सिक्ख नेता मात्र सत्ता की खातिर भाजपा में शामिल होने का प्रयास करते हैं, और उनका ध्यान सिक्खवाद के मानवीय मूल्यों और ब्राह्मणवादी रूढ़विाद के बीच के विरोधाभास की ओर नहीं जाता। जैसा अम्बेडकर ने कहा कि ब्राह्मणवाद हिंदुत्व का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा है। इसी के चलते उन्होंने हिंदू धर्म छोड़कर बौद्ध धर्म स्वीकार किया।

सिक्ख धर्म भारतीय इतिहास के तथाकथित मुस्लिम काल में फला-फूला। कई सिक्ख संगठनों की कड़ी प्रतिक्रिया के बाद अब आरएसएस सिक्ख धर्म को एक स्वतंत्र धर्म के रूप में स्वीकार करने लगा है। आरजी का वक्तव्य कहीं से भी विभाजनकारी नहीं है और भारतीय संविधान के मूल्यों का प्रतिनिधित्व करता है।

लिव-इन में रहते गर्लफ्रेंड ने किया सुसाइड, कोर्ट बोली- बॉयफ्रेंड पर चलेगा दहेज और हत्या का मुकदमा, दिमाग घुमा देगा ये केस

आर्यावर्त संवाददाता

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश में इलाहाबाद हाईकोर्ट ने एक मामले में शख्स पर दहेज और हत्या के आरोप को खारिज करने से मना कर दिया है। शख्स ने खुद पर लगाए गए आरोपों को गलत बताते हुए कोर्ट में याचिका दाखिल की थी, जिसे कोर्ट ने गलत पाया और उस याचिका को खारिज कर दिया। दरअसल, प्रयागराज के आदर्श यादव एक युवती के साथ लिव-इन रिलेशनशिप में रहता था और युवती ने सुसाइड कर लिया और उसकी मौत हो गई।

ऐसे में युवक ने कहा कि वो महिला का पति नहीं है और उस पर लगाया गया हत्या और दहेज का मामला गलत है। इस मामले में इलाहाबाद हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति राजबीर सिंह ने कहा कि भले ही

कानूनी तौर पर दोनों की शादी नहीं हुई थी, लेकिन रिकॉर्ड में साक्ष्य के तौर पर दोनों का मौके पर लिव-इन में रहना एक पर्याप्त साक्ष्य हैं। ऐसे में कोर्ट ने आरोपी पर दहेज और हत्या की धाराओं के तहत केस दर्ज करना सही माना है।

पहली शादी में नहीं दिया तलाक

आरोपी आदर्श ने कोर्ट में दायर की गई याचिका में बताया कि उसके साथ लिव-इन में रहने वाली युवती पहले से शादीशुदा थी और उसने अपने पहले पति को तलाक नहीं दिया था। ऐसे में दोनों साथ तो रह रहे थे, लेकिन दोनों ने शादी नहीं की थी। इस मामले में कोर्ट ने स्पष्ट किया कि युवती की ओर से की गई शिकायत में उसके पहले पति से हुए तलाक के सारे सबूत दिए गए हैं।

युवती अपने पति को तलाक देने के बाद ही याचिकाकर्ता के साथ लिव-इन रिलेशनशिप में रह रही थी, ऐसे में युवती ने याचिकाकर्ता के परिसर में सुसाइड किया था। युवती की तरफ से की गई शिकायत में यह भी बताया गया है कि उसने याचिकाकर्ता के साथ कोर्ट में ही शादी भी की थी। इस पर कोर्ट ने टिप्पणी करते हुए कहा कि भले ही दोनों की कानूनी शादी का मामला स्पष्ट नहीं किया जा सका है, लेकिन फिर भी उसपर लगाए गए आरोपों को खारिज नहीं किया जा सकता है।

दहेज के लिए करता था तंग

प्रयागराज की कोतवाली 2022 में याची के खिलाफ दहेज हत्या व दहेज उत्पीड़न के आरोप में एफआईआर दर्ज कराया गया था। आरोप लगाया गया कि शादी के लिए दहेज मांगने से तंग आकर पीड़िता ने खुदकुशी कर ली। पुलिस ने दहेज हत्या के आरोप में चार्जशीट दाखिल की। ट्रायल कोर्ट ने याची की अपराध से उन्मुक्त करने की अर्जी निरस्त कर दी, जिसे चुनौती दी गई थी। याची का कहना था कि वह कानूनी तौर पर पीड़िता का पति नहीं है इसलिए उसपर दहेज हत्या व दहेज उत्पीड़न का केस नहीं चलाया जा सकता।

सरकारी वकील का कहना था कि मृतका की शादी अदालत के माध्यम से हुई थी। दहेज के लिए आवेदक मृतका को प्रताड़ित करता था। इसलिए पीड़िता ने खुदकुशी कर ली। विवाह की वैधता का परीक्षण ट्रायल में ही हो सकता है। कोर्ट ने कहा केवल पति ही नहीं बल्कि उसके रिश्तेदार भी दहेज हत्या के लिए आरोपित हो सकते हैं। भले ही यह मान लिया जाए कि मृतका कानूनी रूप से विवाहित पत्नी नहीं थी। किंतु साक्ष्य है कि वे पति और पत्नी की तरह एक साथ रह रहे थे। इसलिए दहेज हत्या के प्रावधान इस मामले में लागू होंगे।

करहल सीट से तेज प्रताप यादव हो सकते हैं सपा प्रत्याशी, अखिलेश के इस्तीफे के बाद खाली हुई है सीट

आर्यावर्त संवाददाता

करहल। उत्तर प्रदेश की 10 विधानसभा सीटों पर उपचुनाव होने हैं। इसमें एक सीट करहल भी है। इस सीट से 2022 में सपा मुखिया अखिलेश यादव विधायक चुने गए थे। लोकसभा चुनाव-2024 में वो कन्नौज से सांसद चुने गए और उनके इस्तीफे के बाद अब उपचुनाव होना है। इसको लेकर बड़ी खबर आ रही है। सूत्रों का कहना है कि अखिलेश यादव इस सीट से अपने चचेरे भाई तेज प्रताप यादव को चुनाव लड़ा सकते हैं। तेज प्रताप रणवीर सिंह यादव के बेटे हैं।

करहल विधानसभा सीट यादव बाहुल्य है। यहां सवा लाख यादव मतदाता हैं। सपा यहां जातिगत कार्ड ही खेलती रही है। करहल उपचुनाव के लिए सपा उम्मीदवारी के लिए रेस में कई नाम शामिल हैं। इस बार कन्नौज से अखिलेश यादव के प्रत्याशी बनने से पहले सपा ने मैनपुरी के पूर्व सांसद तेज प्रताप यादव को प्रत्याशी बनाया था। फिर तेज प्रताप की जगह अखिलेश खुद कन्नौज सीट से मैदान में उतर गए थे। ऐसे में तेज प्रताप यादव को प्रत्याशी बनाए जाने की संभावना सबसे ज्यादा है। पूरी खबर पढ़ने के लिए यहां क्लिक करें।

तेज प्रताप का जन्म इटावा जिले के सैफई गांव में हुआ। वो रणवीर सिंह और मृदुला यादव के बेटे हैं। उनकी शुरुआती पढ़ाई नोएडा के दिल्ली पब्लिक स्कूल से हुई है। उनकी हाईयर एजुकेशन यूनाइटेड किंगडम से हुई है। तेज प्रताप उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री मुलायम सिंह यादव के बेटे के बेटे हैं। बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव की छोटी बेटी राजलक्ष्मी के साथ 2015 में उनकी शादी हुई थी।

आजम खान की बढ़ी मुसीबत, शत्रु संपत्ति के दस्तावेजों में हेराफेरी के केस में आया नाम

आर्यावर्त संवाददाता

सीतापुर। सीतापुर जेल में बंद आजम खान की दिक्कतें एक बार फिर बढ़ गई हैं। सोमवार को एक और मुकदमे में कस्टडी रिमांड पर लिए गए। यह मामला शत्रु सम्पत्ति से संबंधित दस्तावेजों में हेराफेरी का है। एमपी एमएलए कोर्ट ने जेल में बंद आजम खान को रिमांड पर लिया है। इस नए मुकदमे में आजम खान का नाम आया है।

शत्रु सम्पत्ति के दस्तावेजों में हेरा फेरी के मामले में मुकदमा 2020 में थाना सिविल लाइंस में दर्ज हुआ था। जांच के बाद आजम खान का नाम भी अब मुकदमे में आया है। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से आजम खान की सीतापुर जेल से पेशी हुई।

दरअसल शत्रु संपत्ति हड़पने के लिए किए गए फर्जीवाड़े के मुकदमे से आजम खां का नाम निकालने का मामला पिछले दिनों चर्चा में रहा था। शासन ने इस मामले में पूर्व एसपी

अशोक शुक्ला के खिलाफ उच्च स्तरीय जांच के आदेश दिए थे।

कोर्ट ने आजम खान की आपत्ति को किया खारिज

वहीं अब शत्रु संपत्ति के इस मामले में पुलिस ने दोबारा विवेचना के बाद उन्हें और उनके बेटे अब्दुल्ला को फिर से आरोपित बना दिया है। विवेचना अधिकारी ने इस केस में पिता-पुत्र का रिमांड लेने के लिए कोर्ट में प्रार्थना पत्र दी थी। जिसके बाद आजम खान ने अपने वकील के माध्यम से आपत्ति दाखिल की थी। हालांकि कोर्ट ने आजम खां की आपत्ति को खारिज कर दिया है।

शत्रु संपत्ति को खुर्द बुर्द करने का आरोप

बता दें कि यह मुकदमा रिकॉर्ड रूम के सहायक अभिलेखपाल मोहम्मद फरीद की ओर से सिविल लाइंस थाने में नौ मई 2020 को लखनऊ के पीरपुर हाउस निवासी सैयद आफाक अहमद और अज्ञात के खिलाफ दर्ज कराया गया था। इसमें शत्रु संपत्ति को खुर्द बुर्द करने का आरोप लगा है।

जौहर यूनिवर्सिटी के पास थी संपत्ति

यह शत्रु संपत्ति आजम खान की जौहर यूनिवर्सिटी के पास थी, जो इमामुद्दीन कुरैशी के नाम दर्ज थी। जानकारी के मुताबिक इमामुद्दीन कुरैशी विभाजन के समय देश छोड़कर पाकिस्तान चले गए थे। वहीं 2006 में इसको शत्रु संपत्ति के रूप में दर्ज कर ली गई थी।

देवा महोत्सव पर भव्य होगा मुशायरा शताब्दी का आयोजन : अरुण

बाराबंकी। कलेक्ट्रेट परिसर स्थित लोकसभागार में अपर जिला अधिकारी व देवा मेला सचिव अरुण कुमार सिंह की अध्यक्षता में मंगलवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित की गई। 18 अक्टूबर से शुरू हो रहे 10 दिवसीय देवा मेला-2024 में होने वाली विविध खेल-कूद प्रतियोगिताएं, सांस्कृतिक कार्यक्रमों आदि के विषय में मीडिया को विस्तृत जानकारी दी। इस मौके पर अपर जिलाधिकारी अरुण कुमार सिंह ने बताया कि प्रसिद्ध सूफी सन्त हाजी वारिस अली शाह के आस्ताने देवा शरीफ में इस बार भी देवा मेला 2024 शानदार तरीके से और भव्य रूप से आयोजित किया जा रहा है। यह मेला 18 अक्टूबर से शुरू होकर 27 अक्टूबर तक चलेगा। मेले में परम्परागत रूप से खेल प्रतियोगिताएं और सांस्कृतिक कार्यक्रम होते रहे है। इस बार भी भव्य और दिव्य तरीके से कार्यक्रम आयोजित किये जायेंगे। इस बार मेले की खास बात यह है जैसे मुशायरा है।

घर से गायब हो गई थी दुल्हन, तीन साल बाद मिली तो बोली– अब पति नहीं चाहिए, जिसके साथ हूं वही सब कुछ

आर्यावर्त संवाददाता

गोंडा. उत्तर प्रदेश के गोंडा से तीन साल पहले एक विवाहिता अचानक लापता हो गई थी। ससुराल वालों से लेकर मायके वालों ने उसे खूब ढूंढा, लेकिन वो नहीं मिली। पुलिस में फिर विवाहिता के अपहरण और हत्या का केस दर्ज करवा दिया गया। पुलिस ने भी लापता महिला को खोजने की बहुत कोशिश की, मगर सफलता नहीं मिली।

इस बीच अचानक से महिला लखनऊ में मिल गई। पूछताछ में महिला ने जो कुछ भी बताया उससे सभी के होश उड़ गए। महिला अब पति के साथ नहीं रहना चाहती। न ही घर वालों से बात करना चाहती है। वो जिस इंसान के साथ रह रही है, उसी के साथ रहना चाहती है। महिला का नाम कविता है।

तीन साल पहले कविता नामक इस महिला की हत्या, अपहरण व

गुमशुदगी की रिपोर्ट गोंडा नगर कोतवाली में दर्ज कराई गई थी। करीब 3 साल बाद उसे पुलिस ने लखनऊ से बरामद किया। कविता ने बताया कि पति उसे मारता-पीटता था, इसलिए वो पहले अयोध्या भाग गई, फिर लखनऊ आ गई। कविता ने कहा- मैं लखनऊ में किसके साथ रह रही हूं, ये नहीं बताऊंगी। लेकिन जिसके साथ भी हूं, खुश हूं। उन्हीं के साथ रहना चाहती हूं। न मुझे मेरा पति वापस चाहिए और न ही मेरे घर वाले।

क्या बोला विवाहिता का भाई?

इस मामले में कविता के भाई अखिलेश बहादुर ने बताया- मेरी बहन की शादी 2017 में विनय कुमार से हुई थी। शादी के चार साल बाद (2021) वह गायब हो गई थी। हमने ससुराल वालों के खिलाफ दहेज हत्या का मुकदमा दर्ज करवाया था। जिसपर बहन के ससुराल वालों ने भी हमारे खिलाफ बहन के अपहरण का मुकदमा दर्ज करवाया था। लेकिन बावजूद इसके बहन का कहीं अता-पता नहीं चला।

हाईकोर्ट ने दिया आदेश

अखिलेश बहादुर ने कहा- बहन के न मिलने पर मैंने 2023 में हाई कोर्ट में प्रार्थना पत्र दिया कि मेरी बहन को ढूंढा जाए। जिस पर कोर्ट ने पुलिस को खोजने का आदेश दिया। अब पुलिस ने बहन को लखनऊ से गोंडा निवासी एक शख्स के यहां से बरामद किया है।

उधर मामले में गोंडा के एसपी ने बताया- महिला को सकुशल बरामद करने के बाद न्यायालय में पेश किया गया है। बयान दर्ज होने के बाद कोर्ट के अनुसार अग्रिम वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

यूनिट खर्च कम, बिल आया लाखों में... मीटर रीडर लगा रहे थे 'चूना', नप गए 2 कर्मी

आर्यावर्त संवाददाता

गाजीपुर। गाजीपुर जिले में बिजली विभाग के द्वारा उपभोक्ताओं को मनमाना बिल भेजे जाने की शिकायत आए दिन सामने आती रहती है। लोगों का कहना है कि गलत बिल आ रहा है, जबकि मीटर रीडिंग के लिए विभाग ने मीटर रीडरों को लगाया है। खामियां न मिले, इसके लिए समय-समय पर कवायद भी होती रहती है। हाल ही में निगम ने 233 मीटरों का मनमाना बिल देने पर दो मीटर रीडर को कार्यमुक्त कर दिया।

इसके बाद से ही बिजली विभाग में कार्यरत मीटर रीडर में हड़कंप मचा हुआ है कि अब किसके ऊपर गाज गिरने वाली है, क्योंकि अधिकतर मीटर रीडर उपभोक्ताओं के घर पहुंचने के बजाय घर बैठे ही मनमाना बिजली का बिल बनाकर उपभोक्ताओं को भेजते थे और उसे सही करने के नाम पर वसूली भी किया करते थे। बिजली विभाग खंड-2 के आम घाट के अधिशासी अभियंता आशीष शर्मा को मोहम्मदाबाद क्षेत्र के मीटर रीडर राज नारायण खरवार और बलिराम यादव को विभाग के मानक के अनुसार मीटर की रीडिंग नहीं किए जाने की शिकायत मिल रही थी, जिसको देखते हुए उन्होंने दोनों को कार्य मुक्त कर दिया। साथ ही उनकी आईडी बंद करने के लिए संबंधित कंपनी को पत्र भी भेज दिया। अधिशासी अभियंता के द्वारा जारी किए गए पत्र के अनुसार, राज नारायण खरवार ने 133 और बलराम यादव ने 200 मीटरों की रीडिंग मनमाने तरीके से की थी, जिसकी उपभोक्ताओं ने शिकायत की थी और जांच करने पर उपभोक्ताओं की शिकायत सही पाई गई। इसके बाद अधिशासी अभियंता ने तत्काल प्रभाव से दोनों मीटर रीडरों को हटा दिया।

खेल से विश्व के मानचित्र पर पहुंचा भारत : सतीश शर्मा

बाराबंकी। खेल विद्यार्थियों में नेतृत्व के गुण को स्वाभाविक रूप में विकसित करते हैं और सामूहिकता के साथ कार्य करने भावना को भी बढ़ावा देते हैं। खेलों के द्वारा देश का नाम विश्व के मानचित्र पर शिखर तक पहुंचाया जा सकता है। उक्त बात राज्यमंत्री सतीश चन्द्र शर्मा ने के.डी. सिंह बाबू स्पोर्ट्स स्टेडियम में माध्यमिक शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित 72वी जनपदीय एथेलेटिक्स एवं सांस्कृतिक प्रतियोगिता के शुभारम्भ के अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में व्यक्त किए। इसके पहले तीन दिवसीय जनपदीय एथेलेटिक्स एवं सांस्कृतिक प्रतियोगिता का शुभारंभ जिला पंचायत अध्यक्ष राजरानी रावत ने माँ सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन एवं माल्यर्पण के द्वारा किया। मुख्य अतिथि राज्यमंत्री सतीश चन्द्र शर्मा एवं जिला पंचायत अध्यक्ष राजरानी रावत द्वारा प्रतिभागी खिलाड़ियों द्वारा किये मार्च पास्ट की सलामी भी ली गई।

रबड़ की ट्यूब पर बैठ गंगा नदी पार कर रहा था दंपति, अचानक हो गए गायब, फिर...

आर्यावर्त संवाददाता

बदायूं। उत्तर प्रदेश के बदायूं में ट्यूब पर बैठकर गंगा पार कर करते समय दंपति डूब गया। सोमवार की सुबह कुछ लोग मछली पकड़ने गए तो दंपति के शव गंगा में उतराते हुए दिखे। ग्रामीणों की मदद से शवों को बाहर निकाला गया। सूचना पर पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंच गए। शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया। उसके बाद उन्हें मृतकों के परिजनों को सौंप दिया गया।

घटना सहसवान की है। औरंगाबाद टप्पा जामनी के मजरा मोहन नगला निवासी धर्म सिंह (50) की गंगा पार कृषि भूमि है। रविवार दोपहर धर्म सिंह अपनी पत्नी शांति (48) के साथ खेत पर जा रहे थे। दोनों ट्यूब पर बैठकर गंगा पार कर रही रहे थे कि संतुलन बिगड़ने से डूब गए। उनके पास नाव खरीदने के पैसे नहीं थे। इसलिए वो ट्यूब से ही

नदी पार करते थे। जब दंपति घर नहीं लौटा तो परिजन ग्रामीणों के साथ गंगा किनारे पहुंचे। दोनों की तलाश शुरू कर दी, लेकिन उनका कुछ पता नहीं चल सका। सोमवार की सुबह गांव के ही कुछ लोग गंगा में मछली पकड़ने के लिए पहुंचे, उन्होंने दंपति के शवों को गंगा में उतराते हुए देखा तो परिजनों और ग्रामीणों को बुला लिया। कड़ी मशक्कत के बाद दोनों के शवों को बाहर निकाला गया, सूचना पर पुलिस के अलावा नायब तहसीलदार जितेन्द्र सिंह, राजस्व निरीक्षक बृजपाल सिंह मौके पर पहुंच गए।

दंपति के 9 बच्चे

पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम को भेज दिया। उसके बाद परिजनों को शव सौंपे गए। दंपति की मौत से परिजनों में कोहराम मच गया। मृतक दंपति के नौ बच्चे हैं। इनमें पांच बेटे और चार बेटियां हैं। दो बेटियों का विवाह हो चुका है। बाकी बच्चे अविवाहित हैं। मेहनत मजदूरी से इनके परिवार का भरण पोषण होता था।

महेश शुक्ल का जनपद में प्रथम आगमन पर हुआ ऐतिहासिक स्वागत

आर्यावर्त संवाददाता

बस्ती। महेश शुक्ल द्वारा सोमवार को गौ सेवा आयोग उपाध्यक्ष (दर्जा प्राप्त राज्य मंत्री) का पदभार ग्रहण करने के बाद मंगलवार को जनपद में प्रथम आगमन हुआ। इस दौरान जिले भर के जनप्रतिनिधियों, कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों ने गर्मजोशी के साथ उनका स्वागत किया। स्वागत का दौर जनपद की सीमा घघौवा से शुरू होकर अटल बिहारी बाजपेई प्रेक्षागृह के सभागार में जिलाध्यक्ष विवेकानंद मिश्र की अध्यक्षता में सांसद जगदंबिका पाल, विधायक श्रीराम चौहान, विधायक अजय सिंह, पूर्व सांसद अष्टभुजा शुक्ल आदि की उपस्थिति में आशीर्वाद समारोह के उपरांत संपन्न हुआ।पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार दर्जा प्राप्त मंत्री बस्ती की सीमा घघौवा पर पहुंचे। जहां सैकड़ो गाड़ियों के काफिलों के साथ उनके समर्थकों का अपार जन समूह , उनके स्वागत के लिए पूरे जोश और ऊर्जा के साथ उपस्थित था। घघौवा में हरैया विधायक अजय सिंह के के नेतृत्व में भव्य स्वागत किया। घघौवा के बाद खतमसराय, पटखापुर, विक्रमजोत, पचवस, छावनी, बबुरहवा, चौकड़ी, महूघाट, मुरादीपुर, हरैया, भदावल, संसारीपुर, रजौली, महराजगंज, कप्तानगंज, तिलकपुर, गोटवा, टाटा मोटर्स, फुटहिया, मूडघाट, बड़ेबन, रौता चौराहा, ब्राह्मण महासभा, रनजीत चौराहा, रोडवेज तिराहा, नगर गेट, माली टोला, गांधीनगर, हनुमानगढ़ी, स्काउट भवन, शिव मंदिर कंपनीबाग, शास्त्री चौक, पकौड़ी चौराहा सहित लगभग 50 स्थानों पर पुष्प वर्षा के साथ ही फूल मालाओं से स्वागत और अभिनंदन किया गया। महेश शुक्ल सभी का स्नेह, दुलार देखकर उन्हें सहेज कर आगे बढ़ते रहे । कार्यकर्ताओं और समर्थकों का स्नेह देखकर काफी भाव विभोर हो गए और सभी के प्रति आभार व्यक्त किया।

स्कूल जा रही थीं लड़कियां, बाइक से आया मनचला और खींच लिया दुपट्टा, सीसीटीवी में रिकॉर्ड

आर्यावर्त संवाददाता

हरदोई। उत्तर प्रदेश के हरदोई जिले में मनचले ने स्कूल की छात्रा का दुपट्टा खींचने लगा और कुछ समय बाद वहां से फरार हो गया। इस घटना का वीडियो सामने आया है। यह वीडियो तेजी से सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें देवरिया की तरह स्कूल से वापस आ रही छात्राओं में से एक छात्रा का दुपट्टा खींचते हुए एक बाइक सवार दिख दे रहा है। वीडियो के सोशल मीडिया पर वायरल होने के लोगों ने काफी नाराजगी जाहिर की है। कुछ लोगों ने कमेंट के जरिए कहा कि बच्चियों न तो स्कूल जाते समय सुरक्षित न ही दफ्तरों में, इस तरह की घटना बेहद शर्मनाक है।

वीडियो को संज्ञान में लेने के बाद में पुलिस अधीक्षक ने घटना स्थल पर पहुंचकर मामले की जांच

शुरू कर दी है। बाइक सवार की पहचान की जा रही है। पुलिस अधीक्षक ने घटनास्थल पर पहुंचकर पीड़िता छात्रा के घरवालों से भी मुलाकात की है और जांच के बाद कड़ी कार्यवाही करने का भरोसा दिलाया है।

स्कूल जा रही छात्राएं डर गईं

हरदोई जिले के बिलग्राम कोतवाली का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। इस वायरल सीसीटीवी वीडियो में सड़क किनारे जा रही चार छात्राओं में से एक छात्रा का दुपट्टा तेज रफ्तार बाइक सवार खींचता हुआ नजर आ रहा है। दुपट्टा खींचने के बाद छात्रा काफी डर गई। छात्रा पहले तो बारिश वाली रोड पर गिरते-गिरते बचती है उसके बाद में डरी सहमी सभी छात्राएं तेजी से भागने लगती हैं और दूसरी तरफ से तेज रफ्तार बाइक सवार फर्राटा भरते हुए वहां से रफू चक्कर हो जाता है। वीडियो के सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद में कड़ी प्रतिक्रिया लोगों की तरफ से देखने को मिल रही है। वहीं, दूसरी तरफ पुलिस ने इस मामले को गंभीरता से लेते हुए मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस अधीक्षक नीरज जादौन ने घटनास्थल पर पहुंचकर और घरवालों को कड़ी कार्यवाही करने का आश्वासन दिया है।

गिरफ्तारी के दिए आदेश

हरदोई के पुलिस अधीक्षक नीरज जादौन ने सीसीटीवी फुटेज देखने और लोगों के पूछताछ करने के बाद बाइक सवार आरोपी के गिरफ्तारी के आदेश जारी कर दिए हैं। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि वायरल वीडियो का संज्ञान लेने के बाद में बाइक सवार शोहदे की तलाश तेज कर दी गई है। पीड़िता के घरवालों की शिकायत मिलने के बाद बाइक सवार शख्स पर कानूनी कार्यवाही की जाएगी। उन्होंने कहा कि हम प्रशासन की मंशा के अनुरूप आरोपियों पर जीरो टॉलरेंस की नीति के तहत कार्यवाही करने का भरोसा जनता को देते हैं, इस तरीके का काम करने वाले आरोपियों को सख्त से सख्त सजा दिलाई जाएगी।

थूक के बाद अब 'जैविक जिहाद'! बागपत में डॉक्टर और उनके परिवार को जान से मारने की कोशिश

आर्यावर्त संवाददाता

बागपत। उत्तर प्रदेश के बागपत से जैविक जिहाद का एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। यहां डिप्टी सीएमओ/उप मुख्य चिकित्सा अधिकारी यशवीर सिंह ने आरोप लगाया है कि उन्हीं के विभाग में काम करने वाले दो संविदाकर्मी और लैब टेक्नीशियन ने मिलकर उनके परिवार को टीबी बीमारी के बलगम बैक्टीरिया देकर जान से मारने की साजिश रची है। आरोपी संविदकर्मियों की एक ऑडियो क्लिप सामने आने पर साजिश का खुलासा हुआ है।

ऑडियो को सुनें तो पता चल रहा है कि डिप्टी सीएमओ और उनके परिवार को लैब से बैक्टीरिया देकर मारने की साजिश की जा रही है। साजिश का खुलासा होने के बाद डिप्टी सीएमओ बागपत ने पुलिस से मामले की लिखित शिकायत करते हुए आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग की है।

डिप्टी सीएमओ यशवीर सिंह

जिला क्षय रोग अधिकारी भी हैं। उन्हीं के नेतृत्व में दो टीबी और एचआईवी जांच के लिए संविदाकर्मी/ लैब टेक्नीशियन मुशीर अहमद और जब्बार खान भी काम करते हैं। बताया जा रहा है कि डिप्टी सीएमओ के पास एक ऑडियो क्लिप आया जिसमें दोनों कर्मी टीबी के बलगम के घातक बैक्टीरिया डिप्टी सीएमओ और उनके परिवार को पिलाने की बात कर रहे हैं। ऑडियो वायरल होने के बाद डिप्टी सीएम में मामले में शिकायत कर दी है।

लोग बता रहे इसे जैविक जिहाद

थूक जिहाद के बाद मुस्लिम युवकों द्वारा टीबी बैक्टीरिया दिए जाने को बागपत के लोग जैविक जिहाद बता रहे हैं। फिलहाल डिप्टी सीएमओ के आरोपों पर बागपत शहर कोतवाली पुलिस और स्वास्थ्य विभाग ने जांच शुरू कर दी है। जांच के बाद ही मामले की सच्चाई और साजिश के पीछे का कारण सामने आएगा।

थूक जिहाद का मामला

कुछ दिन पहले ही यहां से थूक जिहाद का भी मामला सामने आया था। यहां एक वीडियो वायरल हुआ था, जिसमें शहजाद नाम का शख्स थूक लगाकर रोटी बनाता हुआ नजर आया। बागपत पुलिस ने थूक जिहाद के आरोपी शहजाद को गिरफ्तार करके उसे जेल में डाल दिया था। नरेश बागपत के टटीरी कस्बे में नरेश चिकन कॉर्नर में काम करता था।

दोस्त सच्चा है या चापलूस, ऐसे समझें अंतर, नहीं खाएंगे धोखा

दोस्तों के साथ बिताए पलों को लोग जिंदगी भर नहीं भूल पाते हैं तो वहीं दोस्ती में अगर कोई धोखा करे तो यह भी किसी के लिए लाइफटाइम के लिए तकलीफ दे सकता है। इसलिए यह पहचानना जरूरी है कि कौन सच्चा दोस्त है और कौन दिखावे के लिए सिर्फ चापलूसी कर रहा है।

जन्म लेते ही इंसान किसी का बेटा या बेटी बन जाता है तो वहीं किसी का भाई-बहन। और न जाने कितने रिश्तों से जुड़ता चला जाता है। बहुत सारे रिश्ते हमें जन्म के साथ ही मिलते हैं और कई बार जीवनसाथी भी दूसरों की पसंद का होता है, लेकिन दोस्ती एक ऐसा रिश्ता है जो खुद चुना जाता है। यही वो रिश्ता होता है, जो सबसे ज्यादा कंफर्ट फील करवाता है और दोस्तों के बीच ही हम बिना झिझके हर एक बात शेयर कर लेते हैं। यही वजह है कि जिंदगी में सही दोस्त का होना बहुत जरूरी है। जहां अच्छा और सच्चा दोस्त आपकी लाइफ के लिए मजबूत स्तंभ की तरह होता है तो वहीं जो लोग सिर्फ दोस्ती का दिखावा करते हैं, वह गर्त में धकेल सकते हैं, दोस्ती भले ही बिना सोचे-समझे हो जाए, लेकिन समय रहते यह पहचानना जरूरी है कि दोस्त सच्चा है या फिर वह सिर्फ चापलूस है।

जिंदगी में बहुत सारे लोग मिलते हैं। उनमें से कुछ से हमारी बातचीत होती है तो किसी के साथ अच्छी बॉन्डिंग हो जाती है और यह बॉन्डिंग दोस्ती में बदल जाती है, लेकिन इनमें से भी बहुत कम होते हैं, जिनके सामने आप सच में सब कुछ बिना झिझक के कह सकते हैं और ऐसे लोगों को ढूंढना जरा मुश्किल होता है तो चलिए जान लेते हैं कि कैसे करें सच्चे दोस्त और चापलूस में अंतर।

प्रशंसा करने के तरीके से पहचानें

सच्चा दोस्त जहां आपके अच्छे लगने और अच्छे काम या अच्छी बात पर तारीफ करेगा तो वहीं वह आपके अंदर कई कमियां भी गिना देगा और पॉजिटिव के साथ ही नेगेटिव प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए नहीं झिझकेगा। जबकि चापलूस लोग हमेशा ही तारीफ करते नजर आते हैं। वह हर छोटी बात पर आपकी तारीफ करेंगे और हां में हां मिलाएंगे।

सच्चा दोस्त समझता है फीलिंग्स

जब आप किसी तरह की परेशानी में होंगे या फिर उदास दिखाई देंगे तो सच्चा दोस्त यह जानना चाहेगा कि आप कैसे हैं। आपके अंदर क्या चल रहा है। आप कैसा महसूस कर रहे हैं, लेकिन जो लोग दोस्ती का सिर्फ दिखावा करते हैं वह आपकी भावनाओं की बजाय यह जानना चाहेंगे कि परेशानी के पीछे कोई मिस्ट्री तो नहीं है और वह सांत्वना भरे शब्दों में चीजों को कुरेदने की कोशिश करेंगे।

दोस्ती में होती है केयर

दोस्ती सिर्फ वो नहीं होती है, जहां लोग साथ फोटो फ्रेम में नजर आते हैं, साथ में घूमते हैं पार्टी करते हैं, बल्कि वह अपने दोस्त की वाकई केयर करते हैं। सच्चे दोस्त भले ही आपके पास न रहें, रोज पार्टी या हर वक्त फोन पर बात न करें, लेकिन जरूरत पड़ने पर आपके लिए समय निकालेंगे और बिजी लाइफ के बीच भी आपका हाल-चाल लेते रहेंगे। जबकि चापलूस और मुखौटा लगाए लोग अच्छे समय तो साथ दिखेंगे, लेकिन जब आप उनसे मदद मांगेंगे तो वह कुछ न कुछ बहाना कर देंगे, इसलिए एक बार मदद के लिए किसी से पूछकर देखें।

सच्चे दोस्त बेहतर बनने में करते हैं मदद

जो दोस्त सच्चे होते हैं वह हमेशा अपने दोस्त का भला चाहते हैं। कमियों के बावजूद वह आपको अपनाते हैं, लेकिन उनमें धीरे-धीरे सुधार करते हैं और आपकी कमियां भी बताते हैं भले ही आप उनसे गुस्सा क्यों न हो जाएं। वहीं नकली दोस्ती रखने वाले या फिर खराब संगत के लोग आपके गलत करने पर भी कुछ नहीं बोलेंगे, इसलिए ऐसे लोगों से दूरी बनाना ही बेहतर होता है।

इन वेज फूड्स से बच्चों की हड्डियां बनेंगी मजबूत, जानिए क्या कहते हैं एक्सपर्ट

बच्चों की हड्डियां शुरुआती समय में मजबूत रहेंगी तो उन्हें आगे चलकर बोन हेल्थ से जुड़ी समस्या का सामना नहीं करना पड़ेगा। अगर आपका बच्चा वेज फूड खाना ही पसंद करता है, तो ऐसे में आप उनको एक्सपर्ट के बताए कैल्शियम रिच हेल्दी फूड खिला सकते हैं।

शुरुआती दौर में अगर बच्चों का शारीरिक और विकास सही होगा तभी उनकी ग्रोथ अच्छी होगी। बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य के साथ-साथ फिजिकल हेल्थ पर भी ध्यान दें। सबसे जरूरी है कि उनकी हड्डियां मजबूत बनाएं।बच्चों को खास तौर पर कैल्शियम से भरपूर चीज देनी चाहिए। ये उनकी हड्डियों को मजबूत बनाता है, जिससे लंबाई बढ़ाने में भी मदद मिलती है।

न्यूट्रिशनिस्ट नमामी अग्रवाल कहती हैं कि शरीर में अगर कैल्शियम की कमी हो जाए तो बच्चों की हड्डियां कमजोर हो सकती हैं। अगर समय रहते ध्यान दिया जाए तो बच्चों में दांतों की समस्या, हड्डियों में टेढ़ापन और जल्दी फ्रैक्चर होने जैसी समस्याएं हो सकती हैं। ऐसे में बच्चों को डाइट के जरिए सही मात्रा में कैल्शियम दें। एक्सपर्ट ने कैल्शियम रिच वेजीटेरियन डाइट के बारे में बताया है, आइए जानते हैं।

हरी पत्तेदार सब्जियां

हरी पत्ते वाली सब्जियां काफी हेल्दी होती हैं। इनमें कैल्शियम भी भरपूर मात्रा में होता है।इंडियन मेडिकल काउंसिल रिसर्च की मानें तो 100 ग्राम हरी सब्जी में 279।3 मिलीग्राम कैल्शियम पाया जाता है। लेकिन इसका पूरा फायदा लेने के लिए इन्हें सही से पकाना बेहद जरूरी है।

डेयरी प्रोडक्ट्स

दूध और उससे बनने वाली चीजें विटामिन बी ही नहीं बल्कि कैल्शिम से भी भरपूर होती हैं। बच्चों की हड्डियां मजबूत करने के लिए उन्हें डेयरी प्रोडक्ट्स जरूर खिलाएं। 100 ग्राम डेयरी उत्पादों में लगभग 755mg कैल्शियम होता है। बच्चों की डाइट में दूध, दही और पनीर जैसी चीजों को जरूर शामिल करें।

नट्स

ड्राई फ्रूट्स हेल्थ के लिए बेहद फायदेमंद माने जाते हैं। इन्हें खाने से शरीर एकदम फिट और एनर्जेटिक बनता है। ये कैल्शियम का भी बड़ा स्रोत हैं। आप अपने बच्चे को रोजाना सुबह भिगोए हुए ड्राई फ्रूट्स दे सकते हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, 100 ग्राम मिक्स्ड नट्स में लगभग 211 मिलीग्राम कैल्शियम होता है।

इसके अलावा, शरीर में कैल्शियम की कमी को पूरी करने के लिए अलग-अलग तरह की दालें भी खिला सकते हैं। इससे भी हड्डियां मजबूत होती हैं। इन्हें खाने से बच्चों में हड्डियों से जुड़ी कोई समस्या नहीं होगी।

क्या चॉकलेट खाने हो जाते हैं मुंहासे? स्किन स्पेशलिस्ट ने बताई हकीकत

चॉकलेट देखकर किसका मन नहीं ललचाता है। बच्चे हो या बड़े हर किसी की यह फेवरेट होती है, लेकिन कुछ रिसर्च में दावा किया जा रहा है कि चॉकलेट खाने से चेहरे पर कील-मुहांसें और पिंपल्स निकलते हैं। आमतौर पर यही सुनने को मिलता है कि ज्यादा ऑयली खाने से कील-मुंहासों की समस्या होती है लेकिन चॉकलेट इसका कारण बन सकता है यह शायद ही किसी ने सोचा होगा। आइए लंदन के स्किन स्पेशलिस्ट से जानते हैं क्या है इसकी हकीकत...

क्या चॉकलेट से मुंहासे निकलते हैं

1960 के दशक में, चॉकलेट और मुंहासे के बीच संबंध का पता लगाने के लिए कई स्टडी की गई। अब तक किए गए सबसे बड़ी स्टडी में सिर्फ 65 लोगों को ही शामिल किया गया। जिसमें पाया गया कि मुंहासों और चॉकलेट के बीच कोई कनेक्शन नहीं है। हालांकि, इस स्टडी की काफी आलोचना भी की गई।

चेहरे पर मुंहासों के लिए चॉकलेट को जिम्मेदार नहीं कहा जा सकता है लेकिन हम जो कुछ भी खाते-पीते हैं, उसका असर इस पर जरूर पड़ता है। फैट, ऑयल, शुगर और डेयरी प्रोडक्ट्स से भरपूर चीजें इस तरह की समस्याओं को बढ़ा सकते हैं।

टीनएज में चेहरे पर मुंहासे होने या उनके ठीक न होने का कारण अक्सर जेनेटिक होता है। दरअसल हमारी त्वचा में तेल पैदा करने वाली ग्रंथियों की साइज हमारे आनुवंशिकी पर निर्भर करता है।

रिपोर्ट के मुताबिक, हाल ही में खासकर महिलाओं में चेहरे पर मुंहासों की शिकायतें बढ़ी हैं, हालांकि, इसका कोई खास कारण सामने नहीं आया है। उन्होंने कहा कि हम जिस तरह की लाइफस्टाइल फॉलो कर रहे हैं, वह हमारे शरीर के लिए अच्छी नहीं है, शायद मुंहासे होने का कारण भी यही है।

एक रिपोर्ट के अनुसार स्टडी में पाया कि चॉकलेट खाने से 5 से अधिक पिपल्स हो सकते हैं। भले ही 5 पिपल्स कम लगे लेकिन इनके फटने के बाद इनकी संख्या बढ़ सकती है। डॉ ग्रेगोरी का कहना है कि जिन लोगों का चेहरा साफ है, अगर वे चॉकलेट ज्यादा खाने लगे तो उन्हें भी पिंपल्ल हो सकते हैं। डॉ। ग्रेगोरी का कहना है कि चॉकलेट मुंहासों को बद से बदतर बना सकती है।

क्या डार्क चॉकलेट से खराब हो सकता है चेहरा

स्टडी में दावा किया गया है कि चॉकलेट कील-मुंहासों का एकमात्र कारण नहीं हो सकता है। इसके लिए कई फैक्टर्स जिम्मेदार हैं। इसमें खानपान, जीन, वातावरण जैसे कई कारण हैं। हालांकि डॉ। अस्वानोदा का कहना है कि उनकी स्टडी में डार्क चॉकलेट खाना घावों की संख्या के मामले में मुंहासे को बढ़ा सकता है।

कील-मुंहासों से कैसे बच सकते हैं

किंग्स कॉलेज लंदन के डॉ। डोव हार्पर का कहना है कि टउच्च कैलोरी, कम पोषक तत्व वाले फूड्स से शरीर में सूजन हो सकती है, लेकिन मुंहासे केवल उन लोगों में होंगे जिनकी जीन में समस्या है। उन्होंने कहा कि जिस तरह फलों और सब्जियों जैसे फूड्स शरीर के बाकी हिस्सों के लिए अच्छा है, ठीक उसी तरह यह स्किन के लिए भी फायदेमंद है। हमारे शरीर के सभी अंग एक-दूसरे की मदद से काम करते हैं, जो चीजें आपके दिल, पेट और दिमाग के लिए अच्छी हैं, वे आपकी त्वचा के लिए भी अच्छी होती हैं।

ईवी बैटरी रीसाइक्लिंग में भारतीय और यूरोपीय संघ के स्टार्टअप व्यावसायिक सहयोग को दे रहे बढ़ावा

नई दिल्ली, एजेंसी। इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) बैटरियों का रिसायकल एक भू-राजनीतिक और जलवायु संबंधी अनिवार्यता है। सरकार के अनुसार, इस क्षेत्र में भारतीय और यूरोपीय स्टार्टअप नवाचार और व्यावसायिक सहयोग को बढ़ावा दे रहे हैं।

सरकार के प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार के कार्यालय ने यूरोपीय संघ के एक प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात की। इस मुलाकात के साथ नवाचार, स्थिरता और अर्थव्यवस्था में परिवर्तन के लिए भारत और यूरोपीय संघ की साझा प्रतिबद्धता पर जोर दिया गया। इसमें यूरोपीय संघ के सदस्य देशों के बैटरी रीसाइक्लिंग प्रौद्योगिकियों के क्षेत्र में स्टार्टअप के प्रतिनिधि, भारत में यूरोपीय संघ के प्रतिनिधिमंडल के अधिकारी और चुनिंदा भारतीय स्टार्टअप के सदस्य शामिल थे।

सरकार के प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार प्रोफेसर अजय कुमार सूद ने कहा कि यह सहयोग प्रौद्योगिकी हस्तांतरण, बाजार पहुंच और सह-विकास के लिए नए अवसर पैदा करता है। यह आर्थिक लचीलापन और सतत विकास को बढ़ावा देने के लिए आवश्यक है।

यह बैठक राष्ट्रीय राजधानी में भारत-यूरोपीय संघ व्यापार और प्रौद्योगिकी परिषद (टीटीसी) कार्य समूह 2 (डब्ल्यूजी 2) के तहत आयोजित की गई थी।

भारत में यूरोपीय संघ के प्रतिनिधिमंडल की उप प्रमुख डॉ. इवा सुवारा ने व्यापार और प्रौद्योगिकी परिषद के समर्थन के माध्यम से कहा हम यूरोपीय संघ और भारतीय स्टार्टअप को एकजुट होने, नवाचार में अग्रणी होने, व्यापार सहयोग को बढ़ावा देने और अत्याधुनिक प्रौद्योगिकियों को बाजार में लाने में सहायता करने में सक्षम हैं।

इस बैठक में ईवी बैटरी रीसाइक्लिंग प्रौद्योगिकियों के महत्वपूर्ण क्षेत्र में भारतीय और यूरोपीय स्टार्टअप के बीच सहयोग को बढ़ावा देने में हुई प्रगति पर ध्यान केंद्रित किया गया।

भारत से भाग लेने वाले स्टार्टअप में बैटएक्स एनर्जीज, एवरग्रीन लिथियम रीसाइक्लिंग, एलडब्ल्यू3 प्राइवेट लिमिटेड और लोहुम शामिल थे, जबकि यूरोपीय संघ के स्टार्टअप में इकोमेट रिफाइनिंग और एनेरिस शामिल थे।

भारत-यूरोपीय संघ टीटीसी की घोषणा यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अप्रैल 2022 में की थी। इसे फरवरी 2023 में स्थापित किया गया था। यह तंत्र दोनों पक्षों को व्यापार, विश्वसनीय प्रौद्योगिकी और सुरक्षा के क्षेत्र में चुनौतियों से निपटने में सक्षम बनाता है।

अगर अनजाने में भी करते हैं ये 3 गलती, तो सरकार वापस ले लेगी प्रधानमंत्री आवास योजना का पैसा

प्रधानमंत्री आवास योजना का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि गरीब और मध्यम वर्गीय परिवारों को रहने के लिए खुद का घर मिल सके। अगर कोई लाभार्थी योजना के तहत सब्सिडी प्राप्त करके घर खरीदता है, और ये 3 गलती कर देता है तो उसे घर नहीं मिलेगा।

प्रधानमंत्री आवास योजना (PMAY) एक महत्वाकांक्षी सरकारी योजना है जिसका उद्देश्य देश के निम्न और मध्यम वर्ग के लोगों को सस्ती आवासीय सुविधाएं प्रदान करना है। इसके तहत पात्र लाभार्थियों को घर खरीदने या बनाने के लिए सब्सिडी दी जाती है। हालांकि, अगर लाभार्थी सरकार द्वारा बताई कुछ महत्वपूर्ण शर्तों का पालन नहीं करते हैं, तो सरकार इस योजना के तहत दी गई सब्सिडी की रकम को वापस भी ले सकती है। आज की स्टोरी में हम यही बताने वाले हैं कि आप किन गलतियों को ध्यान में रखते हुए इससे बच सकते हैं।

लोन डिफॉल्ट ना होने दें

प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत मिलने वाली सब्सिडी का लाभ तभी मिल सकता है जब लाभार्थी ने बैंक या वित्तीय संस्थान से लिए गए होम लोन का नियमित रूप से भुगतान किया हो। अगर लाभार्थी समय पर लोन की किस्तें नहीं चुकाता है और डिफॉल्ट करता है, तो सरकार सब्सिडी वापस ले सकती है। बता दें कि लोन डिफॉल्ट से न केवल आपका क्रेडिट स्कोर खराब होगा, बल्कि आपको प्रधानमंत्री आवास योजना की सब्सिडी से भी हाथ धोना पड़ सकता है। इसलिए, यह बेहद जरूरी है कि कि आप समय पर अपनी लोन की किस्तें भरें।

घर बनाने का काम अधूरा छोड़ना

PMAY के तहत सब्सिडी का लाभ तब मिलता है जब आप घर बनाने या खरीदने की प्रक्रिया को पूरा करते हैं। यदि लाभार्थी किसी कारणवश घर बनाने का काम रोक देता है या अधूरा छोड़ देता है, तो सरकार सब्सिडी को वापिस लेने का अधिकार रखती है। इसके पीछे मुख्य उद्देश्य यह है कि योजना का लाभ केवल उन्हीं लोगों को मिले, जो वास्तव में घर बनाने या खरीदने की मंशा रखते हैं। अधूरे प्रोजेक्ट से सरकार की मंशा पर प्रश्नचिह्न लगता है और यह नियमों का उल्लंघन माना जाता है। इसलिए यह सुनिश्चित करें कि घर का निर्माण नियमित रूप से और समय पर पूरा हो।

घर को खाली रखना या किराए पर देना

प्रधानमंत्री आवास योजना का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि गरीब और मध्यम वर्गीय परिवारों को रहने के लिए खुद का घर मिल सके। अगर कोई लाभार्थी योजना के तहत सब्सिडी प्राप्त करके घर खरीदता है, लेकिन उस घर में खुद नहीं रहता या उसे किराए पर देता है, तो सरकार यह मान सकती है कि योजना का दुरुपयोग हो रहा है। ऐसे मामलों में सब्सिडी वापस ली जा सकती है। यह अनिवार्य है कि लाभार्थी खुद उस घर में रहे और उसका व्यक्तिगत रूप से उपयोग करे।

2,000 करोड़ रुपये के वजीरएक्स हैक की सरकार ने शुरू की जांच

नई दिल्ली, एजेंसी। क्रिप्टोकरेंसी एक्सचेंज वजीरएक्स पर जुलाई में हुए साइबर हमले की जांच देश की शीर्ष सरकारी एजेंसियां कर रही हैं।

इस साइबर हमले में वजीरएक्स को 2,000 करोड़ रुपये ($234 मिलियन डॉलर) का नुकसान हुआ था और अब बड़ी संख्या में इसमें पैसे गंवा चुके लोग अपने रिफंड की मांग कर रहे हैं।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, फाइनेंसियल इंटेलिजेंस यूनिट (एफआईयू) और इंडियन कंप्यूटर इमरजेंसी रिस्पॉन्स टीम (सीईआरटी-इन) के अधिकारियों ने वजीरएक्स की शीर्ष लीडरशीप से मुलाकात की और क्रिप्टो टोकन की हैकिंग के बारे में पूछताछ की।

सूत्रों के मुताबिक, क्रिप्टो एक्सचेंज ने सरकारी एजेंसियों की ओर से मांगी गई जानकारी उपलब्ध करा दी है और अब दस्तावेजों की जांच की जा रही है।

इससे पहले देश में कई कानूनी जानकारों की ओर से वजीरएक्स में हुए इस साइबर क्राइम की जांच करने की बात कही गई थी।

वजीरएक्स द्वारा यह स्वीकारा जा चुका है कि उसके 43 प्रतिशत यूजर्स को इससे नुकसान उठाना पड़ सकता है और इसमें से ज्यादातर भारतीय हैं।

पिछले हफ्ते आई कुछ रिपोर्ट्स में कहा गया था कि एक यूट्यूब लाइव टाउन हॉल सेशन में मैनेजमेंट ने दावा किया था कि क्रिप्टो से हुए 100 प्रतिशत मुनाफे को भविष्य में यूजर्स के साथ शेयर किया जाएगा। हालांकि, इस वीडियो को हटा लिया गया।

टाउन हॉल सत्र में, वजीरएक्स के सह-संस्थापक निश्चल शेट्टी और हैक के बाद वजीरएक्स के पुनर्गठन को संभालने वाली क्रॉल कानूनी फर्म के निदेशक जॉर्ज ग्वी ने प्रभावित यूजर्स के सवालों के जवाब दिए।

क्रिप्टो टाइम्स के मुताबिक, ग्वी ने वीडियो में कहा कि पुनर्गठन की प्रक्रिया के दौरान क्रिप्टो की कीमतों मां बढ़ोतरी के कारण हुए मुनाफे को 100 प्रतिशत साझा किया जाएगा। हालांकि, बाद में वजीरएक्स ने वीडियो को प्राइवेट कर दिया।

बांग्लादेश में हिंदुओं की सुरक्षा के लिए एक्टिव हुआ अमेरिका, अब क्या करेगी यूनुस सरकार?

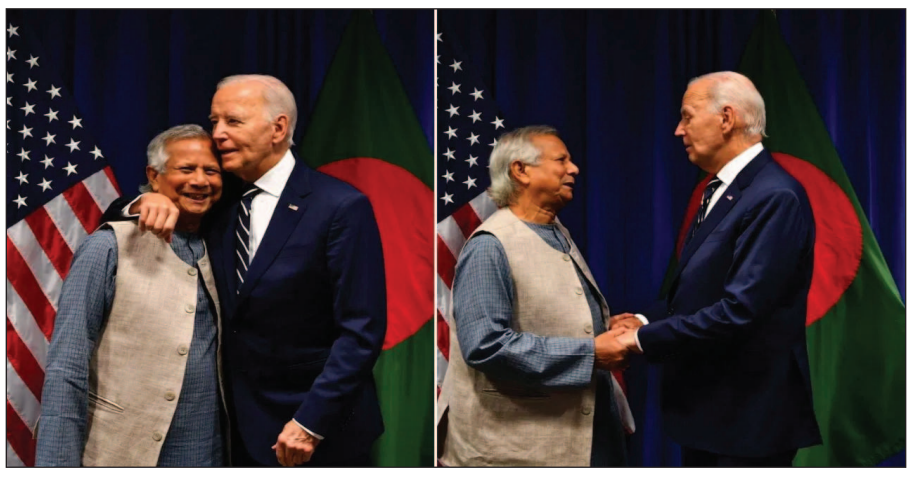

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश में शेख हसीना सरकार के पतन के बाद अल्पसंख्यक समुदायों के खिलाफ हिंसा में बढ़ोत्तरी देखने मिली है। भारत शुरुआत से ही बांग्लादेश के बदलते हालातों पर चिंता जताता आया है। अब अमेरिका ने भी इसको लेकर चिंता जताई है, अमेरिका के स्टेट डिपार्टमेंट के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर ने कहा कि हम चाहते हैं कि बांग्लादेश में अल्पसंख्यक समुदायों के अधिकारों की रक्षा की जाए, खासकर जब हिंदू दुर्गा पूजा जैसा बड़ा त्योहार मना रहे हो।

मिलर ने मीडिया के सवालों का जवाब देते हुए कहा, "अल्पसंख्यकों के अधिकारों की सुरक्षा दुनिया भर में जरूरी है।" पिछले महीने संयुक्त राष्ट्र जनरल असेंबली की मीटिंग के दौरान बांग्लादेश के मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस ने अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन से मुलाकात की थी। मुलाकात के बाद आई तस्वीरों और दोनों देशों की प्रतिक्रियाओं से लग रहा है कि अमेरिका और बांग्लादेश अपने रिश्ते मजबूत कर रहे हैं। अल्पसंख्यकों के अधिकारों को लेकर अमेरिका की चिंता भी इसी कड़ी का एक हिस्सा मानी जा रही है।

बांग्लादेश में हिंदुओं के खिलाफ बढ़ती हिंसा

हसीना सरकार के पतन के बाद बांग्लादेश का अल्पसंख्यक समुदाय धार्मिक कट्टरपंथियों से बढ़ते खतरे का सामना कर रहा है। अगस्त में पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के देश छोड़ने के बाद से बांग्लादेश की स्थिति बिगड़ती जा रही है। देश में हुए सरकार विरोधी प्रदर्शनों के बाद कई जगह धार्मिक हिंसा देखने मिली थी। अमेरिका का ये बयान हिंदू धर्म के बड़े त्योहार दुर्गा पूजा के मद्देनजर आया है।

सरकार के पतन के बाद हिंसा

UN की रिपोर्ट के मुताबिक बांग्लादेश में शेख हसीना सरकार के तख्तापलट के बाद हुई हिंसा में 600 से ज्यादा लोग मारे गए हैं, इनमें अल्पसंख्यक भी शामिल हैं। देश के ये हालात देश के सामाजिक ताने-बाने को नुकसान पहुंचा रहे हैं, जिसके चलते अमेरिका और भारत दोनों ने बांग्लादेश की अंतरिम सरकार से कदम उठाने का आग्रह किया है।

किम जोंग ने दक्षिण कोरिया और अमेरिका को दी धमकी, तबाही की खाई कसम

सियोल, एजेंसी। उत्तर कोरिया के शासक किम जोंग की सनक से एक बार फिर दुनिया भर में डर माहौल बन गया है. किम जोंग ने अपने एक भाषण में फिर से अपने दुश्मनों के खिलाफ विनाशकारी परमाणु हथियारों का इस्तेमाल करने की बात कही है। किम जोंग ने चेतावनी दी कि वह दक्षिण कोरिया और अमेरिका के खिलाफ लड़ाई में परमाणु हथियारों का इस्तेमाल कर सकते हैं।

किम जोंग यहीं नहीं रुके उन्होंने अमेरिका और दक्षिण कोरिया पर उन्हें उकसाने और कोरियाई प्रायद्वीप में दुश्मनी बढ़ाने का भी आरोप लगाया है। ऐसा पहली बार नहीं है जब किम जोंग ने विनाशकारी हथियारों के इस्तेमाल की धमकी दी है, लेकिन ये धमकी ऐसे समय में आई है जब अगले महीने अमेरिका में चुनाव होने हैं। जानकारों का कहना कि इस समय ऐसा बयान आना दोनों देशों के बीच शत्रुता को और बढ़ा सकता है।

उत्तर कोरिया की कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी के मुताबिक किम जोंग ने ये बयान उन्हीं के नाम पर बनी एक यूनिवर्सिटी में दिया है। किम जोंग उन यूनिवर्सिटी ऑफ नेशनल डिफेंस में भाषण देते हुए उन्होंने कहा कि उत्तर कोरिया बिना किसी हिचकिचाहट के अपने दुश्मनों के खिलाफ अपनी सभी आक्रमण क्षमताओं का इस्तेमाल करेगा, अगर वे उत्तर कोरिया पर हमला करने की कोशिश करते हैं।

परमाणु युद्ध की तैयारी

किम ने जोर देते हुए कहा कि उत्तर कोरिया की किसी हमले के जवाब में परमाणु प्रतिक्रिया देने के लिए पूरी तरह तैयार रहना चाहिए, क्योंकि दक्षिण कोरिया और अमेरिका संयुक्त परमाणु और रणनीतिक योजना के आधार पर अपने सैन्य गठबंधन को मजबूत कर रहे हैं। उनके मुताबिक इस कदम से कोरियाई क्षेत्र में शक्ति संतुलन बिगड़ने का खतरा बढ़ जाएगा। 2022 में आक्रामक परमाणु सिद्धांत अपनाने के बाद से उत्तर कोरिया ने बार-बार कसम खाई है कि अगर उसको कोई खतरा महसूस होता है तो वह पहले परमाणु हथियारों का इस्तेमाल करेगा।

इजराइल का सच्चा दोस्त है अमेरिका, राष्ट्रपति हर्जोग ने समर्थन के लिए बाइडेन को दिया धन्यवाद

यरुशलम, एजेंसी। इजराइल के राष्ट्रपति इसहाक हर्जोग ने 7 अक्टूबर को हमास द्वारा इजराइल पर किए गए हमले की एक साल की सालगिरह पर अपनी संवेदना व्यक्त करने के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन के प्रति आभार व्यक्त किया। एक्स पर एक पोस्ट में, राष्ट्रपति हर्जोग ने युद्ध के फैलने के बाद से इजराइल के समर्थन के लिए राष्ट्रपति बाइडेन और अमेरिकी प्रशासन को धन्यवाद दिया।

मैं इजराइल राज्य के सच्चे मित्र अमेरिकी राष्ट्रपति बाइडेन को धन्यवाद देता हूं, जिन्होंने 7 अक्टूबर के नरसंहार की एक साल की सालगिरह पर इजराइल के लोगों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करने के लिए मुझे फोन किया। राष्ट्रपति बाइडेन ने इस बात पर जोर दिया कि उनके विचार हमेशा उस भयानक दिन हमास के आतंकवादी हमले में बंधकों और उनके परिवारों, पीड़ितों और घायलों के साथ हैं। उन्होंने कहा कि हमास द्वारा किए गए अत्याचार ईरान और क्षेत्र में उसके सभी प्रॉक्सी द्वारा उत्पन्न महत्वपूर्ण खतरे की याद दिलाते हैं। राष्ट्रपति हर्जोग ने कहा कि इजराइल और जायोनीवाद के लिए उनका प्यार सच्चा और गहरा है।

बरसी पर जताया शोक

उन्होंने कहा कि मैं राष्ट्रपति बाइडेन और अमेरिकी प्रशासन को युद्ध शुरू होने के बाद से इजराइल राज्य के लिए उनके दृढ़ समर्थन के लिए धन्यवाद देता हूं। मैंने उनका तहे दिल से शुक्रिया अदा किया और कहा कि इजराइल के लोग इसे कभी नहीं भूलेंगे। कई राजनयिकों ने पीड़ितों को याद किया और 7 अक्टूबर को हुए हमले की बरसी पर शोक व्यक्त किया।

लेबनान में भारतीय नागरिक सुरक्षित

लेबनान के राजदूत रबी नरश ने कहा कि इस क्षेत्र में तनाव बढ़ गया है क्योंकि इजराइल को उसके कार्यों के लिए जवाबदेह नहीं ठहराया गया है और उनका देश नहीं चाहता कि युद्ध इस क्षेत्र में फैले। भारत में लेबनान के राजदूत ने कहा कि उनके देश में 3000-4000 भारतीय नागरिक हैं और वे सुरक्षित हैं।

बिना शर्त रिहाई की मांग

संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने सभी पीड़ितों और उनके प्रियजनों के साथ एकजुटता व्यक्त की। भयावह दिन के एक साल पूरे होने पर गुटेरेस ने गाजा में बंदी बनाए गए सभी बंधकों की तत्काल और बिना शर्त रिहाई की मांग दोहराई।

7 अक्टूबर 2023 को हमला

पिछले साल 7 अक्टूबर को सैकड़ों हमास आतंकवादियों ने इजराइल की सीमा में घुसकर 1200 से ज़्यादा लोगों की हत्या कर दी और 250 से ज़्यादा लोगों को बंधक बना लिया, जिनमें से 100 अभी भी कैद में हैं। इजराइल ने हमास इकाइयों को निशाना बनाते हुए गाजा में बड़े पैमाने पर जवाबी हमला किया। गाजा स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, इस युद्ध में 35,000 से ज्यादा फिलिस्तीनी मारे गए हैं। हाल ही में यह युद्ध इस क्षेत्र में भी फैल गया है, यमन में हूती विद्रोही भी इजराइल और लाल सागर के दूसरे देशों को निशाना बना रहे हैं।

हूती चीफ ने हमास के हमले को बताया 'वीरतापूर्ण कार्य', इजराइल अमेरिका के लिए कही ये बात...

गाजा, एजेंसी। गाजा युद्ध और हमास के हमले की पहली बरसी पर हूती चीफ सईद अब्दुल मलिक हूती ने पिछले एक साल से अब तक हुए क्षेत्रीय विकास पर चर्चा की है। सईद का संबोधन फिलिस्तीन में जारी इजराइल युद्ध अपराधों पर केंद्रित रहा, साथ ही उन्होंने क्षेत्र के विद्रोही गुटों के ऑपरेशन की सराहना भी की है।

सईद ने जोर देते हुए कहा कि 7 अक्टूबर को हमास का ऑपरेशन अल-अक्सा फ्लड जरूरी था और इजराइली आक्रामकता, बर्बरता, अपराध और फिलिस्तीनी लोगों के उत्पीड़न के जवाब में किया गया था। सईद अब्दुल मलिक हूती ने फिलिस्तीनी लोगों की इजराइल के खिलाफ लड़ाई को सही ठहराते हुए 7 अक्टूबर की घटना को फिलिस्तीनियों का वीरतापूर्ण कार्य बताया।

हमास हमले से मिला फिलिस्तीन को फायदा

सईद ने आगे कहा कि हमास का ऑपरेशन अल-अक्सा फ्लड बेहद कामयाब रहा है और इससे फिलिस्तीन की आजादी की लड़ाई को नई ताकत मिली है। उन्होंने कहा कि फिलिस्तीन को भूला दिया गया था और इजराइली शासन बिना किसी डर से अपने मकसद को पूरा कर रहा था। उन्होंने आगे कहा कि हमास के हमले की कामयाबी को सिर्फ इजराइल और गद्दार ही नकार सकते हैं। सईद ने कहा कि अल-अक्सा फ्लड के बाद इजराइल पूरी तरह डूब गया था और पश्चिमी मदद के बिना वे पूरी तरह बर्बाद हो गया होता। उन्होंने आगे कहा, अल-अक्सा फ्लड के बाद फिलिस्तीनी मुद्दा फिर से सबसे आगे आ गया और इजराइली दुश्मन और उसके समर्थकों की योजनाएं विफल हो गईं।

इजराइल के अपराधों में अमेरिका का साथ

सईद ने कहा कि गाजा में हो रहे नरसंहार के पीछे अमेरिका का भी उतना ही हाथ है जितना इजराइल का है। उन्होंने कहा कि अमेरिका ने हजारों टन हथियार और गोला बारूद इजराइल को दिया है। जिसका इस्तेमाल गाजा में नागरिकों के खिलाफ किया जा रहा है।

बता दें, हूती विद्रोही भी इस लड़ाई में इजराइल को निशाना बना रहे उनका कहना है कि गाजा में सीजफायर तक वे लाल सागर में अमेरिका और इजराइल से जुड़ी शिप्स को निशाना बनाते रहेंगे। इसके अलावा हूती ने इजराइल पर सीधे मिसाइल हमले भी किए हैं।

इजराइल का सच्चा दोस्त है अमेरिका, राष्ट्रपति हर्जोग ने समर्थन के लिए बाइडेन को दिया धन्यवाद

यरुशलम, एजेंसी। इजराइल के राष्ट्रपति इसहाक हर्जोग ने 7 अक्टूबर को हमास द्वारा इजराइल पर किए गए हमले की एक साल की सालगिरह पर अपनी संवेदना व्यक्त करने के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन के प्रति आभार व्यक्त किया। एक्स पर एक पोस्ट में, राष्ट्रपति हर्जोग ने युद्ध के फैलने के बाद से इजराइल के समर्थन के लिए राष्ट्रपति बाइडेन और अमेरिकी प्रशासन को धन्यवाद दिया।

मैं इजराइल राज्य के सच्चे मित्र अमेरिकी राष्ट्रपति बाइडेन को धन्यवाद देता हूं, जिन्होंने 7 अक्टूबर के नरसंहार की एक साल की सालगिरह पर इजराइल के लोगों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करने के लिए मुझे फोन किया। राष्ट्रपति बाइडेन ने इस बात पर जोर दिया कि उनके विचार हमेशा उस भयानक दिन हमास के आतंकवादी हमले में बंधकों और उनके परिवारों, पीड़ितों और घायलों के साथ हैं। उन्होंने कहा कि हमास द्वारा किए गए अत्याचार ईरान और क्षेत्र में उसके सभी प्रॉक्सी द्वारा उत्पन्न महत्वपूर्ण खतरे की याद दिलाते हैं। राष्ट्रपति हर्जोग ने कहा कि इजराइल और जायोनीवाद के लिए उनका प्यार सच्चा और गहरा है।

बरसी पर जताया शोक

उन्होंने कहा कि मैं राष्ट्रपति बाइडेन और अमेरिकी प्रशासन को युद्ध शुरू होने के बाद से इजराइल राज्य के लिए उनके दृढ़ समर्थन के लिए धन्यवाद देता हूं। मैंने उनका तहे दिल से शुक्रिया अदा किया और कहा कि इजराइल के लोग इसे कभी नहीं भूलेंगे। कई राजनयिकों ने पीड़ितों को याद किया और 7 अक्टूबर को हुए हमले की बरसी पर शोक व्यक्त किया।

लेबनान में भारतीय नागरिक सुरक्षित

लेबनान के राजदूत रबी नरश ने कहा कि इस क्षेत्र में तनाव बढ़ गया है क्योंकि इजराइल को उसके कार्यों के लिए जवाबदेह नहीं ठहराया गया है और उनका देश नहीं चाहता कि युद्ध इस क्षेत्र में फैले। भारत में लेबनान के राजदूत ने कहा कि उनके देश में 3000-4000 भारतीय नागरिक हैं और वे सुरक्षित हैं।

बिना शर्त रिहाई की मांग

संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने सभी पीड़ितों और उनके प्रियजनों के साथ एकजुटता व्यक्त की। भयावह दिन के एक साल पूरे होने पर गुटेरेस ने गाजा में बंदी बनाए गए सभी बंधकों की तत्काल और बिना शर्त रिहाई की मांग दोहराई।

7 अक्टूबर 2023 को हमला

पिछले साल 7 अक्टूबर को सैकड़ों हमास आतंकवादियों ने इजराइल की सीमा में घुसकर 1200 से ज़्यादा लोगों की हत्या कर दी और 250 से ज़्यादा लोगों को बंधक बना लिया, जिनमें से 100 अभी भी कैद में हैं। इजराइल ने हमास इकाइयों को निशाना बनाते हुए गाजा में बड़े पैमाने पर जवाबी हमला किया। गाजा स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, इस युद्ध में 35,000 से ज्यादा फिलिस्तीनी मारे गए हैं। हाल ही में यह युद्ध इस क्षेत्र में भी फैल गया है, यमन में हूती विद्रोही भी इजराइल और लाल सागर के दूसरे देशों को निशाना बना रहे हैं।

हरियाणा के रुझानों के बीच कंगना रनौत ने ली चुटकी, 'जलेबी' के जरिए कांग्रेस पर कसा तंज

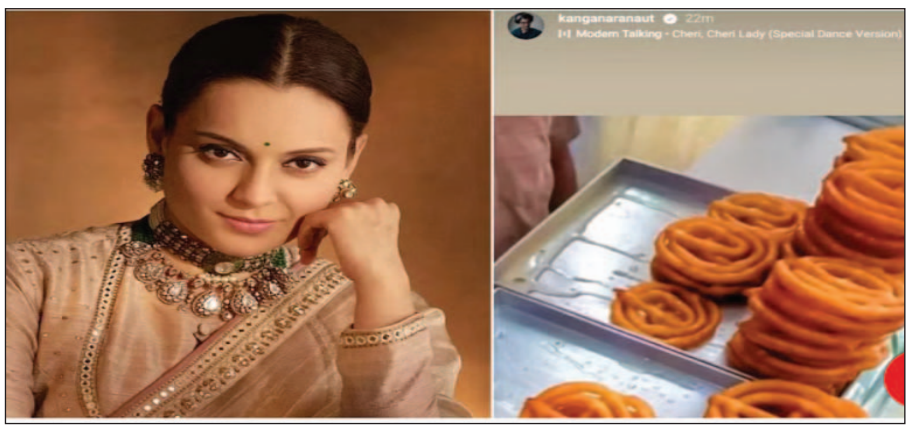

डीजीपी राजीव कुमार के तबादले से भड़की टीएमसी
डेरेक ओ ब्रायन ने लिखा कि 'निर्वाचित राज्य सरकारों के अधिकारियों का ट्रांसफर किया जा रहा है। हम निष्पक्ष और मुक्त मतदान के लिए चाहते हैं कि सुप्रीम कोर्ट लोकसभा चुनाव 2024 की निगरानी करे।' गौरतलब है कि चुनाव आयोग ने सोमवार को अपने एक आदेश में पश्चिम बंगाल के डीजीपी राजीव कुमार समेत कई राज्यों को गृह सचिवों का तबादला कर दिया है। चुनाव आयोग ने विवेक सहाय को नया डीजीपी बनाया है। तृणमूल कांग्रेस ने आरोप लगाया कि भाजपा संवैधानिक निकायों को नियंत्रित करना चाहती है।

मुंबई, एजेंसी। हरियाणा में इस बार के विधानसभा चुनाव के शुरुआत रुझानों में बड़ा उलटफेर देखने को मिल रहा है। हरियाणा में पहले जहां कांग्रेस को बहुमत मिलता दिखाई दे रहा था। वहीं, अब सत्तारूढ़ भाजपा तेजी से बहुमत हासिल करती दिखाई दे रही है। इन्हीं सबके बीच अब भाजपा सासंदों ने सबसे पुरानी पार्टी की चुटकी ली है। सांसद व अभिनेत्री कंगना रनौत ने कांग्रेस का नाम लिए बिना सोशल मीडिया पर जलेबी की तस्वीर साझा कर हमला बोला।

यह है मामला

दरअसल, हरियाणा में सुबह जब मतगणना शुरू हुई तो कांग्रेस को बहुमत मिलता दिखाई दिया। एक वक्त तो ऐसा आया कि सबसे पुरानी पार्टी का आंकड़ा 60 के करीब पहुंच गया था। ऐसे में मुख्यालय पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं का हुजूम लगने लगा था और ढोल नगाड़े बजने लगे थे। यहां तक कुछ नेताओं ने मिठाइयां तक बांट दी थीं। हालांकि, दोपहर होते-होते यह आंकड़े बदल गए। अब सत्तारूढ़ भाजपा तेजी से बहुमत हासिल करती दिखाई दे रही है।

कंगना ने ली चुटकी

ऐसे में अभिनेत्री कंगना रनौत और भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने कांग्रेस पर निशाना साधा। रनौत ने इंस्टाग्राम की स्टोरी पर जलेबियों की तस्वीर साझा की। उन्होंने इस तस्वीर में एक हैशटैग का भी इस्तेमाल किया है। उन्होंने लिखा- हैशटैग हरियाणा इलेक्शन 2024।

क्या बोले पूनावाला?

वहीं, चुनावी रुझानों पर पूनावाला ने कहा, 'सुबह साढ़े साठ से नौ बजे के बीच पवन खेड़ा जलेबी बांट रहे थे। बाद में साढ़े 11 बजे उनके प्रवक्ता चुनाव आयोग की आलोचना करने लगे। इतना ही नहीं, दोपहर 12 बजे तक जयराम रमेश ने देश की संस्थाओं पर सवाल उठाने शुरू कर दिए।'

उन्होंने कहा कि यह काफी नहीं हैं। दोपहर दो बजे तक कांग्रेस मतदाताओं की सूझबूझ पर सवाल उठाने लगेगी। जम्मू-कश्मीर हो या हरियाणा, कांग्रेस को संदेश दिया गया है कि पहलवान, जवान, नौ जवान, किसान सब मोदी का सम्मान करते हैं और राहुल गांधी नफरत की दुकान हैं।

क्या है हरियाणा की राजनीति?

हरियाणा में भाजपा को इस चुनाव में जहां अपनी साख बचाने की चिंता है तो वहीं, कांग्रेस 10 साल बाद सत्ता में वापसी के सपने देख रही है। पंजाब से अलग होकर 1966 में हरियाणा का गठन हुआ और उसके बाद से राज्य में जाटों की सियासत बेहद प्रभावशाली रही है। बीते 58 साल के इतिहास की बात करें तो हरियाणा में 33 सालों तक जाट समुदाय के नेताओं ने राज किया है। 90 सदस्यीय हरियाणा विधानसभा के लिए मंगलवार को हो रही मतगणना के शुरुआती नतीजों में भाजपा को बढ़त मिलती दिख रही है। हालांकि, यह शुरुआती रुझान है, मगर यह पूरे चुनावी नतीजों का ट्रेलर जरूर कहा जा सकता है।

'संजय रॉय ने दुष्कर्म के बाद डॉक्टर की हत्या की', कोलकाता मामले में सीबीआई चार्जशीट में दावा

कोलकाता, एजेंसी। कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज में महिला डॉक्टर की दुष्कर्म के बाद हत्या के मामले में सीबीआई आज चार्जशीट दाखिल करेगी। इस चार्जशीट में सीबीआई ने आरोपी संजय रॉय को महिला डॉक्टर के दुष्कर्म और हत्या का आरोपी बनाया है। संजय रॉय कोलकाता पुलिस के साथ बतौर कॉन्ट्रैक्ट स्टाफ काम कर रहा था। सीबीआई आज सियालदह की विशेष अदालत में चार्जशीट दाखिल करेगी।

सीबीआई की चार्जशीट के अनुसार, संजय रॉय ने उस वक्त अपराध को अंजाम दिया, जब पीड़ित डॉक्टर ब्रेक के दौरान अस्पताल के सेमिनार रूम में आराम के लिए गई हुई थी। सीबीआई ने 200 लोगों के बयान दर्ज किए हैं। सीबीआई अभी इस बात की जांच कर रही है कि क्या ये सामूहिक दुष्कर्म था और क्या अपराध में संजय रॉय के अलावा अन्य लोग भी शामिल थे?

कलकत्ता उच्च न्यायालय ने सोमवार को उस जनहित याचिका पर फिलहाल सुनवाई करने से इनकार कर दिया, जिसमें एस्प्लेनेड में जूनियर डॉक्टरों के धरने को सड़क के किनारे स्थानांतरित करने की मांग की गई थी। न्यायालय में ये दावा किया था कि इस स्थान पर यातायात प्रभावित हो रहा है। पश्चिम बंगाल में आंदोलनरत चिकित्सक शनिवार से शहर के बीचों-बीच मौजूद इस स्थान पर आमरण अनशन कर रहे हैं। वे आरजी कर अस्पताल की महिला डॉक्टर के साथ दुष्कर्म और हत्या के लिए न्याय और चिकित्सकों के कार्यस्थल पर सुरक्षा की मांग कर रहे हैं। वहीं अपनी मांगों को लेकर धरना प्रदर्शन कर रहे डॉक्टर्स का अनशन जारी है। आरजी कर अस्पताल के अनिकेत महतो, कोलकाता मेडिकल कॉलेज के स्निग्धा हाजरा, तनया पांजा और अनुस्तुप मुखोपाध्याय, एसएसकेएम अस्पताल के अर्नब मुखोपाध्याय, एनआरएस मेडिकल कॉलेज के पुलस्थ आचार्य और केपीसी मेडिकल कॉलेज के सायंतनी घोष हाजरा अनशन में बैठे हैं।

भारतीय सीमा में बांग्लादेशी तस्करों ने बीएसएफ जवान पर किया हमला, जवाबी कार्रवाई में एक घुसपैठिया ढेर

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय सीमा में घुसे बांग्लादेश के तस्करों ने एक बीएसएफ जवान पर हमला कर दिया। इसके बाद जब सेना की ओर से जवाबी कार्रवाई की गई, तो एक घुसपैठिया ढेर हो गया। बताया गया कि बांग्लादेशी तस्करों ने त्रिपुरा के सलपोकर के सीमावर्ती इलाकों में घुसपैठ करने की कोशिश की थी। अधिकारियों के मुताबिक धारदार हथियारों से लैस बांग्लादेशी तस्कर भारत में प्रतिबंधित सामग्री की तस्करी करना चाहते थे। समूह में कुल 12 से 15 तस्कर शामिल थे। इस दौरान ड्यूटी पर तैनात बीएसएफ जवान ने तस्करों को देखा तो अन्य जवानों को बुलाया। तभी एक जवान पर तस्करों ने हमला कर दिया। तस्करों ने बीएसएफ जवान को घेरकर उस पर तेज धार वाले हथियार से हमला किया और उसे पकड़ लिया। जिससे वह नीचे गिर गया। इसके बाद अपनी जान बचाने के लिए जवान ने अपने सर्विस हथियार से दो राउंड फायरिंग की और इसके बाद अन्य बदमाश बांग्लादेश भाग गए।

14 की उम्र में गौरी को हुआ था शाहरुख से प्यार, हनीमून पर जाने के लिए किंग खान ने बोला था ये झूठ

अभिनेता शाहरुख खान की पत्नी और फिल्म निर्माता-डिजाइनर गौरी खान आज यानी 8 अक्तूबर को अपना जन्मदिन मना रही हैं। गौरी खान रियल लाइफ में शान ओ शौकत के साथ जिंदगी गुजारती हैं। गौरी खान का जन्म 8 अक्तूबर, 1970 को दिल्ली में हुआ था। उन्होंने अपनी स्कूली शिक्षा दिल्ली में पूरी की और लेडी श्रीराम कॉलेज से पढ़ाई पूरी की। इसके अलावा, उन्होंने नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी से 6 महीने का डिग्री कोर्स भी पूरा किया। गौरी खान को टॉप 50 सबसे शक्तिशाली 50 महिलाओं की सूची में गिना जाता है।

शाहरुख से ऐसे हुई थी गौरी की मुलाकात

गौरी खान की पहली मुलाकात शाहरुख खान से एक पार्टी में हुई थी, जब गौरी खान की उम्र सिर्फ 14 साल थी। शाहरुख खान की उम्र उस वक्त 18 साल थी। दोनों को तभी प्यार हो गया था और कई सालों तक दोनों ने डेटिंग की। गौरी के माता-पिता को उनका रिश्ता मंजूर नहीं था। दोनों ने कई चीजों का सामना करते हुए 25 अक्तूबर, 1991 को दोनों ने शादी कर ली थी।

हनीमून को लेकर गौरी खान से बोला था झूठ

गौरी खान से शादी के बाद शाहरुख खान ने हनीमून की जगह को लेकर झूठ बोला था। उस समय शाहरुख के करियर की शुरुआत हुई ही थी। शाहरुख की फिल्म 'राजू बन गया जेंटलमैन' की शूटिंग के दौरान दोनों की शादी हुई थी। शादी के बाद शाहरुख ने गौरी से झूठ बोला था। उन्होंने कहा था वो हनीमून के लिए पेरिस जाएंगे। उस वक्त शाहरुख के पास इतने पैसे नहीं थे, तब वो गौरी को पेरिस बोलकर दार्जिलिंग ले गए थे।

इंटीरियर डिजाइनर हैं गौरी खान

गौरी खान ने अपने पति शाहरुख खान के साथ 2002 में प्रोडक्शन कंपनी रेड चिलीज एंटरटेनमेंट की स्थापना की। इस कंपनी में गौरी अपने पति शाहरुख खान के साथ मालिकाना हक रखती हैं। रेड चिलीज एंटरटेनमेंट के अंतर्गत 'ओम शांति ओम', 'मैं हूं ना', 'स्टूडेंट ऑफ द ईयर', 'हैप्पी न्यू ईयर', 'डियर जिंदगी' जैसी फिल्में बन चुकी हैं। इसके अलावा गौरी ने इंटीरियर डिजाइन का भी कोर्स किया है। उन्होंने अपने बांद्रा के घर मन्नत की डिजाइनिंग भी खुद की है। उन्होंने इंटीरियर डिजाइनिंग के क्षेत्र में करीबी दोस्त सुजैन खान के साथ काम किया था। 2017 में, गौरी खान ने मुंबई में अपना खुद का डिजाइन स्टूडियो, गौरी खान डिजाइन लॉन्च किया है।

इस दिन धूम मचाएगा कार्तिक आर्यन की 'भूल भुलैया 3' का ट्रेलर! पिंक सिटी में होगा लॉन्च इवेंट

कार्तिक आर्यन की फिल्म भूल भुलैया 3 इस साल की सबसे बहुप्रतीक्षित रिलीज है। इसकी रिलीज को लेकर तमाम अटकलों के बीच यह पुष्टि हो गई है कि यह फिल्म दिवाली 2024 पर बड़े पर्दे पर आएगी। हाल ही में फिल्म का पहला पोस्टर भी जारी किया गया था और आधिकारिक तौर पर यह एलान किया गया कि इस दिवाली सिनेमाघरों में यह फिल्म दस्तक देगी। फिल्म के टीजर पहले ही जारी हो चुका है, जिसे फैंस ने खूब पसंद किया था। वहीं, अब फिल्म को लेकर नई जानकारी सामने आ रही है।

'भूल भुलैया 3' के ट्रेलर से जुड़ी नई जानकारी सामने आई है। टीजर के बाद अब फिल्म के निर्माता इसका धमाकेदार ट्रेलर रिलीज करने के लिए तैयार हैं। उन्होंने ट्रेलर जारी करने की योजना बना ली है। रिपोर्ट्स के अनुसार, 'भूल भुलैया 3' का ट्रेलर 9 अक्तूबर, 2024 को रिलीज हो सकता है। ऐसी भी अटकलें हैं कि ट्रेलर को राजस्थान के जयपुर शहर में भव्य तरीके से लॉन्च किया जाएगा, लेकिन इस पहलू पर अभी तक कोई स्पष्टता नहीं है। इस बीच रिपोर्ट्स में यह भी कहा गया है कि भूल भुलैया 3 का ट्रेलर तीन मिनट से ज्यादा लंबा है।

इससे पहले खबर थी कि इसका ट्रेलर 6 अक्तूबर को आना था, लेकिन उसमें देरी हुई और अब 9 अक्तूबर को निर्माता फिल्म का ट्रेलर प्रोमो जारी करेंगे। हालांकि, इस बारे में निर्माताओं की ओर से आधिकारिक घोषणा होनी बाकी है। इससे पहले फिल्म के टीजर में कार्तिक आर्यन और विद्या बालन और तृप्ति डिमरी की झलक देखने को मिली थी, जिसमें विद्या मंजुलिका के रूप में नजर आई थीं।

टीजर से पहले कार्तिक आर्यन ने फिल्म का पहला पोस्टर जारी किया था, जिसमें एक बंद दरवाजा नजर आ रहा था और दरवाजे पर बड़ा और पुराना ताला लटका हुआ था। ताले पर मंत्र के धागे, रुद्राक्ष माला और कलावा बंधा है। पोस्टर के साथ लिखा था, 'दरवाजा खुलेगा इस दिवाली'। दरअसल, दिवाली पर यह फिल्म रोहित शेट्टी के निर्देशन में बनी अजय देवगन, दीपिका पादुकोण, करीना कपूर, अर्जुन कपूर, रणवीर सिंह, अक्षय कुमार और टाइगर श्रॉफ अभिनीत 'सिंघम अगेन' से टकराएगी।

अनीस बज्मी द्वारा निर्देशित इस फिल्म में कार्तिक भूत भगाने वाले रूह बाबा की भूमिका निभाएंगे। अनीस ने फ्रेंचाइजी के दूसरे भाग का भी निर्देशन किया था। भूल भुलैया 2 एक ब्लॉकबस्टर थी, जिसने दुनिया भर में लगभग 300 करोड़ रुपये की कमाई की। वहीं अब

फिल्म की तीसरी किस्त के लिए बहुत उम्मीदें हैं। कार्तिक आर्यन की मुख्य भूमिका वाली इस फिल्म में विद्या बालन, माधुरी दीक्षित और तृप्ति डिमरी जैसे कलाकार हैं। इस फिल्म में विद्या बालन अपनी मंजुलिका की भूमिका को दोहराएंगी। भूल भुलैया 3 इस साल दिवाली पर सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

क्या खराब दौर से गुजर रहा करण जौहर का प्रोडक्शन हाउस? इस म्यूजिक कंपनी से हिस्सेदारी की चल रही बात

म्यूजिक कंपनी सारेगामा इंडिया लिमिटेड के ग्रुप लीडर आरपी संजीव गोयनका आजकल सुर्खियों में हैं। उनकी चर्चा इसलिए की जा रही है क्योंकि उनका नाम फिल्ममेकर करण जौहर के साथ जोड़ा जा रहा है। दरअसल, हाल ही में एक खबर सामने आ रही है, जिसमें कहा जा रहा है कि सारेगामा इंडिया लिमिटेड जल्द ही धर्मा प्रोडक्शन में एक बड़ा हिस्सा ले सकता है। रिपोर्ट के मुताबिक, करण जौहर का प्रोडक्शन हाउस इस वक्त किसी इंवेस्टमेंट की तलाश कर रहा है।

हाल ही में आई मिंट की रिपोर्ट की मानें तो, लगातार बॉक्स ऑफिस में हो रहे उतार-चढ़ाव और स्टारकास्ट की बढ़ती फीस की वजह से धर्मा प्रोडक्शन की मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं। इसी वजह से वो किसी बड़े इंवेस्टमेंट ग्रुप की तलाश में हैं। सारेगामा इंडिया लिमिटेड भी फिलहाल फिल्मों और ओटीटी फील्ड में अपनी एक पहचान बनाने पर काम कर रही है। साल 2023 में इस कंपनी ने 174 करोड़ रुपए में पॉकेट एसेस पिक्चर्स में हिस्सेदारी ली थी और अब कंपनी कंटेंट कैटलॉग को और भी बढ़ाने के लिए आगे बढ़ रही है।

हालांकि, सोर्स ने बताया है कि अभी म्यूजिक कंपनी और प्रोडक्शन हाउस के बीच बातचीत फाइनल स्टेज पर नहीं पहुंची है। साथ ही ये भी कहा जा रहा है कि हो सके तो ये डील फाइनल स्टेज तक न पहुंचे। धर्मा प्रोडक्शन इस वक्त खराब स्थिति का सामना कर रहा है। प्रोडक्शन हाउस की हालिया रिलीज फिल्मों की बात करें तो इसमें 'किल', 'बैड न्यूज', 'योद्धा' और 'मिस्टर एंड मिसेज माही' का नाम शामिल है। अपकमिंग फिल्मों में जल्द ही आलिया भट्ट स्टारर 'जिगरा' भी रिलीज हो जाएगी।

बजट के बराबर ही मांग ली फीस

कुछ वक्त पहले करण जौहर ने एक्टर्स की बढ़ती फीस को लेकर बात की थी। उन्होंने बताया कि 'किल' के लिए कुछ एक्टर्स ने बजट के बराबर की फीस मांग ली थी। धर्मा प्रोडक्शन का रेवेन्यू साल 2022-23 में 1,044 करोड़ रुपए था, जिसमें से 10।69 करोड़ रुपए प्रॉफिट के तौर पर दर्ज किए गए। वहीं सारेगामा इसी साल 790।3 करोड़ रुपए का रेवेन्यू हासिल किया था, जिसमें उनका प्रॉफिट करीब 185।1 करोड़ रुपए दर्ज किया।

स्वामी, प्रकाशक व मुद्रक प्रभात पांडेय द्वारा साई ऑफसेट प्रिंटर्स 40, वासुदेव भवन कैसरबाग, लखनऊ (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 2/74, विक्रांत खंड, गोमती नगर, लखनऊ से प्रकाशित। शाखा कार्यालय: S-15/109, सेक्टर -15, इंदिरा नगर, लखनऊ। समस्त लेख, रचनाओं एवं विज्ञापन में लेखन और विज्ञापनदाताओं के अपने विचार हैं। इसके लिए आर्यावर्त क्रांति की कोई जिम्मेदारी नहीं है। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र लखनऊ, उत्तर प्रदेश ही होगा। RNI No: UPHIN/2014/57034
*सम्पादक: प्रभात पांडेय सम्पर्क: 9839909595, 8765295384 Email: aryavartkrantidainik@gmail।com